वार्षिक प्रतिवेदन
2023 – 2024

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 द्वारा स्थापित)

राया-सुचानी (बागला), जिला साम्बा-181143,
जम्मू (जम्मू व कश्मीर)
दूरभाष : 01923-249660
वेबसाइट : www.cujammu.ac.in

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

माननीय राष्ट्रपति (भारत)

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति

श्री गोपालस्वामी पार्थसारथी

माननीय कुलाधिपति

कुलपति का संदेश

केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी प्रकृति से ही भारत के विविधतापूर्ण जीवंतता के परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करता है, जहाँ विविधता और समावेशिता इसका मूल आधार हैं। एनईपी–2020 के प्रभावी कार्यान्वयन के बाद तेजी से हो रही प्रगति के अनुरूप इस विविध लोकाचार को प्रस्तुत करते हुए, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की सत्र 2023–2024 के लिए 14वीं वार्षिक रिपोर्ट में मेरे अंदर आत्म–चिंतन के साथ–साथ संतुष्टि की एक विशेष भावना का अनुभव प्रदान करती है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि विश्वविद्यालय ने अपने अस्तित्व के एक दशक में ही क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा और शोध दोनों में एक अलग पहचान बना ली है। जिससे आत्म–परीक्षण करना अनिवार्य हो जाता है क्योंकि वार्षिक रिपोर्ट भविष्य की कार्ययोजना के लिए एक खाका तैयार करने के लिए आत्मनिरीक्षण का प्रामाणिक दस्तावेज है।

यह रिपोर्ट सत्र 2023–2024 के लिए हमारी पहलों और उपलब्धियों का एक वस्तुपरक प्रतिबिंब है और शैक्षणिक गतिविधियों, शोध परिणाम और अभिनव शिक्षण पद्धति की एक व्यापक झलक प्रस्तुत करती है, जो परिसर में स्पष्ट रूप से समग्र शिक्षा और शैक्षणिक प्रतिबद्धता को प्रस्तुत करती है। शैक्षणिक सत्र 2023–24 के दौरान, विश्वविद्यालय ने 19 विभागों और 2 केंद्रों के तत्वावधान में 53 पाठ्यक्रम प्रस्तावित किएः 19 स्नातकोत्तर, 05 पंचवर्षीय एकीकृत डिग्री, 01 चार वर्षीय एकीकृत, 4 बी.टेक कार्यक्रम और स्नातक स्तर पर 03 व्यावसायिक पाठ्यक्रम के साथ 21 शोध उन्मुख पाठ्यक्रम प्रस्तावित किये गये है। इसके अतिरिक्तै, वर्ष 2023 में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से संपूर्ण वित्त पोषण के साथ प्रतिष्ठित सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र ने राष्ट्रीय नीतियों के अनुरूप सार्थक गतिविधियाँ शुरू कीं।

बाधाओं और विषमताओं का सामना करते हुए, जो जाहिर तौर पर एक संस्थान की विकास यात्रा का एक हिस्सा हैं, विश्वविद्यालय अपने राष्ट्रवादी बंधन के बारे में भी उतना ही चिंतित है, जो विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय लोकाचार में सटीक रूप से परिलक्षित होता है क्योंकि देश के विभिन्न राज्यों के छात्र यहां गर्वित शिक्षार्थी, सफल और नवप्रवर्तक हैं। विश्वविद्यालय ने अब तक 129 पीएचडी डिग्री, 108 एमफिल डिग्री प्रदान की हैं, जबकि 19 विभागों और 03 केंद्रों में 284 पीएचडी छात्र अपने शोध कार्य में कार्यरत हैं। समीक्षा अवधि के दौरान, 441 छात्रों ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम, 76 ने विभिन्न विषयों में एकीकृत कार्यक्रम और 76 ने विभिन्न स्नातक कार्यक्रम पास किए। छात्रों की नोकरियों में बढ़ोतरी देखी गई है, लगभग 150 छात्रों को विभिन्न संगठनों में नौकरियां मिली हैं, जिसमें उच्चतम पैकेज 10.5 प्रति वर्ष है।

विश्वविद्यालय अनुसंधान के लिए विभिन्न वित्त पोषण एजेंसियों से संसाधन जुटाने में सक्षम रहा है, जो प्रतिष्ठित राष्ट्रीयध्अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप, परियोजना वित्त पोषण और मान्यता से परिलक्षित होता है और इस प्रकार अनुसंधान और परामर्श के माध्यम से विभिन्न सरकारी और गैर–सरकारी क्षेत्रों में योगदान दे रहा है।

विश्वविद्यालय को 44.93 करोड़ रुपये की 129 परियोजनाएं मिली हैं, जिनमें से 13.53 करोड़ रुपये की 73 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 31.40 करोड़ रुपये की 56 परियोजनाएं चल रही हैं। विभिन्न वित्त पोषण एजेंसियां हैं, राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार, एसईआरबी, यूजीसी, आईसीएसएसआर, डीएसटी, आईयूएसी, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार, डीईआईटीवाई, भारत सरकार, एमएसएमई, भारत सरकार, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार, ईडीआईआई, अहमदाबाद, आदि।

विशेष रूप से, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली – विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता (डीएसटी–पर्स) परियोजना अनुदान के रूप में 6.51 करोड़ रुपये मिले हैं और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के तहत स्थापित पहला और एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय है जिसे पर्स अनुदान स्वीकृत किया गया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने 17 पेटेंट दायर किए हैं जिनमें से 2 पेटेंट स्वीकृत किए गए हैं।

जाहिर है, शैक्षणिक प्रतिबद्धता को अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के साथ पूरा करने की आवश्यकता है। इसलिए, परिसर और छात्रावासों में वाई–फाई सुविधा, एक स्वचालित पुस्तकालय, बुनियादी खेल ढांचे, योग कक्षाएं, विभिन्न क्लब और पारस्परिक चर्चा सत्र, साप्ताहिक गुरुवार माइंड मीट फोरम आदि के साथ, विश्वविद्यालय के छात्र उच्च गुणवत्ता वाली समग्र शिक्षा प्राप्त करने में सफल होते हैं और प्रतिष्ठित नौकरियां भी प्राप्त करते हैं। जाहिर है, शैक्षणिक प्रतिबद्धता को अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के साथ पूरा करने की आवश्यकता है। इसलिए, परिसर और छात्रावासों में वाई–फाई सुविधा, एक स्वचालित पुस्तकालय, बुनियादी खेल ढांचे, योग कक्षाएं, विभिन्न क्लब और पारस्परिक चर्चा सत्र, साप्ताहिक गुरुवार माइंड मीट फोरम आदि के साथ, विश्वविद्यालय के छात्र उच्च गुणवत्ता वाली समग्र शिक्षा प्राप्त करने में सफल होते हैं और प्रतिष्ठित नौकरियां भी प्राप्त करते हैं। विश्वविद्यालय का जोर वर्तमान में प्रस्तावित किए जा रहे विविध पाठ्यक्रमों एवं कार्यक्रमो के माध्यम से बुनियादी मानवीय मूल्यों और मानकों को विकसित करने पर रहा है।

इसके अलावा, परिसर के विकास के लिए चार हीफा द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं जिनमें आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय, पुस्तरकालय, सह प्रशासनिक खंड, 500 बिस्तरों वाला पुरुष छात्रवास और 500 बिस्तरों वाला महिला छात्रावास प्रारंभ किया गया और वर्ष 2024 के अंत तक इनके पूरा होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में स्टार्ट–अप इकोसिस्टम, नवाचार और पेटेंट पर जोर दिए जाने के अनुरूप, विश्वविद्यालय ने स्टार्ट–अप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कंपनी सेक्शन 8 की स्थापना की है।

विश्वविद्यालय का विकास स्पष्ट रूप से शिक्षण और सीखने, गुणवत्तापूर्ण शोध और प्रकाशन के क्षेत्र में वृद्धि को दर्शाता है। यह प्रगतिशील विकासात्मक प्रवृत्ति बुनियादी ढांचे और सहायक सुविधाओं में काफी स्पष्ट है। विश्वविद्यालय छात्रों को सशक्त बनाने के लिए कुछ नवीन योजनाएं लेकर आ रहा है, जैसे अर्न–व्हाइल–यू–लर्नय पूर्व छात्र बंदोबस्ती निधि आदि। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अपनी सभी बहुआयामी गतिविधियों में गुणक प्रभाव के लिए स्मार्ट शिक्षण कक्षों और आईसीटी के व्यापक उपयोग के रूप में कक्षाओं में बुनियादी सुविधाओं को गुणात्मक रूप से बढ़ाने में सफल रहा है।

विश्वविद्यालय की एक और उल्लेखनीय शक्ति देश के विभिन्न भागों से आने वाले प्रतिबद्ध संकाय सदस्यह हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान, विभिन्न स्तरों पर संकाय की संख्या 150 तक बढ़ गई है। निस्संदेह, उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए चुनौतियाँ अमृत के समान हैं और वास्तविक उत्प्रेरक सभी हितधारकों : संकाय, शोधार्थी, छात्र, प्रशासनिक कर्मचारी और सहायक कर्मचारी की सद्भावना और अटूट प्रतिबद्धता है। दृढ़ता, ईमानदारी से काम, सौहार्द और सद्भावना के साथ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय आने वाले वर्ष में गौरव के नए शिखरों को प्राप्त करने के लिए तत्पर है।

जय हिंद !

प्रो.संजीव जैन
कुलपति

दूरदर्शिता एवं उद्देश्य

दूरदर्शिता

उच्च शिक्षा का अग्रंणी केंद्र होना जिससे संस्कृति, ज्ञान, दर्शन तथा हमारे मूल्यों का एकीकरण हो, जो हमारी प्राचीन धरोहर को आधुनिक तथा उभरते विचारों, योग्यताओं, तकनीकी तथा प्रबंध अभ्यासों से आत्मसात करें।

उद्देश्य

- ऐसी शिक्षा प्रदान करना जो अपने विस्तार में हमारे प्रतीक चिह्न के तीन मुख्य प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करें–उगते सूर्य के समान चमक, बरगद के पेड़ के समान अनश्वर तथा आकाश के समान अनंत।
- आत्मविश्वास विकसित करना जो अनुशासित अध्ययन से मिश्रित हो, जो अपनी शक्ति तथा दृढ़–विश्वास हेतु श्रद्धा में परिणत हो।
- शिक्षा, प्रशासन, व्यापार तथा शोध में निरंतर विकास के लिए योग्यता विकसित करना जिसके लिए संगठित विचार, आत्म–अनुशासन तथा अंतर कर सकने वाली योग्यता पर जोर दिया जाएगा।
- अंतर–विषय पर ध्यान केंद्र करने के लिए प्रोत्साहित करना, साथ ही अग्रणी संस्थानों के साथ एकीकृत शोध पर जोर देना जिसका उद्देश्य मानव संसाधन का विकास तथा नए विचारों तथा नवीनीकरण तथा एकीकरण करना।
- एक आधुनिक, स्थाई वातावरण अनुकूल, स्वस्थ तथा जीवंत परिसर उपलब्ध कराना जो 'ग्रीन तकनीकी' के सिद्धांतों के अनुकूल हो।
- आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के मामलों में विशेष रूप से सभ्य समाज के मामलों में सामान्य रूप से सहयोगी प्रतिभागी बनना।

आदर्श वाक्य

विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य 'बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्ध्यति' का अर्थ है कि ज्ञान मन को परिष्कृत, शुद्ध और तेज करना।

प्रतीकात्मक – उगता सूरज, बरगद का पेड़ और अनंत आकाश प्रकृति के कुछ सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं, जो इसके सार का प्रतीक हैं और मानव जाति को जीवन के एक उत्पादक तरीके को अपनाने, ज्ञान प्राप्त करने और शांति और खुशी प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। इन तत्वों को जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक प्रतीक के रूप में एक साथ व्यवस्थित किया गया है।

उगता सूर्य – बरगद के पेड़ की पृष्ठभूमि में उगता हुआ सूर्य अंधकार पर विजय का प्रतीक है – अज्ञान पर ज्ञान की विजय है और छात्र प्रकाश में रहेंगे, ज्ञान प्राप्त करेंगे और ज्ञानी होंगे।

बरगद का वृक्ष – प्रतीक का यह हिस्सा घोषणा करता है कि जैसा कि बरगद का पेड़ शुद्ध हवा प्रदान करने के लिए अशुद्धियों को फिल्टर करता है और अपनी प्रोप जड़ों के माध्यम से फैलता है, विश्वविद्यालय ज्ञान और ज्ञान को प्रतिध्वनित करने का इरादा रखता है, जिससे संगठित विचार और आत्म अनुशासित व्यक्तियों को योगदान और भागीदारी के माध्यम से अग्रणी बनाया जाता है।

अनंत आकाश – सूर्य की किरणों से भरे अनंत आकाश की विशाल छतरी ज्ञान की प्राप्ति, वृद्धि और प्रसार के लिए उपलब्ध विशाल विस्तार को दर्शाती है। विचारों के पोषण और प्रवाह के लिए एक संपूर्ण प्रभाव क्षेत्र के रूप में उभरती हुई भावना है।

विश्वविद्यालय असीम शिक्षा, ज्ञान और ज्ञान का एक घर है जो उद्देश्यपूर्ण आत्मनिरीक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है, जिससे व्यक्तिगत विकास होता है।

संक्षेप में, उगता सूरज, बरगद के पेड़ और अनंत आकाश के साथ, वास्तव में विश्वविद्यालय के मूल्यों, आकांक्षाओं, लक्ष्यों और लोकाचार को दर्शाता है क्योंकि यह नए विचारों को अपनाने के लिए जीवंत, विद्वान और सशक्त युवाओं के माध्यम से एक प्रबुद्ध समाज में प्रवेश करना चाहता है और आधुनिक दुनिया में उभरते रुझान परिणामी परिवर्तनों का सामना करने के लिए उत्सुक।

विषय सूची

क्र. सं.	विषय	पृ. सं
1	परिसर एक नज़र में	1 – 2
2	भविष्य की साझेदारी के लिए सीयूजे की आधारशिला (एमओयू)	3 – 4
3	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	5
4	शैक्षणिक विशेषताएं	6 – 8
5	अत्याधुनिक आधारभूत संरचना	9 – 11
6	प्रस्तावित पाठ्यक्रम एवं प्रविष्टियां	12 – 14
7	विश्वविद्यालय निकाय	15 – 16
8	कार्यकारी परिषद	17 – 18
9	शैक्षणिक परिषद	18 – 19
10	वित्त समिति	20
11	योजना बोर्ड	21
12	विश्वविद्यालय के अधिकारी	22
13	भाषा विद्यालय	23 – 30
14	शिक्षा विद्यालय	31 – 36
15	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	37 – 48
16	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	49 – 52
17	व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय	53 – 58
18	इंजीनियरिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय	59 – 76
19	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	77 – 93
20	जीव विज्ञान विद्यालय	94 – 119
21	ज्ञान, प्रबंधन विद्यालय, सूचना एवं मीडिया अध्ययन	120 – 122
22	अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय	123
23	प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट	124
24	स्थापना स्कंध	126 – 128
25	एनसीसी महिला स्कंध का उद्घाटन	129
26	हिन्दी प्रकोष्ठ	129 – 134

परिसर एक नज़र में

परिचय

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) 08 अगस्त 2011 को अस्तित्व में आया और इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के साथ पठित 2009 का अधिनियम सं 25) के तहत स्थापित किया गया था। पहला शैक्षणिक सत्र 2011 तीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ शुरू हुआ और वर्तमान में विश्वविद्यालय अपने विभागों और केंद्रों के माध्यम से विभिन्न स्नातक / स्नातकोत्तर / पीएचडी / डिप्लोमा / प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। परिसर स्थानीय और राज्य परिवहन के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के एक समावेशी और बहुलवादी संस्थान का प्रतीक है। एक सामूहिक समुदाय के रूप में संकाय और छात्र ज्ञान की खोज और साझा करने के साथ–साथ हमारी दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय परिसर, राया–सुचानी (बागला), जिला–सांबा, (जम्मू–कश्मीर) में स्थित है। विश्वविद्यालय परिसर क्षेत्र 610– एकड़ तक फैला हुआ है जिसमें विभिन्न प्रकार की उल्लेखनीय भौगोलिक विशेषताएं शामिल हैं, जिनमें एक सुंदर वातावरण, विभिन्न भवन और बड़ी सड़कें शामिल हैं। स्थापित परिसर सद्भाव और प्राकृतिक सुंदरता के साथ देखने लायक है। मुख्य शैक्षणिक भवन में विभिन्न शिक्षण, अनुसंधान, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और मनोरंजक सुविधाएं हैं।

भविष्य की साझेदारी के लिए सीयूजे की आधारशिला (एमओयू)

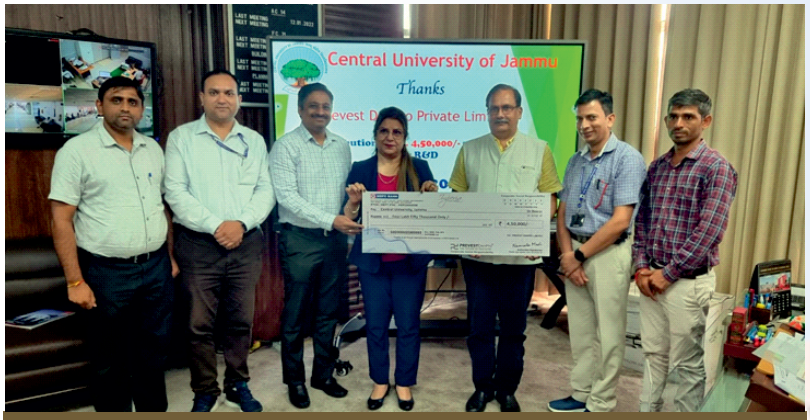

प्रीवेस्ट डेन प्रो प्राइवेट लिमिटेड, बीएसई सूचीबद्ध और सीयूजे के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए आई.आई.एस.टी, त्रिवेंद्रम और सीयूजे के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

मेकॉन और सीयूजे के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

प्रस्तावित पाठयक्रम

व्यवसायिक अध्ययन विद्यालय

- एमबीए
- एमबीए (पर्यटन एव यात्रा प्रबंधन)
- एमबीए (विपण्ण प्रबंधन)
- पी.एच.डी

भाषा विद्यालय

- एम.ए. अंग्रेजी
- एम.ए. हिंदी
- पी.एच.डी

आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय

- एम.एस.सी. गणित
- एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) – एम.एससी. (भौतिकी)
- एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) – एम.एससी. (रसायन विज्ञान)
- एम.एससी. सामग्री विज्ञान एव प्रौद्योगिकी
- एम.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान)
- पीएच.डी. (गणित/भौतिकी/रसायन विज्ञान पदार्थ विज्ञान/कम्प्यूटर विज्ञान)

जीव विज्ञान विद्यालय

- एम.एस.सी. पर्यावरण अध्ययन
- एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) – एम.एससी. प्राणि विज्ञान
- एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) – एम.एससी. वनस्पति विज्ञान
- एम.एस.सी. जैवप्रौद्योगिकी
- पीएच.डी. (वनस्पति विज्ञान/प्राणि विज्ञान /ई.वी.एस./जैव प्रौद्योगिकी)

शिक्षा विद्यालय

- बी.ए. – बी.एड.
- एम.एड.
- पी.एच.डी

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय

- एम.ए राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन
- पीएच.डी

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय

- एम.एससी. (अर्थशास्त्र – एकीकृत 5 वर्ष)
- एम.ए. लोक नीति एव लोक प्रशासन
- भारतीय रहस्यवादी विचार/शैववाद/ब्राह्मी एवं शारदा में पीजी डिप्लोमा
- एम.ए. समाज कार्य
- पी.एच.डी

ज्ञान प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय

- एम.ए जनसंचार एवं न्यू मीडिया
- पी.एच.डी

इंजीनियरिंग एव प्रौद्योगिकी स्कूल

- बी.टेक (सी.एस.ई)
- बी.टेक (सी.एस.ई)–साइबर सुरक्षा
- बी.टेक (ई.सी.ई)
- बी.टेक (ई.सी.ई)–एवियोनिक्स

सामुदायिक महाविद्यालय

- व्यावसायिक अध्ययन स्नातक
- बैंकिंग एव वित्तीय सेवाएँ
- पर्यटन प्रबंधन
- खुदरा प्रबंधन

शैक्षणिक विशेषताएं

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा की स्थिति और कद को बढ़ाने वाले विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की ओर अग्रसर है। बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना एक बढ़ते संस्थान का सर्वोच्च उद्देश्य है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित किए जाने वाले सभी पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप निरंतर पुनर्रचना और सुधार की स्थिति में हैं। इसे सुनिश्चित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित सुनिश्चित किए हैं:

अभिनव कार्यक्रम अभिकल्पना

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम छात्रों को उनके संबंधित विषयों में दुनिया भर में प्रतिस्पर्धात्मक के लक्ष्य के साथ बनाए गए हैं। पारंपरिक 'शिक्षक–केंद्रित दृष्टिकोण' के विपरीत 'शिक्षार्थी–केंद्रित दृष्टिकोण' पर ध्यान केंद्रित किया जाता है ताकि शिक्षार्थियों की जरूरतों और अपेक्षाओं को समायोजित किया जा सके और सीखने की सामग्री, तरीके और गति में व्यापक विकल्प उपलब्ध कराए जा सकें।

अधिगम के अंतःविषय दृष्टिकोण को अपनाना

विश्वविद्यालय का प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम अंतःविषयी दृष्टिकोण वाला है क्योंकि छात्र को विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले विविध पाठ्यक्रमों से आवश्यक अंक में क्रेडिट प्राप्त करने का अधिकार दिया जाता है। अंतःविषयी अध्ययन छात्रों को सीखने के क्षेत्र की समग्र अवधारणा के संदर्भ में जानकारी प्रदान करता है।

सत्रक प्रणाली पर आधारित शैक्षणिक कैलेंडर

सभी शैक्षणिक कार्यक्रम अर्थात् प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, बी.वॉक. , स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) सत्रक प्रणाली पर आधारित हैं, जो वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप बनाए गए हैं ताकि अधिक संरचित प्रतिरूप और पर्याप्त शिक्षण–अधिगम निवेश के साथ शिक्षण दिनों की प्रभावी संख्या को शामिल किया जा सके।

व्यापक विकल्प आधारित ऋण प्रणाली का समावेश

विश्वविद्यालय विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की तर्ज पर यूजीसी के मानदंडों के अनुसार व्यापक विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) का पालन कर रहा है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम के लिए समग्र मूल्यांकन प्रणाली

अध्ययन के सभी विषयों में नामांकित छात्रों का मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ, क्षेत्र परियोजना, समनुदेशन, स्वतंत्र कार्य, समूह कार्य, मध्य–सत्र और अंतिम–सत्र परीक्षाओं के आधार पर सतत आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक विभाग छात्रों के समग्र मूल्यांकन के लिए सतत् आंतरिक मूल्यांकन के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए गतिविधियों की एक सूची में से कम से कम तीन गतिविधियाँ प्रदान करता है।

सभी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया

असाइनमेंट, स्वतंत्र कार्य, समूह कार्य, मध्य–सत्र और अंतिम–सत्र परीक्षाओं का उपयोग सभी स्तरों पर सभी विषयों में सभी पाठ्यक्रमों में छात्रों का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। प्रत्येक विभाग निरंतर आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया के भाग के रूप में गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन को मापने के लिए गतिविधियों की एक सूची से कम से कम चार गतिविधियाँ प्रदान करता है। निम्नलिखित चरण मूल्यांकन प्रक्रिया का निर्माण करते हैं:

सतत आंतरिक मूल्यांकन	25%
मध्य सत्र परीक्षा	25%
अंतिम सत्र परीक्षा	50%

पीजी और पीएचडी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

छात्रवृत्ति छात्रों की सहायता का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय छात्रों और शोधकर्ताओं को छात्रवृत्ति के लिए राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा पास करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करके इन छात्रवृत्ति का लाभ उठाने में सहायता करता है । पीएचडी कर रहे शोधकर्ता और जिन्होंने अपना यूजीसी (जेआरएफ) गेट पास कर लिया है, वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति का लाभ उठा रहे हैं। विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा प्राप्त की जाने वाली अन्य विभिन्न छात्रवृत्ति में एनजीओबीसी, आरजीएनएफ, सिंगल गर्ल चाइल्ड, पहाड़ी बोलने वाले, एससी/एसटी छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक के बाद छात्रवृत्ति, पीएमएस–अल्पसंख्यक आदि शामिल हैं।

अत्याधुनिक सुविधाएं

विश्वविद्यालय परिसर में पुस्तकालय, व्यायामशाला, कैंटीन, छात्रवास, खेल सुविधा, वाई–फाई संयोजकता और विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध हैं। परिसर पर्यावरण के अनुकूल हरा–भरा और आकर्षक है, तथा सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय में नामांकित छात्र बिना किसी सदस्यता शुल्क का भुगतान किए इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

इंटर्नशिप एम्बेडेड कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस पहल का लक्ष्य भारतीय युवाओं को क्षेत्र–विशिष्ट व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है । अगली पीढ़ी के व्यावसायिक शिक्षा स्नातक बी.वॉक., पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 'राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ)' के तहत उम्मीदवारों को ''उद्योग के लिए तैयार'' बनाने और ''युवा उद्यमियों'' को आकार देने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण ज्ञान और कौशल अंतराल को संबोधित करने के लिए प्रस्तावित किए जाते हैं। व्यावसायिक शिक्षा स्नातक बी.वॉक., पाठ्यक्रम विशिष्ट नौकरी में भूमिकाओं और उनके समकक्ष राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) के साथ–साथ व्यापक–आधारित सामान्य शिक्षा को शामिल करते हैं। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय वर्तमान में तीन बी.वॉक. पाठ्यक्रम अर्थात् बी.वॉक. (पर्यटन प्रबंधन), बी.वॉक. (खुदरा प्रबंधन) और बी.वॉक. (बैंकिंग एव वित्त) प्रदान करता है। तीन साल का डिग्री पाठ्यक्रम

एक डिप्लोमा कोर्स से शुरू होता है जो तीसरे वर्ष में व्यावसायिक शिक्षा स्नातक डिग्री बी.वॉक ., की ओर ले जाता है 'सीखते हुए कमाएँ' मॉडल के जरिए। यह 'सीखते हुए कमाएँ' मॉडल छात्रों को कौशल ज्ञान क्षेत्रों में मामूली वजीफा कमाने का अवसर प्रदान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए अवसर

पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक विदेशी छात्रों को "अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए प्रवेश प्रावधान" के अंतर्गत प्रवेश के लिए आवेदन करने का अवसर दिया जाएगा।

किफायती शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में अपेक्षाकृत कम शिक्षण शुल्क है जिसे किसी भी पृष्ठभूमि के छात्र वहन कर सकते हैं। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने का लाभ यह है कि छात्रों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने के लिए किसी भी कार्यक्रम का शुल्क अत्यधिक महंगा नहीं है।

अत्याधुनिक आधारभूत संरचना

कार्यक्रमों की समकालीन मांगों को पूरा करने के लिए, विश्वविद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम, अच्छी तरह से सुसज्जित अनुसंधान प्रयोगशालाएँ और व्याख्यान थिएटर जैसी अत्याधुनिक अवसंरचनात्मक सुविधाएँ हैं। विश्वविद्यालय के पास एक पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है जिसमें पर्याप्त संख्या में पुस्तकें (भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक दोनों), पत्रिकाएँ (भौतिक / ऑनलाइन दोनों और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले अध्ययन के कई विषयों/कार्यक्रमों से संबंधित संदर्भ सामग्री उपलब्ध है।

इंटरनेट एव आईसीटी लैब्स

विश्वविद्यालय निर्बाध वाई–फाई संयोजकता से सुसज्जित है और छात्र परिसर में कहीं से भी अपने लैपटॉप के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में तीन अत्याधुनिक आईसीटी लैब भी हैं जो सभी विषयों के छात्रों के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर एवं लैस उच्च–स्तरीय पी.सी. से सुसज्जित हैं।

व्यायामशाला

विश्वविद्यालय ने मुख्य परिसर में पूर्णतः सुसज्जित व्यायामशाला स्थापित की है

सेमिनार हॉल

170 लोगों की बैठने की क्षमता वाला सुसज्जित सेमिनार हॉल बनाया गया है। आधिकारिक बैठकों, सेमिनारों और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए समिति कक्ष उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय

पुस्तकालय की स्थापना वर्ष 2011 में हुई थी और अब इसमें 21 विभाग हैं। इसमें 27253 पुस्तकें, 50 प्रिंट पत्रिकाएं, 5118 ऑनलाइन ई–पत्रिकाएं, 277 ई–पुस्तकें, 16 समाचार पत्र, 15 पत्रिकाएं का संग्रह है और इन–फीड (इनफली बेनट) के माध्यम से सब्सक्राइब किए गए ई–संसाधनों तक पहुँचने के लिए रिमोट एक्सेस सुविधा है। पुस्तकालय में शोधार्थियों और छात्रों के लिए ई–संसाधनों, इंटरनेट और ओपेक का प्रयोग करने के लिए 10 कंप्यूटर हैं। पुस्तकालय में यू आरकेयू एनडी और आईथेनटिकेट (टर्निटिन) नामक एंटी–प्लेगियरिज्म सॉफ्टवेयर तक उपलब्ध करवाए गए है।

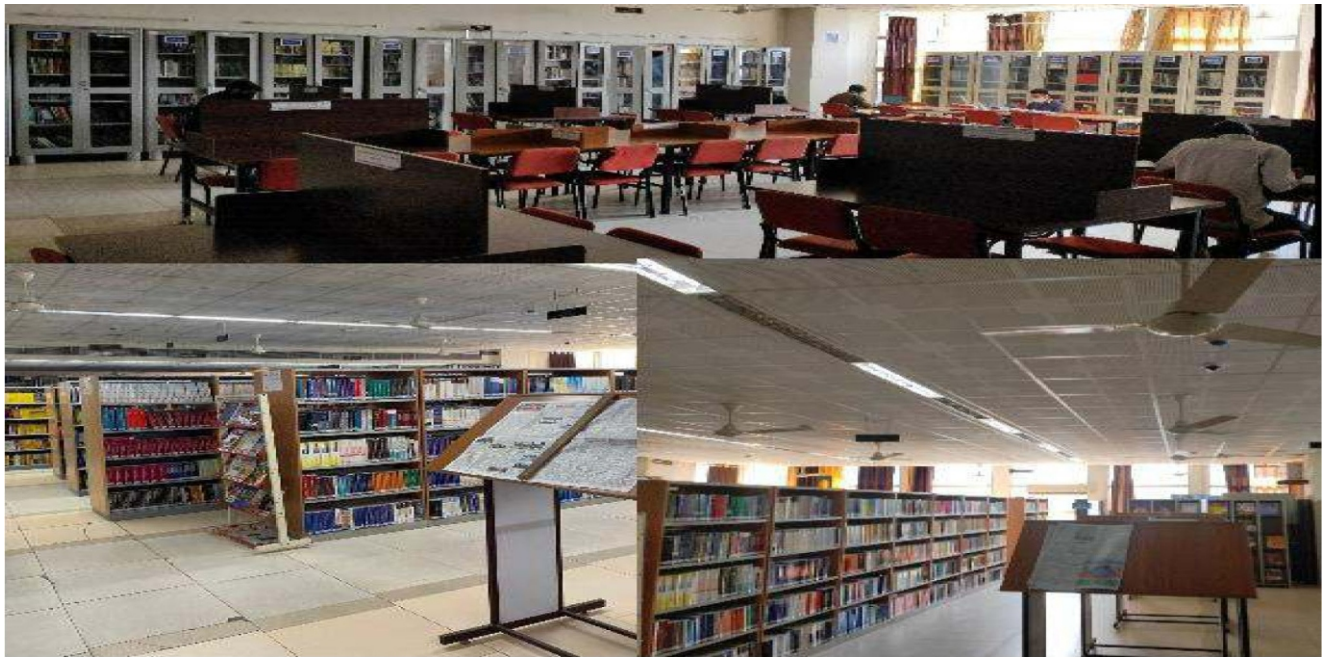

प्रयोगशालाएं

विश्वविद्यालय अपने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को शिक्षण, अनुसंधान और व्यावहारिक गतिविधियों के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में विज्ञान के विभिन्न विषयों के लिए समर्पित प्रयोगशालाएँ हैं।

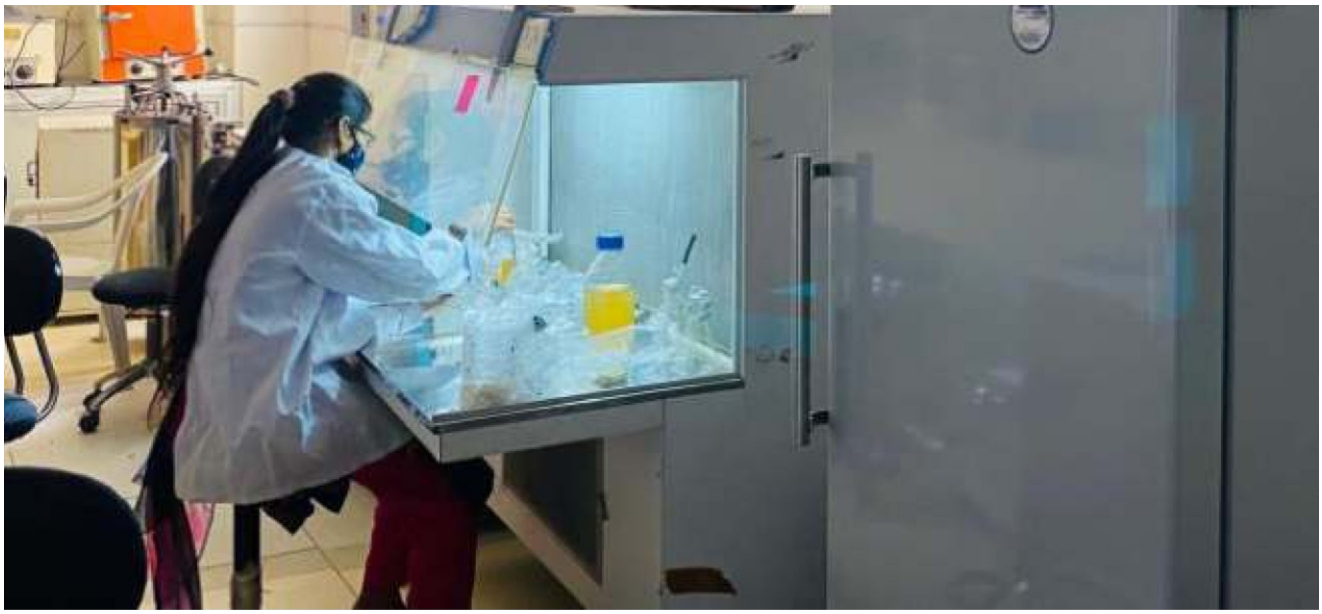

स्वास्थ्य देखभाल

विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए पूर्णकालिक डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ सहित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कैंटीन / कैफेटेरिया

विश्वविद्यालय में एक विशाल, हवादार कैंटीन है, जहां छात्रों और शिक्षण संकाय को परिसर में स्वच्छ परिस्थितियों में तैयार किए गए साफ–सुथरे खाद्य पदार्थों का आनंद लेने का अवसर मिलता है।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम एवं प्रविष्टियां

स्नातक, स्नातकोत्तर और एकीकृत पी.एच.डी. कार्यक्रम (2023-24)

2023-24 के लिए संबंधित विभागों में स्नातक ,स्नातकोत्तर और एकीकृत पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले छात्रों / शोधार्थियों का विवरण निम्नानुसार है-:

स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम (2 वर्ष)

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	छात्र प्रविष्ट
1	व्यवसायिक अध्ययन विद्यालय	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग	एम.बी.ए	33
2		पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग	एम.बी.ए (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन)	14
3		विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग	एम.बी.ए (विपण्ण प्रबंधन)	34
4	ज्ञान, प्रबंधन, सूचना एवं मीडिया अध्ययन विद्यालय	जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग	एम.ए. (जनसंचार एवं नवीन मीडिया)	13
5	आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)	08
6		नैनो विज्ञान एव सामग्री विभाग	एम.एस.सी. (सामग्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)	08
7		गणित विभाग	एम.ए./एम.एससी. गणित	36
8	शिक्षा विद्यालय	शैक्षिक अध्ययन विभाग	एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)	28
9	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग	एम.ए. (लोक नीति एवं लोक प्रशासन)	32
10		समाज कार्य विभाग	एम.ए. (समाज कार्य)	26
11		तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र	एम.ए. (तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता)	06
12	भाषा विद्यालय	अंग्रेजी विभाग	एम.ए. (अंग्रेजी)	35
13		हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग	एम.ए (हिंदी)	06
14	प्राणि विज्ञान विद्यालय	पर्यावरण विज्ञान विभाग	एम.एस.सी. (पर्यावरण विज्ञान)	70
15		अणुजैविक विज्ञान केंद्र	एम.एस.सी. (जैव प्रौद्योगिकी)	46
16	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग	एम.ए. (राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन)	12

एकीकृत यूजी-पीजी कार्यक्रम 5 वर्ष

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	छात्र प्रविष्ट
1	प्राणि विज्ञान विद्यालय	वनस्पति विज्ञान विभाग	एकीकृत बी.एस.सी (ऑनर्स) एम.एस.सी (वनस्पति विज्ञान)	57
2		प्राणि विज्ञान विभाग	एकीकृत बी.एस.सी (ऑनर्स) एम.एस.सी (प्राणि विज्ञान)	63
3	आधारिक एव अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय	रसायन एव रासायनिक विज्ञान विभाग	एकीकृत बी.एससी (ऑनर्स) - एम.एस.सी (रसायन विज्ञान में)	63
4		भौतिकी एव खगोल शास्त्र विज्ञान विभाग	एकीकृत बी.एससी (ऑनर्स) एम.एस. सी (भौतिकी में)	41
5	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय	अर्थशास्त्र विभाग	एकीकृत बीएससी (ऑनर्स) एम.एस.सी.(अर्थशास्त्र में)	45

एकीकृत यूजी-पीजी पाठ्यक्रम 4 वर्ष

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	छात्र प्रविष्ट
1	शिक्षा विद्यालय	शिक्षा विभाग	एकीकृत बी.ए-.बी.एड.	70

बी.टेक. पाठ्यक्रम (4 वर्ष)

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	छात्र प्रविष्ट
1	अभियांत्रिकी विद्यालय	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग	कंप्यूटर विज्ञान एव इंजीनियरिंग में बी.टेक	52
2			कंप्यूटर विज्ञान एव इंजीनियरिंग में बी.टेक (साइबर सुरक्षा)	52
3		इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग	इलेक्ट्रॉनिक्स एव संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक	23
4			इलेक्ट्रॉनिक्स एव संचार इंजीनियरिंग (एवियोनिक्स) में बी.टेक	13

व्यावसायिक/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग	छात्र प्रविष्ट
1	सामुदायिक महाविद्यालय	बी.वॉक. (खुदरा प्रबंधन)	27
2		बी.वॉक. (पर्यटन प्रबंधन)	25
3		बी.वॉक. (बैंकिंग एव वित्तीय सेवाएं)	37
4	तुलनात्मक धर्म एव सभ्यता केंद्र	पीजी डिप्लोमा (एक वर्ष) – भारतीय रहस्यमय विचार	0

5		पीजी डिप्लोमा (एक वर्ष)-शैववाद	0
6		पीजी डिप्लोमा (एक वर्ष)- भारतीय लिपि: ब्राह्मी और शारदा	0

व्यावसायिक/पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विद्यालय	विभाग/केन्द्र	प्रस्तावित कार्यक्रम	छात्र प्रविष्ट
1	व्यवसायिक अध्ययन विद्यालय	सामुदायिक महाविद्यालय	बी.वॉक (खुदरा प्रबंध)	13
			बी.वॉक (पर्यटन प्रबंधन)	17
			बी.वॉक (बैंकिंग एवं वित्त प्रबंधन)	32
2	मानविकी विद्यालय एव सामाजिक विज्ञान	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र	पीजी डिप्लोमा (भारतीय लिपियाँ ब्राह्मी और शारदा)	13
			पीजी डिप्लोमा (शैव धर्म)	13
			पीजी डिप्लोमा (भारतीय रहस्यमय विचार)	06

विश्वविद्यालय निकाय

विश्वविद्यालय न्यायालय

i	कुलाधिपति	अध्यक्ष पदेन
ii	कुलपति	सदस्य पदेन
iii	सम कुलपति	सदस्य पदेन
iv	सभी अधिष्ठाता	सदस्य पदेन
v	कार्यकारी परिषद के दो सदस्य होंगे कार्यकारी परिषद द्वारा मनोनीत।	रिक्त रिक्त
vi	सभी विभागाध्यक्ष	सदस्य पदेन
vii	चार सदस्य कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किये जायेंगे	रिक्त रिक्त रिक्त रिक्त
viii	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	सदस्य पदेन
ix	कुलसचिव	सदस्य -सचिव पदेन
x	पुस्तकालयाध्यक्ष	सदस्य पदेन
xi	कुलानुशासक	सदस्य पदेन
xii	परीक्षा नियंत्रक	सदस्य पदेन
xiii	वित्त अधिकारी	सदस्य पदेन
निदेशकों /प्रधानाचार्यों/आचार्यों में से शिक्षकों के प्रतिनिधि		
xiv	दस आचार्य जो विभागाध्यक्ष / अधिष्ठाता नहीं हैं ,लेकिन वे आचार्य / निदेशक / प्रधानाचार्य का दर्जा रखते हैं। आचार्य/निदेशक/प्रधानाचार्य को कुलपति द्वारा क्रमावर्ती पर प्रत्येक विद्यालय /केंद्र /कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने के	1. प्रो. जे.एन. बलिया शैक्षिक अध्ययन विभाग 2. प्रो. कुसुम कुमारी भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग

	लिए नामित किया जाएगा। प्रत्येक विभाग /विद्यालय /केंद्र को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। क्रमावर्ती तब तक जारी रहेगा जब तक सभी को प्रतिनिधित्व नहीं मिल जाता।	
xv	दो सह आचार्य जो विभागाध्यक्ष नहीं हैं कुलपति द्वारा मनोनीत सह आचार्य प्रत्येक विद्यालय/केंद्र/कॉलेज का क्रमावर्ती के आधार पर प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रत्येक विभाग/विद्यालय/केंद्र को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। क्रमावर्ती तब तक जारी रहेगा जब तक सभी को प्रतिनिधित्व नहीं मिल जाता।	1. डॉ .उदय प्रताप सिंह सह – आचार्य गणित विभाग. 2. डॉ. धनंजय कुमार सह – आचार्य प्राणि विज्ञान
xvi	दो सहायक आचार्य जिन्हें कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा।	1. डॉ. विनीता शर्मा सहायक आचार्य प्राणि विज्ञान विभाग 2. डॉ. नरेश कुमार विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग
गैर-शिक्षण कर्मचारियों के प्रतिनिधि		
xvii	गैर-शिक्षण स्टाफ के तीन सदस्य ,एक कुलपति द्वारा क्रमावर्ती के आधार पर नामित	समूह' ए' 1. डॉ .विजयता पुरी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी समूह' बी' 1. श्रीमती राधा कुमारी, निजी सहायक समूह' सी' 1. श्रीमती हरिंदर कौर अपर श्रेणी लिपिक
विद्वान व्यवसायों और विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति		
xviii	उद्योग, वाणिज्य, ट्रेड यूनियन, बैंकिंग, कृषि, स्वास्थ्य एवं संस्कृति, वित्तीय संस्थान, कानूनी, नौकरशाह, पुलिस/सेना, प्रख्यात शिक्षाविद्, इंजीनियरिंग/वास्तुकला, मीडिया, टीवी/फिल्म, सामाजिक कार्य, कॉर्पोरेट आदि के प्रतिनिधि सहित विद्वान व्यवसायों और विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले छह व्यक्ति कार्यकारी परिषद द्वारा नामित किए जाएंगे।	1. रिक्त 2. रिक्त 3. रिक्त 4. रिक्त 5. रिक्त 6. रिक्त
कुलाधिपति के मनोनीत सदस्य		
xix	कुलपतियों एवं प्रख्यात शिक्षाविदों में से कुलाधिपति द्वारा नामित दो व्यक्ति।	रिक्त रिक्त
xx	एक पूर्व छात्र एवं छात्र परिषद प्रतिनिधि।	पूर्व छात्रों रिक्त छात्र परिषद प्रतिनिधि रिक्त

कार्यकारी परिषद

कार्यकारी परिषद की संरचना	कार्यकारी परिषद के सदस्य
कुलपति	अध्यक्ष पदेन
सम कुलपति	सदस्य रिक्त
सचिव ,उच्च शिक्षा विभाग ,मानव संसाधन विकास मंत्रालय , भारत सरकार या उनके द्वारा नामित व्यक्ति जो संयुक्त सचिव के पद से नीचे न हो।	सदस्य पदेन
अध्यक्ष, यूजीसी या उनके द्वारा नामित व्यक्ति	प्रो .अनु जी .अग्रवाल परिचालन अनुसंधान विभाग संकाय गणितीय विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय
उच्च शिक्षा से संबंधित मामलों को देखने वाले राज्य सरकार के सचिव	सदस्य पदेन
शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योग्यता रखने वाले चार व्यक्ति ,जिन्हें कुलाध्यक्ष, द्वारा नामित किया जाएगा एमएचआरडी पत्र संख्या एफ.सं-2019/1-52.सीयू III-दिनांक 18.02.2019 देखें	प्रो. देविंदर सिंह अध्यक्ष, विधि विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
	प्रो .जय प्रकाश यादव कुलपति ,इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय ,मीरापुर ,रेवाड़ी
	प्रो .अनु जी .अग्रवाल परिचालन अनुसंधान विभाग के संकाय गणितीय विज्ञान ,दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली,
	प्रो .उषा मीना पर्यावरण विज्ञान विद्यालय ,जेएनयू, नई दिल्ली
तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविद् जो सेवा में नहीं हैं विश्वविद्यालय ,कार्यकारी परिषद द्वारा अनुशंसित पैनल में से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नामित किया जाएगा;	सदस्य रिक्त
	सदस्य रिक्त
	सदस्य रिक्त
कुलाध्यक्ष, द्वारा नामित न्यायालय का एक सदस्य	सदस्य रिक्त
वरिष्ठता के अनुसार तीन अधिष्ठाता अध्ययन विद्यालयों के क्रमावर्ती अनुसार	प्रो .विनय कुमार अधिष्ठाता, आधारिक एवं अनुप्रयुकत विज्ञान विभाग
	प्रो .वंदना शर्मा अधिष्ठाता, भाषा विद्यालय
	प्रो. सुनील धर , अधिष्ठाता , आधारिक एवं अनुप्रयुकत विज्ञान विभाग

एक आचार्य जो अधिष्ठाता न हो, क्रमावर्ती द्वारा वरिष्ठता के अनुसार कुलपति द्वारा मनोनीत किया जाएगा	प्रो. दीपक पठानिया आचार्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग
एक सह आचार्य जो अधिष्ठाता न हो, वरिष्ठता के अनुसार क्रमावर्ती से कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा	डॉ. रूची चौधरी सह –आचार्य लोक नीति एव लोक प्राशासन विभाग
कुलसचिव	सचिव (पदेन)

शैक्षणिक परिषद

i	कुलपति	प्रो. संजीव जैन माननीय अध्यक्ष जी
ii	सम कुलपति	सदस्य
iii	अध्ययन विद्यालयों के अधिष्ठाता	सदस्य
iv	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	सदस्य
v	कुलानुशासक	सदस्य
vi	पुस्तकालयाध्यक्ष	सदस्य
vii	न्यायालय के निर्वाचित सदस्यों में से न्यायालय का एक सदस्य ,जिसे न्यायालय द्वारा नामित किया जाएगा	प्रो. वरुण साहनी पूर्व कुलपति, गोवा विश्वविद्यालय
viii	वरिष्ठता और क्रमावर्ती के आधार पर दस शिक्षण विभागाध्यक्ष कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे	1. विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग 2. विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग 3. विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग 4. विभागाध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग 5. विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग 6. विभागाध्यक्ष, नैनो विज्ञान विभाग 7. रिक्त 8. रिक्त 9. रिक्त 10. रिक्त
ix	केंद्र के पांच निदेशक ,यदि कोई हों ,वरिष्ठता और क्रमावर्ती के आधार पर कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।	I. प्रो. बी.एस. भाऊ निदेशक, डी आर डी ओ II. निदेशक, अनुजैविक विज्ञान केंद्र III. प्रो. विनय कुमार निदेशक / संयोजक, एसडीएससी IV. प्रो. यशवंत सिंह V. निदेशक, शारीरिक शिक्षा निदेशालय VI. डॉ. अजय कुमारसिंह निदेशक, सीसीआरसी
x	प्रत्येक विद्यालय से दो आचार्य, जो विद्यालय के अधिष्ठाता या विभागाध्यक्ष / केन्द्र के प्रमुख नहीं हैं और कार्यकारी परिषद के सदस्य नहीं हैं, वरिष्ठता और क्रमावर्ती के आधार पर कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे।	i. रिक्त ii. रिक्त

xi	दो सह आचार्य जो (iii) (iv) (v) मे शामिल नही है या विभागाध्यक्ष नही हैं या कार्यकारी परिषद के सदस्य नही है, वरिष्ठता के अनुसार क्रमावर्ती अनुक्रम द्वारा ,कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाएंगे	i. डॉ .ऋचा कोठारी सह आचार्य, ईवीएस विभाग ii. डॉ .रितु बक्शी सह–आचार्य शैक्षिक अध्ययन विभाग
xii	दो सहायक आचार्य ,जो कार्यकारी परिषद के सदस्य नही है, वरिष्ठता के अनुसार क्रमवर्ती अनुक्रम से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाएंगे	i. डॉ .पविंदर सिंह गणित विभाग ii. डॉ .नीलिका अरोड़ा मानव संसाधन प्रबंधन एवं प्रचालन प्रबंधन विभाग
xiii	दस व्यक्ति ,जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं , शैक्षिक प्रगति ,विकास और उद्योग संपर्क में उनके विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित	i. प्रो. मोहम्मद मियां पूर्व कुलपति, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय ii. प्रो. मनोज धर पूर्व कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय iii. प्रो. सुषमा यादव पूर्व कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, हरियाणा iv. प्रो. मनोज गौड़ निदेशक, आईआईटी जम्मू v. प्रो. आर.एन.के बामजई पूर्व कुलपति, एसएमवीडीयू vi. प्रो. पुलिन बी. नायक अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय vii. प्रो. अशोक अग्रवाल निदेशक, एपीजे विद्यालय जन संचार, नई दिल्ली viii. प्रो. एस.के. शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय ix. प्रो. रोमेश चंदर विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय x. श्री धनंजय सिंह महानिदेशक राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास नेटवर्क
xiv	कुलसचिव	सचिव (पदेन)

वित्त समिति

कुलपति	अध्यक्ष पदेन
सम कुलपति	सदस्य पदेन
31अगस्त 2020 ,को कोर्ट के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत एक व्यक्ति जिसे न्यायालय द्वारा नामित किया जाएगा	प्रो .अमिताभ मट्टू अंतर्राष्ट्रीय राजनीति संगठन केंद्र और निरस्त्रीकरण जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय न्यू महरौली रोड ,नई दिल्ली110067 -
तीन व्यक्ति कार्यकारी परिषद् द्वारा नामित होगा, जिसमें से कम से कम एक सदस्य कार्यकारी परिषद् का सदस्य होगा। कार्यकारी समिति ने 10-12-2019 को आयोजित अपनी 15वीं बैठक (मद संख्या 13) में कुलपति को तीन सदस्यों को नामित करने के लिए अधिकृत किया	i. प्रो. सुशील कुमार गुप्ता प्रोफेसर, कृषि वानिकी संकाय प्रभाग कृषि ज्एस. के. यू. ए. एस. टी – जम्मू कार्यकारी परिषद सदस्य ii. प्रो. एम.आई.हक पूर्व अधिष्ठाता और अध्यक्ष, व्यवसाय प्रबंधन विभाग, प्रबंधन अध्ययन और अनुसंधान संकाय, एएमयू, अलीगढ़ iii. प्रो. आलोक मोहन शेरी राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान फरीदाबाद, नई दिल्ली
तीन व्यक्ति जिन्हें कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा। एमएचआरडी पत्र एफ.सं-2014/1-54. सीयूIII. दिनांक 8 जनवरी2019 ,	i. संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, या वित्त ब्यूरो से उसका/उसकी नामिती इससे संबंधित सीयू), सचिव लेवल स्तर से नीचे नहीं हो) ii. संयुक्त सचिव सीयू मानव संसाधन विकास मंत्रालय, या उनके द्वारा नामित व्यक्ति अवर सचिव स्तर से नीचे नहीं प्रशासनिक ब्यूरो. iii. संयुक्त सचिव (सीयू)यूजीसी, या कोई अन्य अधिकारी अवर सचिव के स्तर से नीचे नामित नहीं यूजीसी के अध्यक्ष द्वारा नामित
वित्त अधिकारी	सचिव पदेन

योजना बोर्ड

i	कुलपति	पदेन	अध्यक्ष
ii	सम कुलपति	--	सदस्य
iii	क्रमावर्ती के आधार पर वरिष्ठ विद्यालय के दो अधिष्ठाता	प्रो. जया भसीन अधिष्ठाता व्यवसाय अध्ययन विद्यालय	सदस्य
		प्रो. बी.एस .भाऊ अधिष्ठाता ,जीव विज्ञान विद्यालय	सदस्य
iv	शिक्षा प्रक्रिया और विकास में विशेष रुचि रखने वाले व्यक्तियों में से छह व्यक्तियों को मनोनीत किया जाएगा उच्च शैक्षणिक मानक वाले लोग शामिल हैं ,जिनमें से: चार को कार्यकारी परिषद द्वारा तथा दो को कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा	श्री परीक्षित कौल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कॉरपोर्ट सेवाएँ ,अदनानी ग्रुप डॉ. श्रीनिवास रेड्डी निदेशक ,आई.आई.एम ,जम्मू प्रो. एन. एम. खान एफ एम एस आर ,ए. एम. यू सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष सरकारी इंजीनियरिंग एवं तकनिकी महाविद्यालय टेक्नोलॉजी ,चकभलवाल ,जम्मू। जम्मू-कश्मीर विभाग के प्रधान सचिव कौशल विकास विभाग ,केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर श्री अमित शर्मा निदेशक एवं साइबर सलाहकार ,डी.आर.डी.ओ ,रक्षा मंत्रालय ,भारत	
v	वित्त अधिकारी	पदेन	सदस्य
vi	कुलसचिव	पदेन	सदस्य सचिव
		श्री संजय काचरू पूर्व ,संपादकीय सलाहकार न्यूज़ 18 नेटवर्क पूर्व उपाध्यक्ष मीडिया ,रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड.	विशेष आमंत्रित
		मुख्य नगर नियोजक जम्मू विकास प्राधिकरण ,जम्मू	विशेष आमंत्रित
	एक आचार्य जो अधिष्ठाता न हो , वरिष्ठता के अनुसार कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा।	प्रो. दीपक पठानिया पर्यावरण विज्ञान विभाग	
	एक सह आचार्य जो वरिष्ठता के अनुसार क्रमावर्ती द्वारा अधिष्ठाता नहीं है , कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा	डॉ. रूची चौधरी सह आचार्य , पी. पी. पी. ए विभाग	

विश्वविद्यालय के अधिकारी

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1	प्रो .यशवंत सिंह	कुलसचिव
2	मोहम्मद इकबाल	उप कुलसचिव
3	शफला परिहार	उप कुलसचिव
4	श्री विशाल बरगोत्रा	अधिशाषी अभियंता
5	श्री विकास गुप्ता	सहायक कुलसचिव
6	श्री अजय शर्मा	सहायक कुलसचिव
7	श्री शैलेन्द्र स्लाथिया	सहायक कुलसचिव
8	श्री रोमेश चंद्र	पुस्तकालय सहायक
9	सुश्री प्रेरणा	पुस्तकालय सहायक
10	डॉ .हरप्रीत सिंह	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
11	डॉ .विजयता पुरी	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
12	डॉ. प्रियंजन	सहायक निदेशक (रा. भा)
13	श्री ध्रुब कुमार	सूचना वैज्ञानिक
14	श्री उदित महाजन	प्रणाली विश्लेषक
15	श्री राजन बडयाल	जनसंपर्क अधिकारी

भाषा विद्यालय

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग की स्थापना अगस्त 2015 में हुई। विभाग का उद्देश्य राष्ट्रभाषा हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषा और साहित्य के अध्ययन को बढ़ावा देने के साथ–साथ उन्नत शोध कार्यों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास में योगदान देना है। साथ ही डोगरी और अन्य स्थानीय भाषाओं के अध्ययन का मुख्य केंद्र बनाना है। विभाग में एम. ए. और पीएच. डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं। विभाग हिन्दी भाषा, साहित्य और अंतर–अनुशासनिक भारतीय भाषाओं एवं साहित्य के शिक्षण द्वारा भारतीय सभ्यता, संस्कृति, दर्शन तथा सामाजिक–राजनैतिक चुनौतियों से परिचित कराने के प्रति कटिबद्ध है। विभाग अद्यतन प्रविधियों का उपयोग करते हुए नवीन विषयों–रचनात्मक लेखन, पटकथा लेखन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी आदि रोजगारोन्मुखी शिक्षण के प्रति संकल्पबद्ध है। विभाग प्राचीन, मध्यकालीन, रीतिकालीन, आधुनिक साहित्य, विमर्श, भाषाविज्ञान, काव्यशास्त्र और तुलनात्मक अध्ययन आदि पर शोधकार्य के लिए प्रतिबद्ध है।

संकाय विवरण

क्र.स.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता के क्षेत्र
1	डॉ. भारत भूषण	आचार्य	कथा साहित्य, भारतीय साहित्य, हिंदी साहित्य में भारतीय चिंतन दृष्टि
2	डॉ. बिजेंद्र कुमार	सह–आचार्य	मध्यकालीन काव्य, कथा साहित्य, आधुनिक कविता
3	डॉ. शशिकांत मिश्र	सह–आचार्य	आधुनिक काव्य, पत्रकारिता, भक्ति काव्य और दर्शन
4	डॉ. वन्दना शर्मा	सहायक आचार्य	कथा साहित्य एवं अन्य विधाएं
5	डॉ. विनय कुमार शुक्ल	सहायक आचार्य	काव्य, गज़ल एवं अन्य विधाएं
6	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	सहायक आचार्य	कथा साहित्य, नाटक एवं अन्य गद्यविधाएं
7	डॉ. अरविंद कुमार यादव	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान, काव्य, शैली विज्ञान एवं अन्य विधाएं

विभागीय कार्यशाला

12 फरवरी से 16 फरवरी, 2024 तक पांच दिवसीय नव लेखक शिविर का आयोजन

हिंदी दिवस 14–09–2023 को हिंदी की वैश्विक स्थिति पर आई आई एम सी, जम्मू के प्रो. दिलीप कुमार का विशेष भाषण

संकाय प्रकाशन ''आई आई एस नं / आई एस बी एन नंबर.'' 2024 के दौरान

क्र.स.	शीर्षक	लेखक का नाम	आई आई एस. एन./ आई एस बी एन नं.	प्रकाशन वर्ष
1	समकालीन कविता और यथार्थ	प्रो. भारत भूषण	2277–9264	2024
2	वैश्विक मुद्दा : लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण	प्रो. भारत भूषण	0974–1100	2024
3	राधावल्लभ संप्रदाय की कृष्ण भक्ति काव्य : गौड़ीय दर्शन	डॉ. शशिकांत मिश्र	2277–9264	2024
4	समकालीन सामाजिक व्यवस्था : चिंतन एवं चुनौतियाँ	डॉ. वन्दना शर्मा	0975–735X	2023
5	आदिवासी शोषण और चेतना की गाथा	डॉ. वन्दना शर्मा	2321–6131	2023
6	डॉ. शिव बहादुर सिंह भदौरिया का काव्य संसार	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	2277–9264	2023

7	डुग्गर की लोक संस्कृति	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	0975–735X	2023
8	राहुल सांकृत्यायन की तिब्बत यात्रा और बौद्ध संस्कृति का अन्वेषण	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	2348–8425	2023
9	'मुझे चाँद चाहिये' उपन्यास में उत्तर–आधुनिक सन्दर्भ जम्मू कश्मीर का सामाजिक और सांस्कृतिक वैविध्य	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	2277–9264	2023
10	जम्मू–कश्मीर का सामाजिक और सांस्कृतिक वैविध्य	डॉ. रत्नेश कुमार यादव	2277–9264	2023
11	मिट्टी से जुड़ा संस्कृति का महा आख्यानः मिट्टी के फल	डॉ. अरविन्द कुमार यादव	2250–2335	2023
12	संबंधों की जीवंतता पर कविता	डॉ. अरविन्द कुमार यादव	2348–4977	2023

छात्रों की उपलब्धियों का विवरण :

क्र. सं.	नाम	बैच	वर्ष	जेआरएफ/नेट/सेट
1	अर्जुन सिंह	2021-2023	2023	सेट
2	प्रीति हडोकर	2021-2023	2023	नेट
3	नूरन निसार	2021-2023	2024	नेट

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग वर्ष **2011** में स्थापित किया गया था। विभाग एम.ए और पीएच. डी. स्तर पर उपाधि प्रदान करता है। विभाग में शिक्षण पद्धति गहन है जो व्याख्यान, आईसीटी आधारित शिक्षा, समूह चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, आलेख प्रस्तुति और वाद-विवाद जैसे सहभागी सत्रों के माध्यम से किया जाता है। इसके अलावा विभाग विभिन्न प्रकार के मंचों पर कक्षा के अंदर और बाहर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करता है। अंत: निहित विषयों पर वृहत व्याख्यान, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन और तिथिवार संगोष्ठी आयोजित करता हैं। विभाग पाठ्य सामग्री के साथ साहित्य के मूल अंश से परिचित कराने और अनुशासनात्मक कौशल के विभिन्न संभावित अनुप्रयोगों से परिचित कराने में विशिष्टता रखता है। विभाग निम्नवत प्रस्तावित कर रहा है।

- अनुवाद अध्ययन
- तुलनात्मक साहित्य
- विभिन्न संस्कृतियों में महिलाओं का लेखन

दूरदर्शिता

संस्कृति को एकीकृत करते हुए अंग्रेजी अध्ययन में उच्च शिक्षा का अग्रणी केंद्र बनना, अंतः अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के साथ भारतीय विरासत के ज्ञान और मूल्य प्रणाली को विकसित करना है।

उद्देश्य

- समकालीन विश्व में अंग्रेजी साहित्य की सभी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की विविधता और विस्तार को शामिल करते हुए अध्ययन के उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अंग्रेजी साहित्य का गहन शिक्षा प्रदान करना।
- छात्रों को साहित्यिक विद्वत्ता के साधनों से परिचित कराना तथा साहित्यिक अभिव्यक्तियों के सभी रूपों की व्याख्या और मूल्यांकन करने की उनकी आलोचनात्मक क्षमता को प्रखर बनाना है।
- छात्रों को उनकी व्यावसायिक क्षमताओं को निखारकर विविध क्षेत्रों में विशेष रूप से रचनात्मक और अनुवाद कौशल में दक्षता से रोजगार हेतु तैयार करना है।
- एक अच्छा संरचित पाठ्यक्रम के माध्यम से वैश्विक विश्वदृष्टि को बढ़ावा देना और विश्वविद्यालय/समुदाय में साझेदारी को बढ़ावा देना है।
- प्रौद्योगिकी और अंग्रेजी अध्ययन के बीच इंटरफेस को मजबूत करना है।

संकाय विवरण :

क्र.स.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो. वंदना शर्मा	आचार्य एव विभागाध्यक्ष	भारतीय साहित्य, अनुवाद अध्ययन, पर्यावरण मानविकी, भारतीय ज्ञान परंपराएँ
2.	डॉ. के. राजेश	सह –आचार्य	संचार कौशल, अकादमिक लेखन, साहित्यिक सिद्धांत, सांस्कृतिक अध्ययन, भारतीय साहित्य, दलित साहित्य

3.	डॉ. नीना गुप्ता विज	सहायक आचार्य	कथा साहित्य, अमेरिकी साहित्य, प्रवासी अध्ययन, लोक और मिथक अध्ययन
4.	डॉ. एम.एए फारूक	सहायक आचार्य	उत्तर औपनिवेशिक साहित्य
5.	डॉ. राज ठाकुर	सहायक आचार्य	सांस्कृतिक अध्ययन, लोकप्रिय संस्कृति, विऔपनिवेशिक अध्ययन
6.	डॉ.परवीन कुमारी	सहायक प्रोफेसर	दलित साहित्य

अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सेमिनार / कार्यशालाएं / वेबिनार

अनुवाद दिवस :

9 से 10 अक्तूबर 2023 तक अंग्रेजी विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों ने अनुवाद दिवस मनाया। इस दो दिवसीय समारोह में अनुवाद के प्रसिद्ध विद्वानों द्वारा संवाद, नाटक और विभाग के छात्रों द्वारा किसी अन्य भाषा से अंग्रेजी में अनुवादित कार्यों का ज्ञान शामिल था।

9 अक्टूबर 2023 को 'दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राज कुमार ने अपनी विद्वत्तापूर्ण उपस्थिति से विभाग को सुशोभित किया और अनुवाद कार्य की बारीकियों के माध्यम से युवा मन की जिज्ञासा का मार्गदर्शन प्रदान किया, जबकि अगले दिन, प्रसिद्ध डोगरी अनुवादक और लेखक श्री मोहन सिंह जी अनुवाद दिवस के अवसर पर शामिल हुए और उन्होंने इस विषय पर अपने व्यावहारिक व्याख्यान में अनुवाद की समृद्ध प्रक्रिया के माध्यम से भाषाओं को कैसे संरक्षित किया जाना चाहिए पर व्याख्यान दिया।

प्रख्यात व्याख्यान

10 अक्टूबर 2023 को, पदमश्री श्री मोहन सिंह ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में " डोगरी साहित्य और अनुवाद" पर एक व्याख्यान दिया।

25 सितंबर 2023 को प्रो. भवतोष इंद्र गुरु , अंग्रेजी विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय ने दर्शनशास्त्र और सौंदर्यशास्त्र पर भारतीय और पश्चिमी सभ्यता विषय पर एक विस्तार व्याख्यान दिया। 24 अगस्त, 2023 को साहित्य, जीवन और शेक्सपियर विषय **पर विस्तरित व्याख्यान** प्रोफेसर डॉ. उत्पला घाले (सेवानिवृत्त) नॉर्थईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी ने व्याख्यान दिया।

शोधपत्र प्रस्तुति :

प्रो. वंदना शर्मा ने **14** अगस्त, **2024** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "विभाजन पर साहित्यिक प्रतिक्रियाएँ" शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया। डॉ. परवीन कुमारी ने **17–20** अगस्त, **2023** को कोरिया गणराज्य के डेजॉन में डेजॉन कन्वेंशन सेंटर में आयोजित **21**वां एशिया टीईएफएल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एशिया टीईएफएल **2023**) में "भारत में दूसरी/तीसरी भाषा के रूप में अंग्रेजीः पद्धति और शिक्षण दृष्टिकोण" शीर्षक पर पेपर (व्यक्तिगत रूप से) प्रस्तुत किया।

संकाय प्रकाशन

डॉ. के. राजेश

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
	दलित साहित्य मानव साहित्य है	जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर) आईएसएसएन: 2349-5162	2023

नीना गुप्ता विज

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	हस्तिनापुर के उत्थान और पतन का पुनर्कथन, शरत द्वारा " कोमारराजू।"	*मेहर जर्नल ऑफ इंग्लिश स्टडीज* आईएसएसएन: 0975-8518	2023
2	"महामारी **2020:** नैतिक प्रश्नों पर पुनर्विचार।"	*साहित्यिक हेर्मेनेयुटिक्स का एसपीएल जर्नल* आईएसएसएन: 2583-1674	2023
3	*पौराणिक कथाएँ: एक परिचय . सरूप एंड संस* उपन्यास और महाकाव्य : भारतीय पौराणिक कथाएँ/पुनर्कथन पढ़ना।"	आईएसबीएन : 978 -93-95975-07-0.	2023
4	*मिथक, पौराणिक कथाएँ और पौराणिक कथाएँ: सिद्धांत, विषय और पौराणिक कथाएँ।* सरूप एंड संस, नई दिल्ली भारतीय चेतना की धारा: सातत्य के रूप में पौराणिक कथाएँ	आईएसबीएन: 978-93-95975-06-3.	2023

डॉ. एम.ए.ए फारूक

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	लज्जा , शोध और फेरे में मूर्तिभंजक लेखकीय रुख : तस्लीमा के माध्यम से धर्म को पढ़ना" नसरीन की संशयवादी लेंस”	*वर्ल्ड वाइड जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट. ई-आईएसएसएन: 2454-6615*	2023
2	“ लक्ष्मण गायकवाड़ का *ब्रांडेड (उचल्य):* दलित चेतना और दलित सौंदर्यशास्त्र का उद्घाटन ”	*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज़। ई-आईएसएसएन : 2348 -1269, अप्रैल 2023, खंड 10, अंक 2। प्रभाव कारक: 7.17*	2023

डॉ. राज ठाकुर

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1.	“ नवउदारवादी प्रजनन बाज़ारों में प्रजनन तकनीकों के जैवउपभोक्ता के रूप में बॉलीवुड हस्तियाँ : लोकप्रिय सार्वजनिक चर्चा का एक अध्ययन”।	*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कल्चरल स्टडीज* . सेज यूके . 1367-8779	2023

डॉ. परवीन कुमारी

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1.	दलित महिलाओं के मुद्दों का प्रतिनिधित्व ।”	*साइनस्टेसीऑनलाइन इल पारलागियो* आईएसएसएन 2280-6849	2023
2	पुस्तक अध्याय “ चिनुआ अचेबे की चुनी हुई लघु कहानियों में नाइजीरियाई महिलाओं की नारीवादी चिंताओं की खोज।” संपादित पुस्तक *चिनुआ अचेबे: आवाज़ और दृष्टि में*	आईएसबीएन 9789845063968	2023

संकाय द्वारा आमंत्रित व्याख्यान

प्रो. वंदना शर्मा

यूजीसी के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (पूर्व में यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र) द्वारा आयोजित एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में स्रोत वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया , पंडित रविशंकर शुक्ला जी ने विश्वविद्यालय/कॉलेज के शिक्षकों के लिए 7 फरवरी, 2024 को "उच्च शिक्षा और समाज: उपनिवेशवाद से मुक्ति की दिशा में " विषय पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा " *छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा* " विषय पर आयोजित एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में स्रोत वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया , यूजीसी के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), के तहत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में 22 फरवरी, 2024 को " कक्षा में भाषा विविधता को संभालना " पर व्याख्यान दिया।

11 से 18 अक्टूबर, 2023 तक जम्मू विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अनुवाद मिशन द्वारा आयोजित भारतीय भाषाओं में अनुवाद - डोगरी पर कौशल विकास कार्यशाला में स्रोत वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

12 अक्टूबर, 2023 को साहित्यिक ग्रंथों के अनुवाद पर एक सत्र आयोजित किया। अगस्त 2023 के दौरान ईडीसी, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय द्वारा उद्यमिता विकास कौशल पर आयोजित कार्यशाला में स्रोत वक्ता रही है।

24 अगस्त, 2023 को उद्यमियों के लिए संचार कौशल विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया।

डॉ. नीना गुप्ता विज

23 सितंबर, 2023 को जेएसएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "व्यक्तित्व विकास और प्रकृति-पोषण तालमेल" पर वेबिनार में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था।

दो सप्ताह के इंडक्शन प्रोग्राम (2023-24) में 12 सितंबर, 2023 को "व्यक्तित्व को निखारने के कौशल" पर व्याख्यान दिया।

1 अगस्त, 2023 को लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित "पौराणिक कथाओं की पुनर्कल्पना: पुनर्कथनों का उत्तर-आधुनिक वाचन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

22 मई, 2023 को सरदार पटेल कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित "भाषा सीखना और अंतर्राष्ट्रीयकरण" विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया।

छात्र उपलब्धियां

1. अनन्या एमए अंग्रेजी कार्यक्रम सत्र 2021-23 की छात्रा जोधा ने यूजीसी-नेट परीक्षा 18-01-2024 उत्तीर्ण की है।
2. स्टैनज़िन एम.ए. अंग्रेजी कार्यक्रम सत्र 2021-23 के छात्र दोरजे ने यूजीसी-नेट परीक्षा 24-07-2023 उत्तीर्ण की है।

शिक्षा विद्यालय

शैक्षिक अध्ययन विभाग

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षिक अध्ययन विभाग शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक है। एक समृद्ध इतिहास और स्पष्ट मिशन के साथ, इस विभाग ने क्षेत्र में शिक्षा के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्नातक (बी.ए, बी.एड.), स्नातकोत्तर (एम.एड.), और शिक्षा में डॉक्टरेट की डिग्री (पी.एच.डी) सहित शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रस्तुत करते है, विभाग छात्रों को एक व्यापक और बहुआयम शिक्षा का अनुभव प्रदान करता है। इसके समर्पित संकाय, जिसमें विभिन्न शैक्षिक क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं, शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक शोध किए जा रहे हैं। विभाग की शोध पहल, सहयोगी परियोजनाएं और शैक्षिक साहित्य में योगदान ने इसे एक अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित कराया है। आधुनिक कक्षाए अच्छी तरह से सुसज्जित, प्रयोगशालाओं और व्यापक पुस्तकालयों सहित अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, छात्रों के पास ऐसे संसाधनों तक पहुँच है जो उनके शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देते हैं। आउटरीच कार्यक्रमों और सामुदायिक जुड़ाव में संलग्न होकर, विभाग स्थानीय शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय रूप से योगदान देता है। उल्लेखनीय पूर्व छात्र इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं, और विभाग चुनौतियों का समाधान करने तथा निरंतर सुधार के लिए प्रयास करने हेतु प्रतिबद्ध है, क्योंकि जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक उत्कृष्टता के एक आशाजनक भविष्य की ओर अग्रसर हो रहा है।

संकाय विवरण:

क्र. सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. जे.एन. बलिया	आचार्य	ई-सामग्री विकास, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पाठ्यक्रम विकास, मात्रात्मक अनुसंधान तकनीक
2	प्रो. रितु बक्शी	आचार्य	शैक्षिक समाजशास्त्र, सामाजिक नृविज्ञान, लिंग अध्ययन
3	प्रो. असित के. मंत्री	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शैक्षिक नेतृत्व, समग्र शिक्षा, मूल्य शिक्षा
4	डॉ. किरण	सहायक आचार्य	समावेशी शिक्षा, शिक्षक शिक्षा, समावेशी शिक्षा, किशोर शिक्षा, ओडीएल
5	डॉ. अमन	सहायक आचार्य	शैक्षिक मापन और मूल्यांकन, आदिवासी शिक्षा, मात्रात्मक अनुसंधान
6	डॉ. रवि वांगुरी	सहायक आचार्य	शिक्षक शिक्षा, भाषा शिक्षा, शैक्षिक अनुसंधान
7	डॉ. याद राम	सहायक आचार्य	प्रारंभिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, शैक्षिक योजनाओं और कार्यक्रमों का मूल्यांकनात्मक अध्ययन, शिक्षक शिक्षा
8	डॉ. मोहन गलगोत्रा	सहायक आचार्य	शैक्षिक अनुसंधान, शैक्षिक मनोविज्ञान, विद्यालय शिक्षा, शिक्षक शिक्षा

अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सेमिनार / कार्यशाला / वेबिनार

क्र.सं	गतिविधि का नाम	दिनांक/अवधि
क	"भारत-केंद्रित अनुसंधान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: अवसर और चुनौतियां" दो दिवसीय आई.सी.एस.एस.आर द्वारा प्रायोजित है।	03-08-2023 से 04-08-2023
ख	एनईपी 2020 पर पैनल चर्चा: पाठ्यक्रम प्रावधान का पुनर्गठन: संभावनाएं और चुनौतियां	27-07-2023
ग	एनईपी-2020 से संबद्ध आईटीईपी पर सूचना साझाकरण सत्र	27-10-2023
घ	आईसीएसएसआर नई दिल्ली ने सामाजिक विज्ञान में भारत केंद्रित अनुसंधान: उभरते डिजाइन और दृष्टिकोण पर दस दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम प्रायोजित किया	29-01-2024 से 07-02-2024 तक
ङ	रेज़्युमे लेखन पर कार्यशाला	31-01-2024
च	साक्षात्कार शिष्टाचार पर कार्यशाला	19-03-2024

प्रख्यात व्याख्यान/व्यापक व्याख्यान

क्र.सं	व्याख्यान का शीर्षक	श्रोत वक्ता	दिनांक
क	भारत और विदेश में कैरियर के अवसर	सुश्री सुनैना गुप्ता लैंड मार्क ग्रुप, दुबई	30-09-2023
ख	'कलम की ताकत' अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर	प्रो. संजीव जैन माननीय कुलपति, सीयू जम्मू	11-10-2023
ग	शिक्षक शिक्षा की भारतीय परंपरा और इसकी समकालीन प्रासंगिकता	प्रो. संजीव जैन माननीय कुलपति, सीयू जम्मू	18-10-2023
घ	सामाजिक विज्ञान में सहयोगात्मक अनुसंधान का महत्व	डॉ. पवन कुमार जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय	12-12-2024
ङ	शिक्षा वैज्ञानिक लेखन पर शास्त्रार्थ	डॉ. सीमा थापा नागालैंड विश्वविद्यालय	02-02-2024

आउटरीच जागरूकता कार्यक्रम

क्र.सं	गतिविधि का नाम	दिनांक/अवधि
क	मेरा पहला वोट देश के लिए	12-03-2024

क्षेत्र यात्राएं/औद्योगिक यात्रा/शैक्षणिक यात्रा

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	तिथियाँ/ अवधि
1.	मैं इंटर्नशिप-कम-फील्ड विजिट जिगर इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन ट्रेनिंग एंड रिहैबिलिटेशन, जम्मू	09-11-2023
2.	द्वितीय विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जाख , सांबा	10-11-2023

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर : जम्मू कश्मीर सरकार के विद्यालय शिक्षा विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

संकाय की उपलब्धियां :

पेटेंट / आईपीआर / कॉपीराइट

शिक्षक का नाम	पेटेंट संख्या	पेटेंट का शीर्षक	पेटेंट प्रदान/प्रकाशन का वर्ष
प्रो. असित के. मन्त्री	202311078831ए	ऑफ़लाइन कक्षा की शिक्षाप्रदता का आकलन करने की प्रणाली और विधि	2023
प्रो. जे.एन. बलिया	एल-130248/2023	इष्टतम सहकर्मी सहभागिता के साथ हाइब्रिड मॉडल (HOPE)	2023
प्रो. जे.एन. बलिया	एल-134607/2023	तकनीकी शैक्षणिक और सामग्री ज्ञान क्षमता के संभावित विकास के लिए एमबीसीडी स्कैफोल्डिंग मॉडल	2023
प्रो. जे.एन. बलिया	एल-134623/2023	तकनीकी शैक्षणिक और सामग्री ज्ञान दक्षताओं को बढ़ाने के लिए संस्थागत विकास के लिए चतुर्थांश मॉडल (क्यूएमआईडी)	2023
प्रो. जे.एन. बलिया	एल-145833/2024	शिक्षकों के लिए चार 'आई' चक्रीय ई-मूल्यांकन योग्यता मॉडल	2024
प्रो. जे.एन. बलिया	एल-146529/2024	मिश्रित मोड के माध्यम से पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए व्यापक व्यावसायिक विकास ढांचा	2024

प्रकाशन

क्र.सं	लेखकों का नाम	जर्नल का नाम	आईएसएसएन नं.	प्रकाशन का वर्ष/माह
1	प्रो. जे.एन. बलिया	इनफॉरमेशन	0976-0997	2023
2	प्रो. जे.एन. बलिया	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2023
3	प्रो. जे.एन. बलिया	इंडोनेशियाई जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस	0976-8203	2023
4	प्रो. जे.एन. बलिया	एमआईईआर जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, ट्रेंड्स एंड प्रैक्टिसेज	2502-4752	2023

5	प्रो. रितुबक्शी	एशियाई शिक्षा और सामाजिक अध्ययन जर्नल	2581-6268	2023
6	प्रो. रितुबक्शी	बहुविषयक अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	2582-2160	2024
7	प्रो. रितुबक्शी	अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च	2582-2160	2023
8	प्रो. रितुबक्शी	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2023
9	प्रो. रितुबक्शी	बहुविषयक अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	2582-2160	2023
10	प्रो. असित के. मन्त्री	शोध वार्ता	2583-8938	2023
11	प्रो. असित के. मन्त्री	वर्ल्ड जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च एंड रिव्यूज़	2581-9615	2023
12	प्रो. असित के. मन्त्री	थर्डकॉन्सेप्ट	0970-7247	2024
13	प्रो. असित के. मन्त्री	थर्डकॉन्सेप्ट	0970-7247	2024
14	प्रो. असित के. मन्त्री	संशोधक	2394-5990	2024
15	डॉ. किरण	वर्ल्ड जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च एंड रिव्यूज़	2581-9615	2023
16	डॉ. किरण	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2023
17	डॉ. किरण	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2023
18	डॉ. किरण	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2023
19	डॉ. किरण	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2024
20	डॉ. अमन	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2023
21	डॉ. अमन	शोध -सारी एक अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक पत्रिका	2959-1376	2023
22	डॉ. अमन	शोधक ऐतिहासिक शोध की एक पत्रिका	0302-9832	2023
23	डॉ. अमन	इनसाइट जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च इन एजुकेशन	0975-0665	2023
24	डॉ. अमन	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2023
25	डॉ. रवि वांगुरी	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0976-0997	2023

26	डॉ. रवि वंगुरी	इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज	0970-7247	2023
27	डॉ. रवि वंगुरी	तीसरी अवधारणा	2454-4469	2023
28	डॉ. रवि वांगुरी	शिक्षा और समाज	0726-2655	2024
29	डॉ. रवि वांगुरी	भंडारकर का इतिहास ओरिएंटल रिसर्च इंस्टिट्यूट	0378-1143	2024
30	डॉ. मोहन गलगोत्रा	वाईएमईआर	0044-0477	2023
31	डॉ. मोहन गलगोत्रा	भंडारकर का इतिहास ओरिएंटल रिसर्च इंस्टिट्यूट	0378-1143	2023

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं	संकाय का नाम	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का शीर्षक	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
1	प्रो. जे.एन. बलिया	2023	प्रधान का प्रभाव अध्ययन मन्त्री जन आरोग्य आयुष्मान भारत के तहत जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लाभार्थियों के बीच वित्तीय सुरक्षा, रोजगार सृजन और सामाजिक सशक्तिकरण पर एक पहल के रूप में योजना (पीएम-जेएवाई)	आई.सी.एस.एस.आर	पुरा होना
2	प्रो. जे.एन. बलिया	2023	एनईपी 2020 में परिकल्पित भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) परिप्रेक्ष्य में डोगरा संस्कृति और विरासत सामग्री का शैक्षणिक एकीकरण	आई.के.सी	प्रगति में
3	प्रो. रितु बख्शी , प्रो. असित मंत्रि , प्रो. जेएन बलिया , डॉ. किरण , डॉ. अमन , डॉ. रवि वांगुरी , डॉ. याद राम और डॉ. मोहन गलगोत्रा	2024	टेराकोटा की ब्रांडिंग करके स्वावलंबी भारत को बढ़ावा देना विकास का रोडमैप भारत"	आईसीएसएसआर	प्रगति में

छात्रों की उपलब्धियों

क्र.सं.	छात्रों का नाम	जेआरएफ/नेट	योग्यता का वर्ष
i.	सोनाली सगोत्रा	नेट	2023
ii.	विवेक कुमार	नेट	2023
iii.	वरुणा सिंह	नेट	2023

माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन ने सुश्री के.संगयांग जोम शेरपा को सम्मानित किया गया।

शिक्षा विभाग द्वारा माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन का स्वागत किया *गया*

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय

अर्थशास्त्र विभाग

विभाग का दीर्घकालिक उद्देश्य वैश्विक/राष्ट्रीय/ग्रामीण मुद्दों को हल करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना और आर्थिक प्रतिरूपण और संबंधित साधनों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उनके अनुप्रयोगों का प्रसार करना है। छात्र के उच्चतम मानकों के प्रतिबद्धता के साथ शिक्षा प्रदान करना विभाग का लक्ष्य है।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. अश्विनी कुमार नंदा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	जनसांख्यिकी विश्लेषण, प्रवासन अध्ययन, जनसंख्या आयुवृद्धि, सर्वेक्षण और डेटा प्रणाली, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, सामाजिक क्षेत्र अर्थशास्त्र।
2	डॉ. श्वेता कोहली	सहआचार्य-	विकास अर्थशास्त्र, लिंग और विकास, ग्रामीण विकास, कृषि, गणितीय अर्थशास्त्र
3	डॉ. सुशांत नाग	सहायक आचार्य	स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, अनुप्रयुक्त अर्थमिति, समय श्रृंखला अर्थमिति, गणितीय अर्थशास्त्र
4	श्रीमती प्रीति गुप्ता	सहायक आचार्य	विकास अर्थशास्त्र, सार्वजनिक वित्त
5	श्री अनिल कुमार भारती	सहायक आचार्य	ग्रामीण विकास का अर्थशास्त्र, श्रम अर्थशास्त्र
6	डॉ. विशाल	सहायक आचार्य	स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, जनसंख्या अध्ययन, भारतीय अर्थव्यवस्था, सांख्यिकीय विधियाँ और सॉफ्टवेयर

संकाय की उपलब्धियां :

प्रो. ए.के नंदा, डॉ. श्वेता कोहली और डॉ. विशाल ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा जम्मू एवं कश्मीर के ग्राम में सुकन्या समृद्धि योजना (एस.एस.वाई) संख्या 100/सीआरपी-2023-2368/एसएसवाई/एससीडी (14 लाख) के तहत जम्मू क्षेत्र के सबसे पिछड़े जिलों में युवा आयु वर्ग की लड़कियों को सर्तानुसार नकद हस्तांतरण (सीसीटी) का एक अनुभवजन्य नैदानिक मूल्यांकन और प्रमुख परियोजना की मंजूरी प्राप्त हुआ है।

संकाय प्रकाशन :

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	महिला सशक्तिकरण: लैंगिक समानता के उत्प्रेरक के रूप में सहकारिताएं	खंड.61 संख्या 11 भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, सहकारिता मंत्रालय द्वारा प्रकाशित	2024
2	उत्तरी भारत में राज्य एवं जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों का वित्तीय प्रदर्शन विश्लेषण	0975-8380	2023
3	हरियाणा में **365** दिनों की संदर्भ अवधि के दौरान बुजुर्गों पर अपनी जेब से किए गए स्वास्थ्य व्यय के घटकों को मापना	2584-0029	2024
4	बुजुर्ग माता-पिता की भलाई में विवाहित बेटियों का योगदान: हरियाणा, भारत से साक्ष्य ”	978-981-16-1914-4	2023
5	भारत में शैक्षिक उपलब्धि और अंतर-पीढ़ीगत गतिशीलता: एनएसएस के **75**वें दौर के सर्वेक्षण डेटा से साक्ष्य	1741-8992	2024
6	भारत में मानव पूंजी का अंतर-पीढ़ीगत हस्तांतरण: वयस्क बच्चों की शिक्षा का बुजुर्ग माता-पिता के स्वास्थ्य पर प्रभाव का अन्वेषण	1681-8997	2024 (पेपर स्वीकृत)

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

स्वीकृति का वर्ष	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई): जम्मू क्षेत्र के सबसे पिछड़े जिलों में युवा आयु की लड़कियों को सशर्त नकद हस्तांतरण (सीसीटी) का एक अनुभवजन्य निदान मूल्यांकन, 2023	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित	परियोजना 2024 में पूरी होगी.

लोक नीति एवं लोक प्रशासन

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग की स्थापना जुलाई 2013 में की गई थी। उसी वर्ष, विभाग ने विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए एकीकृत पीएचडी पाठ्यक्रम और स्नातकोत्तर स्तर पर चार वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए। लोक नीति एवं लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2014-15 में शुरू हुआ, और इसके बाद, विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2016 से सीधे पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया।

अपनी विशाल क्षमता को पहचानते हुए, विभाग अपने सभी शैक्षणिक कार्यों में उत्कृष्टता के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य लोक एवं निजी दोनों क्षेत्रों में छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करके अनुशासन में नवीनतम विकास को एकीकृत करना है।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	**संकाय का नाम**	**पदनाम**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र और शोध रुचियां**
1.	प्रो. संताप संहारी मिश्रा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	नेतृत्व, लोक नीति कार्यान्वयन, सुशासन, सुदृढ़ शासन, ई-गवर्नेंस और सामाजिक अनुसंधान पद्धतियाँ
2.	डॉ. रूची चौधरी	सह – आचार्य	शासन और नीतिगत मुद्दे, तुलनात्मक प्रशासन, शहरी शासन, पुलिस अध्ययन, अनुसंधान पद्धतियाँ
3.	डॉ. मोहित शर्मा	सहायक आचार्य	प्रशासनिक विचार, कॉर्पोरेट प्रशासन, अनुसंधान पद्धति, सांख्यिकीय पद्धतियाँ, लोक नीति
4.	डॉ. सुशील एस. कांबले	सहायक आचार्य	सामाजिक न्याय, सकारात्मक कार्रवाई नीतियां, प्रशासनिक सुधार, ग्रामीण स्थानीय सरकार
5.	श्री इंद्र प्रताप	सहायक आचार्य	शासन और प्रबंधन, भारतीय प्रशासन, लोक नीति और स्थानीय शासन
6.	श्री जय भवानी सिंह	सहायक आचार्य	भारतीय राजनीति और लोक नीति की गतिशीलता

संकाय प्रकाशन

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आईएसएसएन नं. / आरआईएन नं. / आईएसबीएन नं.	प्रकाशन वर्ष
1.	संगठनात्मक न्याय, नौकरी से संतुष्टि और शैक्षणिक रैंक: इथियोपियाई सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में कर्मचारी प्रतिबद्धता पर एक मध्यस्थता अध्ययन	अफ्रीकन जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज़ (एमराल्ड) आईएसएसएन: 2040-0705	2024
2.	भारत में सार्वजनिक-निजी भागीदारी में पारदर्शिता: स्वास्थ्य क्षेत्र का एक अध्ययन	पब्लिक अफेयर एंड गवर्नेनंस आईएसएसएन: 2321-2136	2024
3.	भारत में प्रशासनिक सुधार: द्वितीय एआरसी की छठी रिपोर्ट का प्रासंगिक विश्लेषण	पब्लिक एडमीनिसट्रेशन आईएसबीएन: 978-81-91708	2024
4.	जम्मू और कश्मीर में सामुदायिक पुलिसिंग: जनता का विश्वास और सहयोग बढ़ाना	डेवेल्पमेंट आफ पब्लिक एडमीनिसट्रेशन इन इंडिया चैलेंज एंड सोल्यूशन आईएसबीएन: (978-93-95104-98-2	2024
5.	भारत में सामाजिक सुरक्षा के अधिकार पर चिंतन: राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) की आलोचनात्मक समीक्षा	इंडियन जरनल आफ पॉलीटिकल साइंस आईएसएसएन: 0019-5510	2023
6.	सेवक नेतृत्व और कर्मचारी का कार्य निष्पादन: इथियोपियाई सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में सार्वजनिक सेवा प्रेरणा की भूमिका	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक लीडरशिप (एमराल्ड) आईएसएसएन: 2056-4929	2023
7.	जम्मू और कश्मीर में आपदा प्रबंधन: विनाश के बीच राहत और पुनर्वास का इतिहास	स्पींगर आईएसबीएन: 978-981-16-8800-3	2023

समाज कार्य विभाग

समाज कार्य एक अंतःविषय पाठ्यक्रम है जो सामाजिक न्याय, मानवाधिकार, समानता और एकजुटता के मानवीय सिद्धांत पर आधारित है, जिसका उद्देश्य समतावादी समाज का निर्माण करना है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मानवीय पीड़ाओं का निवारण इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। यह एक बहुविषयक पाठ्यक्रम है जो समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, नरविज्ञान और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों के सिद्धांतों से प्रेरित है। पाठ्यक्रम में वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग किया जाता है जिन्हें व्यक्तिगत, समूह और समुदाय स्तर पर समस्याओं से निपटने के दौरान लागू किया जा सकता है।

समाज कार्य एक अभ्यास–आधारित कार्य है जो व्यावहारिक परिस्थितियों में लोगों के साथ काम करते हुए छात्रों में नैतिकता और मूल्यों के विकास पर जोर देता है। इसी उद्देश्य के कारण, पूरे पाठ्यक्रम के दौरान निरंतर प्रशिक्षण इसकी अनिवार्य विशेषता बन जाता है। समाज कार्य के छात्र समुदाय के भीतर प्रत्यक्ष हस्तक्षेप या विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठनों और सरकारी संस्थानों के माध्यम से व्यापक और दुर्गम क्षेत्र कार्य प्रशिक्षण में शामिल होते हैं। यह अंततः छात्रों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों और चिंताओं को संबोधित करने के लिए तैयार करता है।

वर्ष 2014 में स्नातकोत्तर स्तर पर सामाजिक कार्य की शुरुआत की गई थी, जिसमें वर्तमान में 30 छात्रों की प्रवेश क्षमता है। विभाग पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान करता है, जहाँ विभिन्न विषयों के छात्र गहन शोध में संलग्न होते हैं। वर्तमान में विभाग में आठ शोधार्थी पी.एच.डी कर रहे हैं। पीजी और पीएचडी के लिए चयन, राष्ट्रीय स्तर की सीयूसीइटी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रतिवर्ष किया जाता है।

वर्तमान में, विभाग में विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमि और विशेषज्ञताओं से जुड़े चार सहायक आचार्य और एक सह आचार्य हैं ।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. नैन्सी मेंगी	विभागाध्यक्ष, सह आचार्य	महिला मुद्दे और सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य, शहरी विकास
2	डॉ. भट इकबाल मजीद	वरिष्ठ सहायक आचार्य	जनजातीय स्वास्थ्य, लैंगिक मुद्दे, खानाबदोशता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास
3	डॉ. विनय कुमार	वरिष्ठ सहायक आचार्य	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, आपदा प्रबंधन, सामुदायिक सहभागिता, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
4	डॉ. रणवीर सिंह	वरिष्ठ सहायक आचार्य	सामाजिक बहिष्कार, भेद्यता आकलन, स्वास्थ्य देखभाल प्रावधान में समानता और इसकी पहुंच, स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक आंदोलन, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं, असंगत इंटरनेट उपयोग , विकास संबंधी चिंता और मानव भूगोल के लिए भू-स्थानिक संबंध
5	श्री फतेह लाल भील	सहायक आचार्य	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण विकास और जनजातीय विकास से संबंधित मुद्दे

अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय सेमिनार / कार्यशाला / वेबिनार

कुलपति के संरक्षण में तीन दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया गया। आमंत्रित वक्ताओं में एसएमवीडीयू के दर्शनशास्त्र और संस्कृति विभाग से डॉ. अनिल कुमार तिवारी, जम्मू विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन विद्यालय से प्रो. अनिल गुप्ता, जम्मू विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग से डॉ. हेमा गंडोत्रा शामिल थे। मणिपाल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग से डॉ. अमित वर्मा ने व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और ग्रंथ सूची विश्लेषण पर व्याख्यान दिया और जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के यात्रा और पर्यटन प्रबंधन विभाग से डॉ. भारती गुप्ता ने शोध में नैतिकता और एनवीवो सॉफ्टवेयर सत्र पर व्याख्यान दिया। एसकेयूएएसटी के सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग विश्व खाद्य दिवस पर क्षेत्रीय परामर्श, 16 अक्तूबर 2023 विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने "भारतीय खाद्य प्रणालियों की विविधता पर क्षेत्रीय परामर्श: समकालीन मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर एक क्षेत्रीय परामर्श का आयोजन किया। परामर्श के संयोजक डॉ. रणवीर सिंह और डॉ. भट इकबाल रहें। परामर्श की औपचारिक शुरुआत डॉ. नैन्सी मेंगी के स्वागत भाषण से हुई। परामर्श में तीन सत्र थे, जिनमें आयुर्वेद, वनस्पति विज्ञान, कृषि, आदिवासी संस्कृति, क्षेत्रीय संगठनों और सामाजिक कार्य के विषयों के विशेषज्ञों द्वारा विविधता के ज्ञान के परिदृश्य को शामिल किया गया। पहला सत्र 'भोजन, कृषि जैव विविधता और पारंपरिक ज्ञान को समझना' पर आधारित था। सत्र में एसकेयूएएसटी, जम्मू से डॉ. संजीव कुमार, जम्मू से आहार विशेषज्ञ डॉ. वसंत कोहली सीनियर और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के शोधार्थी रंजॉय गुप्ता पैनलिस्ट के रूप में शामिल थे। दूसरा सत्र 'भोजन, संस्कृति और नृवंशविज्ञान विविधता' पर आधारित था; जिसमें जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग से डॉ सामंथा, आदिवासी शोधकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता जावियाद्री और बेंगलुरु से आचार्य हरिराममूर्ति पैनलिस्ट के रूप में शामिल थे। इस सत्र का संचालन शोधार्थी सुहेल ने किया। तीसरा सत्र 'भोजन पर अंतर्दृष्टि' स्वास्थ्य, नीति और बाजार अंतर्संबंध पर आधारित था। सत्र में सामाजिक चिकित्सा केंद्र, सीएसएमसीएच, जेएनयू से डॉ. विकास बाजपेयी और जम्मू आयुर्वेद और अनुसंधान संस्थान से डॉ. विकास गुप्ता पैनल सदस्य के रूप में शामिल थे। सत्र का संचालन शोधार्थी जोजी अब्राहम ने किया।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस, 11 सितम्बर, 2023 पर एक दिवसीय सत्र

11 सितंबर 2023 को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में आधे दिन का जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का विषय था "कार्रवाई के माध्यम से आशा का सृजन करना।" कार्यक्रम में श्री रेमेश कृष्णन, मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा एक संगोष्ठी सत्र शामिल था , जिसके बाद डॉ . नैन्सी मेंगी, एचओडी (समाज कार्य) की अध्यक्षता में संकाय सदस्यों द्वारा एक पैनल

चर्चा हुई। कार्यक्रम के भाग के रूप में एक जागरूकता रैली और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना भी की गई।

प्रख्यात व्याख्यान/विस्तृत व्याख्यान :

गुरुवार माइंड मीट , 26 **अक्टूबर** 2023 जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने 26 अक्टूबर, 2023 को मानसिक स्वास्थ्य पर परिवर्तनकारी गुरुवार माइंड मीट कार्यक्रम का आयोजन किया : जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सम्मानित संरक्षण में, समाज कार्य विभाग ने 26 अक्टूबर, 2023 को दोपहर 3:00 बजे "व्यक्तिगत चिंता से सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता तक मानसिक विमर्श का संक्रमण"। "गुरुवार माइंड मीट" नामक एक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया। सत्र की औपचारिक शुरुआत समाज कार्य विभाग की प्रमुख डॉ. नैन्सी मेंगी ने की, जहाँ अर्थशास्त्र विभाग के एचओडी डॉ. अश्विनी कुमार नंदा ने सत्र के अध्यक्ष की भूमिका निभाई, जिससे चर्चाओं का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित हुआ।

पैनल में प्रतिष्ठित वक्ता शामिल थे जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर अपनी विशेषज्ञता साझा की : जीएमसी, डोडा के बाल रोग विभाग की एक प्रमुख मनोवैज्ञानिक डॉ. अंकिता चौधरी ने "मानव अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैश्विक संदर्भ से मानसिक स्वास्थ्य का अवलोकन" विषय पर एक व्यापक व्याख्यान दिया। समाज कार्य विभाग की एक समर्पित पीजी छात्रा सुश्री सोनाक्षी गुप्ता ने "वैश्विक और भारतीय संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों" पर श्रोताओं को संबोधित किया। समाज कार्य विभाग के एक शोधार्थी श्री जोजी अब्राहम ने "सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में मानसिक स्वास्थ्य: दायरा और पहल" विषय पर एक ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी।

आउटरीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया :

घरेलू हिंसा पर सत्र : समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने 27 अक्टूबर, 2023 को मीन सरकार गांव में घरेलू हिंसा पर एक सत्र का आयोजन किया। महिलाओं के लिए विशेष प्रकोष्ठ की सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री काजल इस सत्र की मुख्य अतिथि थीं।

महिला सशक्तिकरण पर सत्र : जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं ने 3 नवंबर को रांजड़ी गांव में महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह पहल समाज कार्य विभाग और सांबा में जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र के बीच एक संयुक्त प्रयास था। कुल मिलाकर , 54 प्रतिभागी थे, जिनमें 36 महिलाएं, 3 पुरुष, 5 पीएचडी शोधार्थी और 10 छात्र थे, जिससे रांजड़ी गांव में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए यह एक व्यापक और प्रभावशाली पहल बन गई। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और सांबा में महिला सशक्तिकरण के जिला केंद्र का यह संयुक्त प्रयास

रांजड़ी गांव समुदाय में जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में कार्य करता है। उसी दिन सामुदायिक हॉल , पट्टी गांव और पंचायत घर , बरजानी गांव में महिला सुरक्षा और बचाव विषय पर समानांतर कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस: डॉ. रणवीर सिंह (संकाय पर्यवेक्षक) और सुश्री विदुषी शर्मा (एजेंसी पर्यवेक्षक) की देखरेख में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं, माया और अशरफ ने भारत में बच्चों के लिए, 29 नवंबर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस के अवसर पर सरकारी कन्या माध्यमिक विद्यालय शास्त्री नगर , जम्मू में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विकलांगता कैनवास अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

महिला स्वच्छता और मासिक धर्म पर जागरूकता सत्र : 05-01-2024 को विजयपुर ब्लॉक, सांबा के राया गांव में एमए समाज कार्य सत्र II की छात्रा किरण जैन द्वारा एक सत्र आयोजित किया गया। यह जागरूकता सत्र महिला स्वच्छता और मासिक धर्म पर था, जिसमें एसएचजी क्लस्टर समन्वयक रीना की मदद ली गई। सत्र में कुल 12 लड़कियां शामिल हुईं। सत्र सफल रहा क्योंकि लड़कियों ने अपने अनुभव साझा किए और इससे संबंधित प्रश्न पूछे।

कौशल विकास और रोजगार पर जागरूकता कार्यक्रम: जिला रोजगार कैरियर परामर्श केंद्र सांबा के सहयोग से 16 फरवरी 2024 को रांजड़ी गांव में एमए समाज कार्य सत्र II (थानू, अबिन सैम, अजमल, सुरुमी) के छात्रों द्वारा कौशल विकास और रोजगार पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

राया गांव में मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता सत्र : 16 फरवरी 2024 को सरकारी आरएसएम एचएसएस राया, सांबा में एमए सोशल वर्क सेमेस्टर II के छात्रों किरण जैन, शफाक खान, मुर्शिदा और अमाना निस्वा द्वारा मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसमें कुल 58 छात्राओं ने भाग लिया।

22 फरवरी 2024 को प्रशिक्षु स्टैनज़िन नोरबू और नाहना केए द्वारा लाइव फॉर अदर-बीइंग हेल्पफुल फाउंडेशन (एलएफओ-बीएचएफ) के सहयोग से राजिंदरपुरा (बकरवाल कॉलोनी) में मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। महिला प्रतिभागियों के बीच सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए। इसमें कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

गुड टच - बैड टच: 28-02-2024 को एमए सोशल वर्क सेमेस्टर II के छात्रों थौफीर और राबिया कौसर द्वारा मीन सरकार गांव, पुरमंडल ब्लॉक, सांबा में 'गुड टच- बैड टच' पर सत्र

आजीविका उन्मुखीकरणः 1 मार्च 2024 को, समाज कार्य प्रशिक्षु अमाना इखलक, क्रिस्टीना रोज जॉर्ज और शाहीन केपी ने बधोरी गाँव में आजीविका उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सराहनीय पहल में, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने इस कार्यक्रम के समन्वय में आवश्यक सहायता प्रदान की। इस कार्यक्रम में संसाधन व्यक्तियों को जिला महिला सशक्तीकरण केंद्र (डीएचइडबल्यू) केंद्र सांबा से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का फोकस केन्द्र महिलाओं को आजीविका उन्मुखीकरण, विधवा महिलाओं, वृद्ध महिलाओं के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जागरूकता, युवाओं के लिए शिक्षा ऋण, नशा मुक्ति के लिए संवेदनशीलता और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) महिलाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण था।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : 15 मार्च, 2024 को पाटी गांव में सामाजिक कार्य प्रशिक्षु साजिल, भव्या और फरीदा द्वारा श्री फतेह लाल भील के मार्गदर्शन में नगरपालिका समिति बाड़ी ब्राह्मणा के सूचना, शिक्षा और संचार (आईसी) विभाग की रोहिणी शर्मा के साथ कचरा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। सुश्री रोहिणी शर्मा की विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि ने उचित अपशिष्ट निपटान के महत्व और पर्यावरण पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला। समुदाय के 70 व्यक्तियों की उत्साही उपस्थिति ने कार्यक्रम की सफलता को चिह्नित किया। उपस्थित लोगों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया, टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के बारे में सीखने और योगदान करने की अपनी उत्सुकता का प्रदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के सम्मान में और इस वर्ष की शीषर्क "प्रेरक समावेशन" के अनुरूप, एम.ए समाज कार्य सत्र IV की छात्रा मखनू देवी ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोशल वर्क विभाग के फील्ड वर्क यूनिट के सहयोग से, जम्मू और कश्मीर के ब्लॉक पुरमंडल के खड़ा मदाना में एक पूरे दिन का जागरूकता शिविर आयोजित किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं, सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं और विभाग के शोधार्थी सहित 110 से अधिक उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संसाधन व्यक्तियों में जिला महिला सशक्तीकरण केंद्र से श्रीमती अनुराधा, मिस काजी इंशा अकील, मिस आरती और मिस अंकिता, वन स्टॉप सेंटर से काउंसलर और केस वर्कर, जेके बैंक से श्रीमती पूर्णिमा राणा, महिलाओं के लिए विशेष सेल से मिस काजल, मिस आरती, जेकेआरएलएम (यूएमईईडी) से क्लस्टर समन्वयक शामिल थीं।

पाटी गांव में कचरा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया : 15 मार्च 2024 को प्रशिक्षु साजिल, भव्या और फरीदा द्वारा पाटी गांव में कचरा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) विभाग, नगर समिति बाड़ी ब्राह्मणा के सहयोग से आयोजित किया गया था। समुदाय के 70 व्यक्तियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति ने कार्यक्रम की सफलता को चिह्नित किया। उपस्थित लोगों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया, टिकाऊ कचरा प्रबंधन प्रथाओं के बारे में सीखने और योगदान करने की अपनी उत्सुकता का प्रदर्शन किया।

पोषण पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र: 27-03-2024 को एम.ए सोशल वर्क सेमेस्टर II की छात्रा किरण जैन द्वारा विजयपुर ब्लॉक, सांबा के राया गांव में एक सत्र आयोजित किया गया। यह सन फार्मा कम्युनिटी हेल्थ केयर सोसाइटी जम्मू के सहयोग से बगला के राया गांव में आयोजित चिकित्सा शिविर में महिलाओं के स्वास्थ्य में खनिजों और विटामिनों की भूमिका पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया था। संसाधन व्यक्ति डॉ. चाहत शर्मा और 2 एएनएम नर्स थीं।

गांव में अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता सत्र : 27 मार्च 2024 को नगर समिति बाड़ी ब्राह्मणा के सहयोग से सामाजिक कार्य प्रशिक्षुओं, सना, प्रवीण और फिजा द्वारा फल्लाह गांव में अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसमें बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं सहित 45 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

सामाजिक कार्य शिविर रिपोर्ट 2023

सामाजिक कार्य शिविर 2023 की रिपोर्ट "ग्रामीण पंजाब की रूपरेखा और सामाजिक वास्तविकताएं" पंजाब में ग्रामीण जीवन की बहुमुखी गतिशीलता पर प्रकाश डालते हुए इस क्षेत्र के प्रतिष्ठित संकाय और छात्रों द्वारा संकलित एक व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

यह रिपोर्ट जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में फील्डवर्क यूनिट के तत्कालीन निदेशक डॉ. रणवीर सिंह द्वारा संपादित की गई है, जिनकी देखरेख में 50 सामाजिक कार्य छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों की एक टीम ने एक सप्ताह तक चलने वाले सामाजिक कार्य शिविर के लिए पंजाब के रुरका कलां में युवा फुटबॉल क्लब का दौरा किया। रिपोर्ट ग्रामीण समुदायों की पेचीदगियों पर गहराई से चर्चा करती है, उनकी चुनौतियों, ताकतों और सामाजिक संरचनाओं पर प्रकाश डालती है। डॉ. सिंह की विशेषज्ञता और समर्पण ने इस अमूल्य संसाधन को संकलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता

उन्नीसवीं सदी के विद्वानों ने धर्मों के अकादमिक अध्ययन को अन्य विज्ञानों की तरह ही अवलोकन और वस्तुनिष्ठ विश्लेषण पर आधारित एक 'वैज्ञानिक' अनुशासन के रूप में समझा था। मानव जाति के सभी महत्वपूर्ण धर्मों की निष्पक्ष और सही मायने में वैज्ञानिक तुलना पर आधारित धर्म का विज्ञान अब केवल समय की बात है। यह उन लोगों का कर्तव्य बन जाता है जिन्होंने अपने जीवन को दुनिया के प्रमुख धर्मों के मूल दस्तावेजों के अध्ययन के लिए समर्पित कर दिया है, और जो इसे किसी भी रूप में महत्व देते हैं और सम्मान करते हैं, सच्चे विज्ञान के नाम पर इस नए क्षेत्र पर कब्ज़ा करना चाहिए। तुलनात्मक धर्म और सभ्यताओं के अध्ययन के लिए केंद्र इस देश में अपनी तरह के बहुत कम संस्थानों में से एक है और हम, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में, इसे चालू रखने पर गर्व करते हैं। केंद्र की स्थापना जुलाई, 2016 में हुई थी।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. अजय कुमार सिंह	वरिष्ठ सहायक आचार्य	धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, गांधीवादी और शांति अध्ययन, कश्मीर शैव दर्शन, वैदिक दर्शन, भारतीय धर्म और संस्कृति, पाली भाषा और साहित्य, प्रवासी और पार-राष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन, समकालीन भारतीय राजनीतिक दर्शन।
2.	डॉ. अमिता गुप्ता	सहायक आचार्य	प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व
3.	डॉ. अश्विनी कुमार	सहायक आचार्य	पाली साहित्य, बौद्ध दर्शन, बौद्ध नैतिकता
4.	डॉ. जीवी स्निग्धा राज	सहायक आचार्य	धर्म का नृविज्ञान, जनजातीय अध्ययन, नृवंशविज्ञान अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन
5.	डॉ. अरविंद ऋतुराज	सह आचार्य	बौद्ध धर्म, धार्मिक अध्ययन, संचार
6.	डॉ.निरंजना भंडारी	आचार्य	धर्म और समाज, स्वास्थ्य और जनसंख्या

संकाय प्रकाशन

डॉ. अमिता गुप्ता

क्र.सं.	पेपर/पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस. एन./ आर आई एन/आई एस बी एन नं.	प्रकाशन वर्ष
01	सल्तनत काल में मुस्लिम महिलाओं की सामाजिक-सांस्कृतिक भूमिका, राफिया अशरफ भट, डॉ. अमिता गुप्ता, जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई, यूजीसी-केयर सूचीबद्ध, प्रकाशक: द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई, मुंबई।	0972-0766	2023

02	अग्रणी व्यापार: अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी के बंगाल में प्रवेश में मालदा फैक्ट्री की भूमिका और इसके तकनीकी निहितार्थ (1680-1705), शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार 30 (5):1950-5.	2148-2403	2024
03	स्थिरता के मार्ग का पता लगाना: घरेलू बिजली की खपत पर एक अध्ययन, नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का ऐतिहासिक अवलोकन, टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन और स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव। ,बीआईओ वेब ऑफ कॉन्फ्रेंस (2024)।	01057	2024
04	डिजिटल युग में चुनौतियाँ और आर्थिक बाधाएँ: सालार जंग संग्रहालय, भारत का एक अध्ययन। ", बोलेटिन डी लिटरेटुरा ओरल वॉल्यूम -11, पृष्ठ 113-119, प्रकाशक यूनिवर्सिडाड डी जैन। 2024।	2173 - 0695	2024
05	हैदराबाद इन ट्रांजिशन: (1948-1956) - आसफ जाह कुलीनता के सामाजिक पुनर्गठन का एक केस स्टडी, शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और अभ्यास 30 (4): 5812-18, प्रकाशक: ऑरिकल ग्लोबल सोसाइटी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च।	2148-2403	2024
06	दिल्ली सल्तनत के कुलीन वर्ग और उनकी साहित्यिक गतिविधियाँ: मिन्हाज अल दीन सिराज जुजानी का एक केस स्टडी। (2024) शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार 30 (5):1950-57.	2148-2403	2024

डॉ. अरविंद ऋतुराज

क्र.सं.	**पेपर / पुस्तक का शीर्षक**	**आई आई एस. एन./ आर आई एन/आई एस बी एन नं.**	**प्रकाशन वर्ष**
1.	हिन्दू धर्म की रूपरेखा	9789386081360	2024
2.	पाली ग्रंथो की पंजाबी में संपदा, लिप्यंतरण एवं अनुवाद की समस्याएं (शोध समालोचन जर्नल)	2348-5639	2024

छात्र की उपलब्धि :

1. सोहेल कयूम - आईसीएसएसआर

2. नरोत्तम कुशवाह - जेआरएफ

3. नरेश कुमार - जेआरएफ

4. रोहित कुमार - जेआरएफ

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विद्यालय

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग की स्थापना वर्ष 2013 में सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। चूँकि भारत अपनी आर्थिक वृद्धि और सामाजिक विकास को बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है ,इसलिए उसे विभिन्न स्तरों से उत्पन्न होने वाली कई सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

विभाग सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों पर विद्वानों ,विशेषज्ञों और नेताओं की अगली पीढ़ी तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। जम्मू और कश्मीर (जे एवं के) राज्य में स्थित ,जिसे दक्षिण एशिया का सुरक्षा और रणनीतिक केंद्र माना जाता है ,इसमें राष्ट्रीय ,क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर अकादमिक शोध के साथ-साथ नीति विश्लेषण को बढ़ावा देने की अंतर्निहित क्षमता है। यह सभी हितधारकों को राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक संवाद और बहस में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। विशिष्ट रूप से निर्मित किए गए पाठ्यक्रम के अलावा ,विभाग के छात्रों और शोधार्थियों को क्षेत्र भ्रमण के साथ-साथ अभिनव शिक्षण और शोध कौशल का उपयोग करके नीति विश्लेषण से परिचित कराया जाता है । एम.ए पाठ्यक्रम और पीएच. डी. के पाठ्यक्रम में सुरक्षा अध्ययन के क्षेत्र में ध्यान के दिलचस्प और उभरते क्षेत्र शामिल हैं ,जैसे सुरक्षा क्षेत्र ,शासन और प्रबंधन ,संघर्ष समाधान ,लिंग ,संघर्ष और सुरक्षा ,सीमा प्रबंधन 21वीं सदी में युद्ध ,रणनीतिक विचार ,वैश्वीकरण और भू-राजनीति, इसके अलावा भारतीय विदेश नीति ,रणनीतिक अध्ययन ,अंतर्राष्ट्रीय संबंध ,अनुसंधान पद्धति आदि पर नियमित अंतःविषय पेपर शामिल हैं।

दूरदर्शिता और लक्ष्य

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग गहन शोध और शिक्षण को बढ़ावा देकर देश में सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरने की आकांक्षा रखता है। इसका उद्देश्य अंतःविषय दृष्टिकोण के माध्यम से वैकल्पिक और अभिनव राष्ट्रीय सुरक्षा चर्चा उत्पन्न करना और विभिन्न हितधारकों नीति निर्माताओं ,सशस्त्र बलों ,मीडिया और नागरिक समाज को भारत की सुरक्षा और विदेश नीति से संबंधित मुद्दों पर बौद्धिक रूप से जुड़ने के लिए मंच प्रदान करना है।

संकाय विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ .आर सुधाकर	सह आचार्य	निरस्त्रीकरण और शांति अध्ययन ,व्यापक सुरक्षा ,गैर-पारंपरिक सुरक्षा ,समुद्री सुरक्षा
2	डॉ .नीता रानी	सह आचार्य	भारत-मध्य एशिया ऊर्जा सहयोग
3	डॉ .एकता मन्हास	सहायक आचार्य	संघर्ष गतिशीलता सैन्यीकरण, कट्टरपंथ, परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, क्षेत्रीय संघर्ष/राजनीति पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया
4	डॉ .अनुराधा चौधरी	सहायक आचार्य	भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा ,आंतरिक सुरक्षा समस्याएं , गैर-पारंपरिक सुरक्षा ,भारत-चीन संबंध ,आपदा प्रबंधन ,तिब्बती शरणार्थी और भूराजनीति

हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का विवरण :

प्रतिष्ठित व्यक्तियों के दौरों के आदान–प्रदान, द्विपक्षीय संगोष्ठियों, संगोष्ठियों के सह–प्रायोजन, आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर समूह चर्चा और प्रकाशनों के आदान–प्रदान के लिए भारतीय विश्व मामले परिषद (आईसीडब्ल्यूए), नई दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित नीति अनुसंधान विचारकों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)।

संकाय उपलब्धियां

डॉ. आर. सुधाकर	• यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 11 से 19 दिसंबर 2023 तक आयोजित "समग्र और बहुविषयक शिक्षा–एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण (कार्यक्रम कोडः एमएमसी–035–2023–डीईसी–ए–00653)" पर संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया । • अक्टूबर 2023 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU), नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत "MGPE–010% संघर्ष प्रबंधन परिवर्तन और शांति निर्माण" पर स्वयं ऑनलाइन चार–क्रेडिट कोर्स पूरा किया। • 03 से 07 अप्रैल 2023 तक ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में एमिटी विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित ''एआई/एमएल और डेटा विश्लेषण में स्मार्ट–भविष्य की प्रौद्योगिकियां'' पर एक सप्ताह के ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। • 06–07 जुलाई 2023 को नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के अनुसंधान प्रकोष्ठ और क्यूएसी द्वारा आयोजित सतत विकास 2023 (एनसीएमआरआईएसडी) के लिए बहुविषयक अनुसंधान और नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति और बहुविषयक अनुसंधान पर एक सत्र की ऑनलाइन अध्यक्षता की। • जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''शांति–निर्माण और सुलहः युद्ध–रहित युग की शुरुआत'' विषय पर Y20 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्रीय प्रतिनिधि, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से युवा 20 परामर्श 18 से 19 अप्रैल 2023 को आयोजित किया गया ।
डॉ. नीता रानी	• सीधी प्रविष्ट के माध्यम से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग में सह आचार्य के रूप में नियुक्त। • आपदा प्रबंधन पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूरा किया
डॉ. एकता मन्हास	• विश्व अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन समिति (डब्ल्यूआईएससी) कन्वेंशन 2024 वारसॉ, पोलैंड, 24–26 जुलाई 2024 में "भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु–निवारण और पारंपरिक संघर्ष" विषय पर प्रस्तुति के लिए पेपर स्वीकार किया गया। • विश्व अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन समिति (डब्ल्यूआईएससी) कन्वेंशन 2024 वारसॉ, पोलैंड, 24–26 जुलाई 2024 में "उदार अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के असंतोष को संबोधित करनाः भारत से परिप्रेक्ष्य" विषय पर प्रस्तुति के लिए पेपर स्वीकार किया गया। • अन्यथा मानवः मानव और मानवीय अधिकार परंपरा'', (आगामी) में चर्चाकर्ता के रूप में आमंत्रित , 24–26 जुलाई 2024। • 9–18 जनवरी 2024 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण

	कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के तहत "एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम" नामक संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया। • 22 जनवरी से 20 फरवरी 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज द्वारा आयोजित ''विश्वविद्यालयां/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय'' शीर्षक से संकाय प्रेरण/अभिविन्यास कार्यक्रम पूरा किया।
डॉ. अनुराधा चौधरी	• 9–18 जनवरी 2024 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के तहत "एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम" नामक संकाय विकास कार्यक्रम पूरा किया। • 22 जनवरी से 20 फरवरी 2024 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज द्वारा आयोजित ''विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय'' शीर्षक से संकाय प्रेरण/अभिविन्यास कार्यक्रम पूरा किया। • मार्च 2024 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विषय में पीएचडी शोधार्थी श्री स्टैनजिन नामगियाल के सह–पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

संकाय प्रकाशन

क्र.सं.	नाम	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आईआईएसएन नं./ आईएसबीएन नं.	प्रकाशन वर्ष
1.	डॉ. आर सुधाकर	हिंद महासागर में आपदा जोखिम न्यूनीकरण दृष्टिकोण और संवर्धित संबंधों के अवसरों का विश्लेषण - क्षेत्र में भारत की सॉफ्ट पावर गतिशीलता का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन	0976-0997	अप्रैल 2024
		हिंद महासागर क्षेत्र में निजी तौर पर अनुबंधित हथियार सुरक्षा कार्मिक: दक्षिण एशिया और हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका में कमज़ोरियों और लचीलेपन का विश्लेषण	2582-9645	सितम्बर 2023
		पश्चिमी हिंद महासागर में गैर-पारंपरिक समुद्री सुरक्षा खतरों के मानव सुरक्षा पर प्रभाव	2456-5474	अगस्त 2023
2.	डॉ. नीता रानी	ऊर्जा का भू-राजनीतिक गणित: भारत के ऊर्जा भविष्य की जांच, अरुण कुमार दीक्षित, अभय राज सिंह, विनोद कुमार दुबे, *भारत में गैर-पारंपरिक सुरक्षा मुद्दे* , सत्यम पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, पृ. 100-106	आईएसबीएन- 978-98-5909-716-9	2024
3.	डॉ.अनुराधा चौधरी	भारत में तिब्बती शरणार्थी: जातीय पहचान, एकीकरण और बहिष्कार	978-81-968482-9-3	2023

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

परियोजना अन्वेषक और सह-अन्वेषक का नाम	शोध परियोजना का शीर्षक	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजना की अवधि	परियोजनाओं की स्थिति
डॉ. आर सुधाकर	ग्रामीण जम्मू और कश्मीर में सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई): जम्मू और कश्मीर के सबसे पिछड़े जिलों में युवा आयु की लड़कियों को सशर्त नकद हस्तांतरण (सीसीटी) का एक अनुभवजन्य नैदानिक मूल्यांकन	आईसीएसएसआर	छह महीने	प्रस्तुत
डॉ. नीता रानी	जम्मू और कश्मीर में ग्राम रक्षा गार्ड योजना (वीडीजीएस) का एक अध्ययन	आईसीएसएसआर	एक वर्ष	जारी है

छात्रों की उपलब्धियों का विवरण

क्र. सं.	रिसर्च स्कॉलर	वर्ष	जेआरएफ/नेट/एसईटी/अन्य फेलोशिप
1.	शुभम शर्मा	2024	आईसीएसएसआर डॉक्टरल फेलोशिप
2.	मोहन सिंह धनगर	2023	जेआरएफ
3.	आकृतिउप्पल	2023	नेट
4.	विवेक कुमार	2022	जेआरएफ
5.	रोहित	2023	जेआरएफ

व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय

मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठानात्मक व्यवहार विभाग

विभाग छात्रों को व्यावसायिक परिस्थितियों को स्थापित सहयोग के अनुरूप उन्हें हल करने तथा तैयार करने में विश्वास रखता है | अध्ययन कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह होता है, इसलिए, प्रौद्योगिकी मुख्य संस्कृति में एक बड़ी भूमिका निभाती है, और इसी तरह वैश्विक प्रदर्शन, परियोजना प्रबंधन, महत्वपूर्ण तर्क और व्यावसायिक संचार कौशल भी। एचआरएम और ओबी विभाग अनुभवात्मक सीखने के अवसरों, प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम कार्यभार, उद्योग-अकादमिक बातचीत और अन्य उद्योग-संचालित परियोजनाओं के माध्यम से इन सभी पर जोर देता है।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो .जया भसीन	आचार्य , विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता	मानव संसाधन प्रबंधन संगठनात्मक व्यवहार रणनीतिक प्रबंधन
2	सुश्री अंजलि पठानिया	सहायक आचार्य	व्यवहार विज्ञान और सूचना प्रणाली
3	डॉ.गौहर रसूल	सहायक आचार्य	विपणन
4	डॉ .आसिफ अली	सहायक आचार्य	उद्यमिता विपणन
5	डॉ .सुस्मिता एक्का	सहायक आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन ,मानव संसाधन विश्लेषण

संकाय प्रकाशन

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	उच्च शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता लाने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण के रूप में बिजनेस इंटेलिजेंस घई, एस., भसीन, जे. शर्मा, एन जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च यूजीसी केयर	5162-2349	2023
2	एमएसएमई में आईसीटी अपनाने के पूर्ववर्ती और परिणाम आसिफ अली, जया भसीन और एम हाज़िक जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज	2709-0876	2023
3	न्यूरोलीडरशिप का विकास: ग्रंथसूची विश्लेषण और नेटवर्क विज़ुअलाइज़ेशन सुश्री अंजलि चौधरी और जया भसीन लेखा व्यवसाय और सार्वजनिक हित श्रेणी बी	1745-7718	2023

4	उद्धारेदात्मनात्मानत्नात्मानअवसादयेतात्मैवह्यात्मनोबन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः: आत्मनिर्भर भारत के लिए सतत विकास पर एक अनुभवजन्य अध्ययन (यूजीसी केयर) नीतू ब्रैडू, जया भसीन, शाहिद मुश्ताक आयुषी इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल	2349-638x	2023
5	डिजिटल रूप से बदलती दुनिया में खुशहाली के निहितार्थ: एक ग्रंथसूची मानचित्रण सुरभि घई, प्रो. जया भसीन और डॉ. नीरज शर्मा कोरिया अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन समीक्षा श्रेणी सी	1226-4741	2023
6	कृत्रिम बुद्धि-आधारित वॉयस सहायक के संदर्भ-विशिष्ट कारणों और अपनाने की जांच: एक व्यवहारिक तर्क सिद्धांत दृष्टिकोण *रसूल, जी. और पठानिया, ए.* मार्केटिंग इंटेलिजेंस और योजना (स्कोपस, एबीडीसी ए श्रेणी) प्रभाव कारक: 4.4	1470-6431	2023
7	माउस का शब्द! ऑनलाइन समीक्षा लिखने के लिए उपभोक्ता स्वैच्छिकता को क्या प्रेरित करता है? *रसूल, जी. और पठानिया, ए.* जर्नल ऑफ मार्केटिंग कम्युनिकेशंस (स्कोपस, एबीडीसी बी श्रेणी)	1466-4445	2023
8	एमएसएमई में आईसीटी अपनाने के पूर्ववर्ती और परिणाम अली, ए., भसीन, जे. जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज	2709-0876	2023
9	*सहाय वी., प्रसाद सी., कृष्णनकुट्टी आर.,* पोस्ट कोविड प्रबंधन रणनीतियाँ: पुनर्प्राप्ति, लचीलापन और अनुकूलन, 183-195, खंड-1, *हिमालय पब्लिशिंग हाउस,* आईएसबीएन- 9356933502 घई एस., भसीन जे., मुश्ताक एस.	9356933502	2023
10	डिजिटल परिवर्तन के युग में डिजिटल कल्याण: एक ग्रंथसूची विश्लेषण भविष्य के व्यवसाय का नेतृत्व: बदलती दुनिया में प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और परिवर्तन भारतीय प्रबंधन संस्थान नागपुर , आईएसबीएन: 9788195954605 घईएस, भसीन जे --	9788195954605	2023
11	कनेक्टिविटी सातत्य और कार्य-जीवन इंटरफेस का बदलता परिदृश्य: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा, हाइब्रिड मोड में उत्पादकता बढ़ाना एक नए युग की शुरुआत, घई एस., भसीन जे., मुश्ताक एस.		2023
12	उच्च शिक्षा में संकाय सदस्यों के बीच समग्र स्वास्थ्य और कल्याण	6-89-94068-93-978	2023

	पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्रंथसूची संबंधी अंतर्दृष्टि, आईएसबीएन: 978-93-94068-89-6 प्रो. जया भसीन और श्रीमती पूजा शर्मा		
13	डिजिटल परिवर्तन के युग में डिजिटल कल्याण: एक ग्रंथसूची विश्लेषण भविष्य के व्यवसाय का नेतृत्व बदलती दुनिया में प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और परिवर्तन भारतीय प्रबंधन संस्थान नागपुर , आईएसबीएन 978819595 4605 प्रोफेसर जया भसीन और सुश्री सुरभि घई	978819595 4605	2023
14	हरित मानव संसाधन प्रबंधन सतत विकास के लिए रामबाण उपाय: व्यवस्थित साहित्य समीक्षा सम्मेलन द्वितीय प्रीतम सिंह स्मारक (पीआरआइएसएम) सम्मेलन की कार्यवाही आईआईएम नागपुर नीतू, प्रो. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक		2023
15	मन एवं मनुष्याणाकरणं बन्ध-मोक्षयोः: सतत विकास के लिए एक नए आयाम के रूप में मनोवैज्ञानिक स्थिरता व्यवसाय प्रबंधन में उभरती प्रौद्योगिकियां आईएसबीएन: 978935640 4717 नीतू, प्रो. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक	978935640 4717	2023
16	स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एक प्राचीन दृष्टिकोण (आईआईएम - सी) आईएसबीएन: 9789356405 995 अयनिजःपरोवेतिगणानालघुचेतसमुद्रचरितानान्तुवसुधैवकुटुम्बकम्: भारतीय परिप्रेक्ष्य से सतत विकास लक्ष्य नीतू, प्रो. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक	9789356405 995	2023
17	सतत विकास और प्रबंधन प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही आईएसबीएन: 978819595 4605 सतत विकास के लिए मानव संसाधन प्रबंधन पद्धतियां: भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र से एक अनुभवजन्य अध्ययन नीतू, प्रो. जया भसीन और डॉ. शाहिद मुश्ताक	978819595 4605	2024
18	जम्मू क्षेत्र में स्वास्थ्य देखभाल के प्रदर्शन पर अंशकालिक नौकरी का प्रभाव स्लाथिया, पी, भसीन जे. अनुभवजन्य आर्थिक पत्र श्रेणी 'सी'	1681 8997	2024
19	विपणन में संवर्धित वास्तविकता: वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं पर एक करीबी नज़र *रसूल, जी. और पठानिया, ए.* मार्केटिंग इंटेलिजेंस और योजना (स्कोपस, एबीडीसी ए श्रेणी) प्रभाव कारक : 4.4	0263-4503	2024

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग की स्थापना वर्ष 2016 में व्यवसाय अध्ययन विद्यालय के तहत की गई थी। विभाग का उद्देश्य ऐसे प्रबंधन स्नातक तैयार करना है जो 'राष्ट्र के स्तंभ' के रूप में उभरेंगे और दुनिया भर में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विकास और वृद्धि में योगदान देंगे। विभाग अपने दृष्टिकोण के दायरे का विस्तार करने और विशिष्ट व्यावसायिक ज्ञान का सबसे व्यापक स्रोत बनने की परिकल्पना करता है। विभाग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करना और उनकी पूरी क्षमता में योगदान देना है। केस स्टडी, सिमुलेशन, कार्यशाला, नाट्य आधार, अतिथि संकाय द्वारा चुने गए उद्योग आउटरीच कार्यक्रमों को शामिल करते हुए आवेदन आधारित शिक्षण पद्धतियां नवोदित दिमागों को एक कठोर कॉर्पोरेट केरियर के लिए समग्र दृष्टिकोण विकसित करने के लिए तैयार करती हैं। उपरोक्त के अलावा, विभाग द्वारा नियमित रूप से संगोष्टि, कार्यशाला, सम्मेलन और अन्य ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। छात्र न केवल विभागीय स्तर पर बल्कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सभी अन्य कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, एमएससीएम विभाग गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा प्रदान करके उच्च प्रतिष्ठा वाले एक परिपक्व संस्थान के रूप में विकसित हुआ है। हम गर्व से दावा कर सकते हैं कि विभाग अपने पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों के माध्यम से वैश्विक पेशेवरों को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाता है।

संकाय विवरणः

क्र .सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. अजय पाल शर्मा	आचार्य	विपणन
2	डॉ.नीलिका अरोड़ा	सह आचार्य	विपणन
3	डॉ. शाहिद मुश्ताक	सहायक आचार्य	विपणन
4	डॉ. नरेश कुमार	सहायक आचार्य	विपणन
5	डॉ. अंजू थापा	सहायक आचार्य	विपणन
6	डॉ. अरुण यादव	सहायक आचार्य	विपणन

संकाय उपलब्धियां / प्रकाशन

डॉ. नीलिका अरोड़ा, सह आचार्य

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	क्या मिलेनियल यात्री ब्रांडेड हॉस्टल में जाने के लिए तैयार हैं? पुश-पुल-मूरिंग मॉडल का उपयोग करके अनुभवजन्य जांच	आईएसएसएन1492-7713	2023
2	पिछले दो दशकों में हरित उद्यमिता किस तरह विकसित हुई? ग्रंथसूची विश्लेषण पर एक नज़र	आईएसएसएन0972-2629	2023

डॉ. नारेह कुमार, सहायक आचार्य

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	डिजिटल मार्केटिंग: रणनीतियाँ, रुझान, कार्यान्वयन और अभ्यास। उत्तराखंड स्टार श्रेणी के होटलों का मामला	आईएसएसएन1526-4726	2023
2	इलेक्ट्रिक वाहन और खरीद इरादा: एक ग्रंथसूची विश्लेषण	आईएसएसएन1226-4741	2023
3	उत्तराखंड में स्टार श्रेणी के होटलों में पर्यटकों की संतुष्टि प्राप्त करने में डिजिटल मार्केटिंग रणनीतियों की भूमिका	आईएसएसएन 2323-5233	2023

डॉ. अंजू थापा, सहायक आचार्य

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	लुप्त होती गतिविधियाँ: मौखिक व्यवहार पर क्षणिक सामग्री का प्रभाव - इंस्टाग्राम और स्नैपचैट में कथित मूल्य की भूमिका को उजागर करना	आईएसएसएन:1681 8997	2023
2	कृषि आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में डिजिटल परिवर्तन को अपनाने को आकार देने वाले प्रमुख कारकों का खुलासा: भारतीय स्मार्ट गांवों का गहन अध्ययन	आईएसएसएन:1681 8997	2023
3	आगंतुकों के कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ाने में आध्यात्मिक पर्यटन का प्रभाव	आईएसएसएन:1226-4741	2023
4	सीमा पर्यटन की स्थिरता: भारत-पाक सुचेतगढ़ सीमा पर पर्यटकों के दृष्टिकोण और धारणाओं का आकलन	ई-आईएसएसएन: 2348-1269	2023

छात्रों की उपलब्धि

क्र. सं.	छात्र का नाम	जेआरएफ/नेट/सेट	वर्ष
1.	साहिल चौहान (रिसर्च स्कॉलर)	नेट (प्रबंधन)	2024

पर्यटन और यात्रा प्रबंधन

टीटीएम की स्थापना 2012 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में की गई थी। अपनी स्थापना के दिन से ही डीटीटीएम पर्यटन शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र बनने का सपना संजोए हुए है। टीटीएम ज्ञान के प्रसार के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके पर्यटन शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया मानदंड स्थापित करने की इच्छा रखता है और ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करने का प्रयास करता है जो उद्योग, समाज और पर्यावरण की आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. रणजीत कुमार रमन	सह आचार्य	गंतव्य प्रबंधन, पर्यटन स्थिरता, प्रभावशाली विपणन, पर्यटक व्यवहार
2	डॉ. महेंद्र सिंह	सह आचार्य	आतिथ्य, गैस्ट्रोनॉमी पर्यटन, होटल प्रबंधन, पर्यटन प्रबंधन
3	डॉ. अमित गंगोटिया	सहायक आचार्य	पर्यटन शिक्षा, समुदाय आधारित पर्यटन, स्मार्ट पर्यटन, अनुभवात्मक पर्यटन
4	डॉ. भारती गुप्ता	सहायक आचार्य	सांस्कृतिक और रचनात्मक पर्यटन, सतत पर्यटन विकास, सैन्य पर्यटन, शांति पर्यटन, आध्यात्मिक और तीर्थ पर्यटन
5	श्री राहुल ठाकुर	सहायक आचार्य	समुदाय आधारित पर्यटन, पर्यटन भूगोल, सेवा विपणन, साहसिक पर्यटन, डिजिटल विपणन
6	श्री विश्वभूषण प्रधान	सहायक आचार्य	स्मार्ट पर्यटन, विरासत पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, शैक्षिक पर्यटन, नेतृत्व, उपभोक्ता व्यवहार
7	डॉ. रवींद्र सिंह	सहायक आचार्य	

संकाय प्रकाशन

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	स्पा और स्वास्थ्य उपभोक्ता विकल्पों पर सोशल मीडिया समीक्षाओं का प्रभाव: संकल्पनात्मक रूपरेखा, संभावित महत्व और भविष्य की अनुसंधान दिशाएँ	9798369319789	2024
2	सापेक्ष महत्व सूचकांक का उपयोग करके बौद्ध सर्किट की छवि का मूल्यांकन	0975-4954	2023
3	हितधारक कैसे सहयोग करते हैं? चुनौतियों का सामना करना और सैन्य विरासत पर्यटन के अवसरों का लाभ उठाना	2044-1266	2023

इंजीनियरिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय

कंप्यूटर विज्ञान एवं आईटी विभाग/कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग

आधारिक एव अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान एव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग वर्ष 2012 में स्थापित किया गया था। विभाग कंप्यूटर विज्ञान एव सूचना प्रौद्योगिकी के सभी प्रमुख प्रभाव क्षेत्र की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है, जिसमें उत्कृष्ट इंटरनेट, सर्वर, हार्डवेयर और वीडिया कॉन्फ्रेंसिंग आदि जैसे सॉफ्टवेयर उपल्बध हैं। शोध परिणाम, बाजार परिदृश्य और उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने 24 सीटों के साथ एम.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) कार्यक्रम की पेशकश शुरू की और 2016–17 से एकीकृत एम.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान)–एमसीए कार्यक्रम को बंद कर दिया। एम.टेक. कार्यक्रम को एआईसीटीई ने सत्र 2017–18 से मंजूरी दे दी है। विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2016–17 से पीएचडी शोध कार्यक्रम भी शुरू किया।

कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग की कल्पना वर्ष 2022 में विभिन्न विशेषज्ञताओं में बी.टेक पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ की गई थी। दोनों विभागों में कुल 14 संकाय सदस्य हैं, जिनके पास कृतिम बुद्धिमता, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, कंप्यूटर नेटवर्क, डेटाबेस और डेटा माइनिंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, सूचना और साइबर सुरक्षा, इमेज प्रोसेसिंग, पैटर्न पहचान, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स और सिमुलेशन और मॉडलिंग, कंप्यूटर विजन, बायो–मेट्रिक्स, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग आदि के क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। विभाग हर साल, ससीआईई, ईएससीआई, स्कोपस, आईईईई, साइंस डायरेक्ट, एसीएम, स्प्रिंगर, विले आदि में कई गुणवत्ता प्रकाशनों के साथ अनुसंधान में समान रूप से सक्रिय है। विभाग ने वर्ष 2018, 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 में "कंप्यूटिंग में हालिया नवाचार" विषय का सफलता पूर्वक आयोजन किया।

विभाग एक ऐसा शिक्षण वातावरण स्थापित करने और बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करता है जो शिक्षण और अनुसंधान दोनों के सर्वोत्तम संभव स्तरों का समर्थन करता है। हमारे पूर्व छात्र अधिकांश प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों में उच्च अध्ययन कर रहे हैं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की कंपनियों में अच्छी तरह से नियुक्त हैं। इसका उद्देश्य ऐसे मानव संसाधन तैयार करना है जिन्हें कंप्यूटर विज्ञान के सैद्धांतिक, व्यवस्थित और अनुप्रयोग घटकों के पहलुओं के बारे में ठोस समझ हो।

संकाय विवरण :

कंप्यूटर विज्ञान एव आईटी विभाग/ कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग			
क्र.सं.	**नाम**	**पदनाम**	**विशेषज्ञता का क्षेत्र**
1.	प्रो. यशवंत सिंह	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर-फिजिकल सिस्टम, साइबर सुरक्षा, एससीएडीए, वायरलेस सेंसर नेटवर्क
2.	प्रो. दिनेश कुमार	आचार्य	वायरलेस सेंसर नेटवर्क, मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण
3.	डॉ. नीरेन्द्र कुमार	सह आचार्य	रोबोटिक्स, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
4.	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह	सह आचार्य	डेटा विज्ञान, आईओटी, डबल्यूएसएन, उभरती इंटरनेट प्रौद्योगिकियाँ

5.	डॉ. भावना अरोड़ा	सह आचार्य	सूचना और साइबर सुरक्षा, डेटा माइनिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण।
6.	डॉ. अरविंद सेलवाल	सहायक आचार्य	बायोमेट्रिक्स सुरक्षा, पैटर्न पहचान, वीडियो और डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विज़न, मशीन/डीप लर्निंग, लाइटवेट क्रिप्टोग्राफी, इमेज स्टेग्नालिसिस
7.	डॉ. दीप्ति मल्होत्रा	सहायक आचार्य	ग्रिड कंप्यूटिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, वर्चुअलाइजेशन, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग: इसके उपक्षेत्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण।
8.	डॉ. जसविंदर पाल सिंह	सहायक आचार्य	बायोमेट्रिक, कंप्यूटर विज़न, ऑप्टिमाइज़ेशन और मशीन लर्निंग
9.	डॉ. पलक महाजन	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज़न, इमेज प्रोसेसिंग, मशीन/डीप लर्निंग, पैटर्न रिकॉग्निशन
10.	डॉ. हरनैन कौर	सहायक आचार्य	कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, मशीन लर्निंग
11.	डॉ. गौरव कुमार	सहायक आचार्य	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, प्रकृति प्रेरित एल्गोरिदम, टाइम सीरीज़ विश्लेषण, मूर्ति प्रोद्योगिकी
12.	श्री अरुण कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	वायरलेस सेंसर नेटवर्क, संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, क्रिप्टोग्राफी
13.	श्री गौरव ठाकुर	सहायक आचार्य	साइबर सुरक्षा, क्रिप्टोग्राफी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग
14.	श्री जाकिर अहमद शेख	सहायक आचार्य	साइबर सुरक्षा, साइबर भौतिक प्रणालियों की सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रोग्रामिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कंप्यूटर नेटवर्क, एल्गोरिदम और डेटा संरचनाएं, डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, ऑपरेटिंग सिस्टम

संकाय उपलब्धियां

प्रो. यशवंत सिंह

1. अभियांत्रिकी एवं तकनीकि विद्यालय, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा विद्यालय समीति के सदस्य हैं। विद्यालय बोर्ड के सदस्य, विद्यालय ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब।
2. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला में डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय में अध्ययन बोर्ड के सदस्य हैं।
3. कंप्यूटिंग संचार और साइबर सुरक्षा (वी 2) पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया।
4. कंप्यूटिंग संचार और साइबर सुरक्षा (वी 2) पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मुख्य भाषण, 8 अप्रैल, 2024, ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय उत्तराखंड।

5. ''भविष्य की सुरक्षाः साइबर–भौतिक प्रणालियों की सुरक्षा के लिए बुद्धिमान रणनीति'' पर मुख्य भाषण, कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीआरआईसी–2023, 21–22 दिसंबर, 2023, ईएलटीई बुडापेस्ट हंगरी।
6. वें अंतर्राष्ट्रीय कंप्यूटिंग संचार और साइबर सुरक्षा सम्मेलन (ट1) के दौरान ''व्यावसायिक बुद्धिमत्ता के लिए एआई'' पर मुख्य भाषण, 29 फरवरी, 2024, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा।
7. ''शिक्षण और अनुसंधान म आईसीटी'' पर आमंत्रित वार्ता, दिनांक 23–01–2024 को "शिक्षण और अनुसंधान में आई.सी.टी." पर आमंत्रित

प्रो. दिनेश कुमार

1. 21 से 23 मार्च 2024 तक गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद और भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (डीएएमएलएआई) पर राष्ट्रीय स्तरीय संगोष्ठी में तकनीकी समिति के अध्यक्ष और समीक्षक।

डॉ. नीरेन्द्र कुमार

1. 26 से 27 अक्टूबर, 2023 को डीआरडीओ, डीएसटी (जेएंडके) द्वारा प्रायोजित, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईसी–2023) में सत्र अध्यक्ष, तकनीकी समिति के सदस्य, आयोजन समिति के सदस्य और समीक्षक रहे हैं।

डॉ. भावना अरोड़ा

1. 29 फरवरी से 1 मार्च, 2024 के बीच कंप्यूटर विज्ञान विद्यालय एसएमवीडीयू, कटरा, जम्मू व कश्मीर, भारत में आयोजित आईसी 4 एस' 05 के दौरान पेपर प्रस्तुत किए गए।
2. 20 फरवरी 2024 से 29 फरवरी 2024 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के तहत एफडीपी–एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।
3. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 23 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2024 तक आयोजित यूजीसी के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) के तहत एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के एक सत्र स्त्रोत वक्ता के रूप में भाग लिया।
4. एनईपी 2020 के अंतर्गत "सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी)" पर एफडीपी के कार्यक्रम सह–समन्वयक, यूजीसी के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम–टीटीपी) का अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम, जो 23 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2024 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।
5. 21 से 23 दिसंबर, 2023 तक बैंगलोर में आयोजित आईईईई सम्मेलन आईसीआईएमआईए 2023 में पेपर प्रस्तुत किया।

6. 26 से 27 अक्टूबर, 2023 को डीआरडीओ, डीएसटी (जेएंडके) द्वारा प्रायोजित, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईसी–2023) में सत्र की अध्यक्षता, तकनीकि समिति के सदस्य और समीक्षक रहे हैं।
7. 13 जून 2023 को शेर–ए–कश्मीर पुलिस अकादमी उधमपुर द्वारा आयोजित "साइबर अपराधों की जांच" पर 05 दिवसीय पाठ्यक्रम में दो मुख्य व्याख्यान दिए।
8. संयोजक/सदस्य के रूप में विभिन्न समितियों के सदस्य रहे हैं तथा विभिन्न कार्यक्रमों की आयोजन टीमों का हिस्सा रहे हैं।

डॉ. दीप्ति

1. 22 सितंबर, 2023 को एमआईईआर शिक्षा महाविद्यालय में "संकाय विकास कार्यक्रम" के तहत "शिक्षा में एआई" पर आमंत्रित वक्ता के तौर पर भाग लिया।
2. 2 से 3 अगस्त, 2023 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूनेस्को द्वारा वित्त पोषित 'ग्रामीण भारत में महिला उद्यमिता को गति देनाः आत्मनिर्भरता और लैंगिक समानता के लिए डिजिटल सशक्तिकरण की ओर' शीर्षक परियोजना के तहत ''ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए डिजिटल साक्षरता और कौशल निर्माण'' पर संसाधन व्यक्ति।

डॉ. जसविंदर पाल सिंह

26 से 27 अक्टूबर, 2023 को डीआरडीओ, डीएसटी (जेएंडके) द्वारा प्रायोजित, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईसी–2023) की सत्र अध्यक्षता और सदस्य समिति सदस्य और आयोजक के रूप में कार्य किया।

23 से 31 जनवरी 2024 तक यूजीसी– मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदनशीलता'' पर 9 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया ।

21 फरवरी से 19 मार्च, 2024 तक शिक्षा मंत्रालय मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 4 सप्ताह के संकाय प्रेरण ६ अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. पलक महाजन

सह–संयोजक फोटोग्राफी क्लब।
21 फरवरी 2024 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक उत्सव उड़ान 2024 में पिक्सेल फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयाजन किया गया ।

02 दिसंबर 2023 को सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, जम्मू में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में गहन जानकारी– अनुप्रयोग, चुनौतियां और भविष्य के रुझान" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

3 से 5 नवंबर 2023 तक आईआईटी जम्मू में आयोजित कंप्यूटर विजन और इमेज प्रोसेसिंग (सीवीआईपी–2023) पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्षता किया।

से 27 अक्टूबर, 2023 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईसी–2023) में सत्र की अध्यक्षता किया।

15 से 17 फरवरी 2024 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई में ''सेल्फ–बैलेंसिंग रोबोट'' पर ई–यंत्र कार्यशाला में भाग लिया ।

14 और 15 सितंबर 2023 को जम्मू विश्वविद्यालय में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई द्वारा आयोजित ''एम्बेडेड सिस्टम और रोबोटिक्स का परिचय'' पर ई–यंत्र कार्यशाला में भाग लिया ।

13 फरवरी 2024 को जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित जेके–महिला विज्ञान कांग्रेस 2024 में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

फरवरी से 19 मार्च 2024 तक शिक्षण अधिगम केंद्र, रामानुजन कॉलेज, नई दिल्लो द्वारा आयोजित ''विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय'' विषय पर 4 सप्ताह के प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. हरनैन कौर

26 से 27 अक्टूबर, 2023 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईसी–2023) में सत्र की अध्यक्षता की।

15 से 17 फरवरी 2024 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई में ''सेल्फ–बैलेंसिंग रोबोट'' पर ई–यंत्र कार्यशाला में भाग लिया ।

14 और 15 सितंबर 2023 को जम्मू विश्वविद्यालय में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई द्वारा आयोजित ''एम्बेडेड सिस्टम और रोबोटिक्स का परिचय'' पर ई–यंत्र कार्यशाला में भाग लिया ।

13 फरवरी 2024 को जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित जेके–महिला विज्ञान कांग्रेस 2024 में पेपर प्रस्तुत किया गया ।

21 फरवरी से 19 मार्च 2024 तक शिक्षण अधिगम केंद्र, रामानुजन कॉलेज, नई दिल्लो द्वारा आयोजित ''विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय'' विषय पर 4 सप्ताह के प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. गौरव कुमार

26 से 27 अक्टूबर, 2023 को डीआरडीओ, डीएसटी (जेएंडके) द्वारा प्रायोजित, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरआईसी–2023) में सत्र की अध्यक्षता और सदस्य आयोजन समिति के रूप में कार्यरत थे।

23 से 31 जनवरी 2024 तक यूजीसी– मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदनशीलता'' पर 9 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में भाग लिया ।

21 फरवरी – 19 मार्च, 2024 को शिक्षा मंत्रालय मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 4–सप्ताह के संकाय प्रेरण / अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

भारतीय विश्वविद्यालय संगठन और मार्था फैरेल फाउंडेशन द्वारा 22 मार्च, 2024 को एक दिवसीय सुरक्षित परिसर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री अरुण कुमार शर्मा

26 से 27 अक्टूबर, 2023 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा कंप्यूटिंग में हालिया नवाचारों पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।

दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के टीचिंग लर्निंग सेंटर द्वारा 7 से 21 फरवरी, 2024 तक आयोजित '' ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और एमओओसीएस का सह–निर्माण'' पर ऑनलाइन अंतःविषय दो–सप्ताह का पूर्नशचर्या पाठ्यक्रम पूरा किया।

21 फरवरी से 19 मार्च , 2024 तक टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय" के लिए 4–सप्ताह का संकाय प्रेरण/अभिविन्यास कार्यक्रम पूरा किया।

7 मार्च से 9 मार्च 2024 तक हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षिक संचार संघ, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ''डिजी एजु 2024: शिक्षा एवं शिक्षण प्रणाली में परिवर्तन'' में भाग लिया ।

पेटेंट/आईपीआर/कॉपीराइट :

शिक्षक का नाम	पेटेंट संख्या	पेटेंट का शीर्षक	पेटेंट प्रदान करने/प्रकाशित करने का वर्ष
डॉ. प्रदीप कुमार सिंह	202411007519	आई.ओ.टी और जी.पी.एस सक्षम प्रौद्योगिकियों के साथ ड्रोन का उपयोग करके बुद्धिमान अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली	2024
डॉ. अरविंद सेलवाल	401390-001	डीप लर्निंग आधारित फिंगरप्रिंट स्पूफ डिटेक्शन सिस्टम	2024
डॉ. अरविंद सेलवाल	202311078831	ऑफ़लाइन कक्षा सत्रों की अंतःक्रियाशीलता का आकलन करने की प्रणाली और विधि	2024
डॉ. अरविंद सेलवाल	409944-001	बायोमेट्रिक-सक्षम वीडियो विश्लेषण-आधारित स्वचालित कक्षा उपस्थिति प्रणाली	2024

डॉ. जसविंदर पाल सिंह	202331076794	5G अनुप्रयोगों के लिए सीआरएन में अनुकूली क्लस्टर दृष्टिकोण का डिजाइन और कार्यान्वयन	2023
डॉ. पलक महाजन	409944-001	बायोमेट्रिक-सक्षम वीडियो विश्लेषण-आधारित स्वचालित कक्षा उपस्थिति प्रणाली	2024

संकाय प्रकाशन

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	वर्ष
	प्रो. यशवंत सिंह		
1.	साइबर-भौतिक प्रणालियों के लिए बुद्धिमान सुरक्षा समाधान	9781003406105	2024
2.	साइबर-भौतिक प्रणालियों के लिए हल्के क्रिप्टोग्राफ़िक एल्गोरिदम	9781003406105	2024
3.	स्वचालित पार्किंसंस रोग का पता लगाना: तकनीकों, डेटासेट, तौर-तरीकों और खुली चुनौतियों की समीक्षा	1178-5608	2024
4.	आई.ओ.टी और एम्बेडेड डिवाइस फ़र्मवेयर सुरक्षा पर एक सर्वेक्षण: आर्किटेक्चर, निष्कर्षण तकनीक और भेद्यता विश्लेषण रूपरेखा	2730-7239	2023
5.	आई.ओ.टी नेटवर्क में फ़ेडरेटेड लर्निंग आधारित गोपनीयता सुनिश्चित सेंसर संचार: एक वर्गीकरण, खतरे और हमले	2169-3536	2023
6.	डिफेंडर का बचाव: साइबर-भौतिक प्रणालियों सी. पी. एस में सीखने पर आधारित सुरक्षा विधियों के लिए प्रतिकूल सीखने पर आधारित बचाव रणनीति	1424-8220	2023
7.	मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) अनुसंधान के नवीन रुझान: एक विज्ञानमितीय विश्लेषण	2321-6654	2023
8.	स्मार्ट हेल्थकेयर सिस्टम (एसएचएस) के लिए ड्यूटी-साइक्लिंग आधारित ऊर्जा-कुशल ढांचा	978-981-19-9331-2	2023
9.	स्मार्ट स्वास्थ्य देखभाल के लिए ऊर्जा-कुशल प्राथमिकता-आधारित रूटिंग मॉडल	978-981-99-0601-7	2023
	डॉ. नीरेन्द्र कुमार		
1.	मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके प्रथम प्रभाव पहचान के लिए विज़न और ऑडियो-आधारित विधियाँ: एक समीक्षा	आईएसएसएन (प्रिंट): 0218-2130 आईएसएसएन (ऑनलाइन): 1793-6349	2023
2.	मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) अनुसंधान के नवीन रुझान: एक विज्ञानमितीय विश्लेषण	आईएसएसएन 2321-6654 (प्रिंट के लिए) और 2320-0057 (ऑनलाइन के लिए)	2023

3.	क्लाउड कंप्यूटिंग पर संसाधन आवंटन और कार्य निर्धारण के लिए हाइब्रिड दृष्टिकोण: एक समीक्षा	978-981-19-9876-8	2023
4.	संपर्क केंद्र के साथ एक प्रमुख वार्तालाप चैटबॉट को एकीकृत करने का एक दृष्टिकोण	978-981- 19-9876-8	2023
5.	मानव विकास के लिए नेविगेशन और संज्ञानात्मक तकनीकें मैनोइड रोबोट	978-981-19-9876-8	2023
6.	इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए बुद्धिमान संचार	978-981-99-0601-7	2023
7.	एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के परिणाम की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग तकनीक	978-981-99-0601-7	2023
	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह		
1.	डिजिटल हेल्थकेयर, सिग्नल और संचार प्रौद्योगिकी के लिए डेटा विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/ पुस्तक[स्कोपस इंडेक्स्ड]	ई-आईएसबीएन: 978-3-031-56818-3	2024
2.	आई.ओ.टी सक्षम सेंसर नेटवर्क: आर्किटेक्चर, कार्यप्रणाली, सुरक्षा और भविष्य के अनुप्रयोग/ पुस्तक	आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 2737-5730, आईएसएसएन (प्रिंट) : 2737-5722.	2024
3.	मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करके एम.ई.सी.सी. और एस. टी.एफ.टी सुविधाओं के साथ ऑडियो वर्गीकरण का तुलनात्मक विश्लेषण/जर्नल[स्कोपस इंडेक्स्ड]	ई-आईएसएसएन : 2730-7239	2024
4.	स्वचालित पार्किंसंस रोग का पता लगाना: तकनीकों, डेटासेट, तौर-तरीकों और खुली चुनौतियों की समीक्षा/जर्नल[स्कोपस इंडेक्स्ड]	ईआईएसएसएन: 1178-5608	2024
5.	पार्टिशनल क्लस्टरिंग/कॉन्फ्रेंस में समयपूर्व अभिसरण को हल करने के लिए बेहतर कैट स्वार्म अनुकूलन [स्कोपस]	इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन: 2766-421X	2024
	डॉ. भावना अरोड़ा		
1.	फर्जी खबरों का पता लगाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डीप लर्निंग तकनीकें: एक समीक्षा और विश्लेषण	978-981-19-9876-8	2023
2.	रैंडम फ़ॉरेस्ट क्लासिफायर का उपयोग करके मैलवेयर का पता लगाने के लिए फ्रेमवर्क	1876-1119	2023
3.	छवि हेरफेर का पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग तकनीक: एक समीक्षा और विश्लेषण	1876-1119	2023
4.	डीपफेक का पता लगाने के लिए फीचर-आधारित एआई तकनीकों का व्यापक मूल्यांकन	1433-3058	2023
5.	साक्ष्य-जागरूक फर्जी समाचार का पता लगाना: एक समीक्षा	979-8-3503-8088-0	2024
	डॉ. अरविंद सेलवाल		
1.	एसएफइंकबस्टर: लीवरेज बैगिंग क्लासिफायर [एससीआई	ऑनलाइन आईएसएसएन:	2023

	आईएफ=4.7] का उपयोग करके वृद्धिशील शिक्षण के माध्यम से स्पूफ्ड फिंगरप्रिंट बस्टर।	1872-8138 प्रिंट आईएसएसएन: 0262-8856	
2.	प्रभाव क्षेत्र अनुकूलन-सहायता प्राप्त स्वचालित मानव-केंद्रित वीडियो सारांश [एससीआई, आईएफ=8.0]।	ऑनलाइन आईएसएसएन: 1873-6769 प्रिंट आईएसएसएन: 0952-1976	2023
3.	कोसमनेट: भीड़भाड़ वाले दृश्यों में कोविड–19 निगरानी के लिए एक वीडियो सारांश-आधारित ढांचा [एससीआई, आईएफ = 7.5]।	ऑनलाइन आईएसएसएन: 1873-2860 प्रिंट आईएसएसएन: 0933-3657	2023
4.	आईवीआईडीनेट: भारित पूर्वानुमान स्कोर स्तर संलयन के माध्यम से बुद्धिमान आईरिस जीवन शक्ति का पता लगाना [एससीआई आईएफ = 3.6]।	इलेक्ट्रॉनिकISSN:1573-7721 प्रिंट आईएसएसएन:1380-7501	2023
5.	फेस प्रेजेंटेशन अटैक डिटेक्शन मैकेनिज्म पर एक सर्वेक्षण: अब तक और भविष्य के परिप्रेक्ष्य [एससीआई आईएफ = 3.9]।	इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन:1432-1882 प्रिंट आईएसएसएन:0942-4962	2023
6.	स्मार्ट शहरों में मशीन विज़न-आधारित वीडियो विश्लेषण की ओर: एक सर्वेक्षण, रूपरेखा, अनुप्रयोग और खुले मुद्दे [एससीआई आईएफ = 3.6]।	इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन:1573-7721 प्रिंट आईएसएसएन:1380-7501	2023
7.	गहन मॉडलों के निर्णय स्तर संलयन के माध्यम से एक सामान्यीकृत छवि स्टेगनलिसिस दृष्टिकोण [एससीआई, आईएफ=3.6]	इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन:1573-7721 प्रिंट आईएसएसएन:1380-7501	2023
8.	इन्वर्टिबल ट्रांसफॉर्मेशन के माध्यम से एक हल्का इमेज क्रिप्टोग्राफी दृष्टिकोण	इलेक्ट्रॉनिक आईएसबीएन: 979-8-3503-2138-8 यूएसबी आईएसबीएन:979-8-3503-2137-1	2023
9.	डीप लर्निंग-असिस्टेड आइरिस लाइवनेस डिटेक्शन मैकेनिज्म	इलेक्ट्रॉनिक ISBN:979-8-3503-2138-8USB ISBN:979-8-3503-2137-1	2023

डॉ. दीप्ति मल्होत्रा			
1.	एसएसएमडीए: न्यूरोइमेजिंग का उपयोग करते हुए अर्ध-पर्यवेक्षित बहु-स्रोत प्रभाव क्षेत्र अनुकूली ऑटिज्म भविष्यवाणी मॉडल [एससीआईई, आईएफ 5.1]।	आईएसएसएन: 1746-8108	2024
2.	आईआरएएम-नेट मॉडल: दुर्लभ डी नोवो ग्लियोब्लास्टोमा निदान के लिए इमेज रेसिडुअल एग्नोस्टिक्स मेटा लर्निंग आधारित नेटवर्क। [एससीआईई, आईएफ 6.0]।	आईएसएसएन 1433-3058	2024
3.	मेटा-हेल्थ: डीप लर्निंग की अगली पीढ़ी के रूप में सीखना-सीखना (मेटा-लर्निंग) दुर्लभ विकारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों और समाधानों की खोज: एक व्यवस्थित विश्लेषण। [एससीआईई, आईएफ 9.7]।	आईएसएसएन 1886-1784	2023
4.	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग करके ऑस्टियोपोरोसिस की भविष्यवाणी: एक समीक्षा	आईएसबीएन: 978-981-99-0601-7	2023
5.	मधुमेह रेटिनोपैथी की प्रारंभिक भविष्यवाणी के लिए बुद्धिमान ढांचे का विकास	आईएसबीएन: 978-981-99-0601-7	2023
6.	ट्रांसलर्निंग एएसडी: आरएस-एफएमआरआई डेटा पर प्रभाव क्षेत्र अनुकूलन और ट्रांसफर लर्निंग-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार का पता लगाना	आईएसबीएन: 978-981-19-9876-8	2023
7.	ध्यान अभाव अति सक्रियता विकार स्पेक्ट्रम ए.डी.एच.डी.	आईएसबीएन: 978-981-15-8297-4	2023
डॉ. पलक महाजन			
1.	विकृतियों के प्रभाव में मास्क्ड आर-सीएनएन के प्रदर्शन का विश्लेषण	978-981-99-2601-5	2023
डॉ. गौरव कुमार			
1.	डीप लर्निंग का उपयोग करके एशियाई शेयर बाजारों के बीच संबंधों के आधार पर शेयर मूल्य का पूर्वानुमान	1532-0634	2023
2.	सेंसर और एक्चुएटर दोषों के साथ शुद्ध-प्रतिक्रिया स्टोचैस्टिक नॉनलाइनियर सिस्टम के लिए अनुकूली दोष-सहिष्णु नियंत्रण	1531-5878	2023
श्री अरुण कुमार शर्मा			
1.	उन्नत सुरक्षा के लिए दीर्घवृत्तीय वक्रों का उपयोग करते हुए एक संकरित प्रमाणीकृत छवि एन्क्रिप्शन योजना	2511-2112(ऑनलाइन)	2024
श्री जाकिर अहमद शेख			
1.	डिफेंडर का बचाव: साइबर-भौतिक प्रणालियों (सीपीएस) में सीखने पर आधारित सुरक्षा विधियों के लिए प्रतिकूल सीखने पर आधारित बचाव रणनीति	1424-8220	2023

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

स्वीकृति का वर्ष	परियोजनाओं का शीर्षक	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
पीआई और सह-पीआई का नाम: प्रो. यशवंत सिंह			
2019	आई.ओ.टी और एम्बेडेड डिवाइस के लिए भेद्यता विश्लेषण ढांचे और परीक्षण बेड का विकास	डीआरडीओ	प्रगति पर है
पीआई और सह-पीआई का नाम: प्रो. यशवंत सिंह और डॉ. नीरेन्द्र कुमार (सह-पीआई)			
2021	साइबर भौतिक प्रणालियों के लिए परीक्षण स्थल और भेद्यता विश्लेषण ढांचे का डिजाइन और विकास	डीआरडीओ	प्रगति पर है
(पी. आई) डॉ. भावना अरोड़ा और डॉ. दीप्ति मल्होत्रा (सह-पीआई)			
2020	क्षेत्रीय भाषाओं के लिए पाठ्य एवं वाक् संग्रह का विकास	डीआरडीओ	पूर्ण हुआ
पीआई और सह-पीआई का नाम: डॉ. अरविंद सेलवाल			
2020-23	सेंसर नोड्स और ओपन स्कूल के लिए हल्के वजन वाली क्रिप्टोग्राफी का विकास और विश्लेषण	डीआरडीओ	पूर्ण हुआ

छात्र की उपलब्धियां

क्र.सं.	छात्र का नाम	योग्यता प्राप्ति का वर्ष	जेआरएफ/नेट
1.	नेहा	2023	नेट
2.	भारती राणा	2023	नेट
3.	अंकित आशीष	2023	नेट

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग

ई.सी.ई विभाग (इसरो भवन), एस.डी.सी.एस.एस केंद्र

ई.सी.ई विभाग के संकाय सदस्य

इलेक्ट्रॉनिक्स एव संचार इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना वर्ष 2022 में आईआईएसटी-इसरो के मार्गदर्शन म की गई थी। विभाग दो स्नातक–कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स एव संचार इंजीनियरिंग (ई. सी.ई) में बी.टेक, इलेक्ट्रॉनिक्स एव संचार इंजीनियरिंग (एवियोनिक्स) में बी.टेक विभाग निम्नलिखित डिग्री भी प्रदान करता हैः

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)/मशीन लर्निंग (एमएल)
- सेमीकंडक्टर और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स
- गणित एवं कंप्यूटिंग
- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी
- क्वांटम कम्प्यूटिंग
- साइबर सुरक्षा

ई.सी.ई विभाग, सीयूजे ने उद्योग और समाज की मांग के अनुसार, शैक्षणिक पाठ्यक्रम में नवीनतम प्रगति के अनुसार अपना लिया है। विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई) एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग (एवियोनिक्स) के सभी प्रमुख प्रभाव क्षेत्र की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है, जैसे कि बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स लैब, सिग्नल और सिस्टम लैब, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग लैब, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स लैब, मशीन लर्निंग लैब, डेटा साइंस लैब, एआई और राबोटिक्स लैब, एडवांस्ड कम्युनिकेशन लैब और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (प्वज) लैब और कई उन्नत आगामी लैब जैसे सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन लैब, स्पेस टेक्नोलॉजी लैब, ड्रोन लैब, 3 प्रिंटिंग लैब, 6 टेस्टबेड, डिजाइन और वेरिफिकेशन लैब आदि। ईसीई विभाग एक सीखने के माहौल को स्थापित करने और बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करता है जो शिक्षण और अनुसंधान दोनों के सर्वोत्तम संभव का समर्थन करता है।

*स्रोत: https://www.isro.gov.in/SatishDhawanCentre.html

*सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र का उद्घाटन माननीय अंतरिक्ष राज्य मंत्री (एमओएस) डॉ. जितेंद्र सिंह ने श्री सोमनाथ एस, अध्यक्ष, इसरो/सचिव डीओएस, डॉ. के. राधाकृष्णन पूर्व अध्यक्ष, इसरो और सदस्य, अंतरिक्ष आयोग और प्रो. संजीव जैन, वीसी–सीयूजे की उपस्थिति में 12 मार्च, 2022 को किया।

कैनसैट परियोजना जैसे कुछ शोध और विकास गतिविधियों में भाग लेने के साथ–साथ प्रयोग करने का अनुभव भी प्राप्त करते हैं । ई.सी.ई विभाग हमारे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और समाज की जरूरतों, सार्वभौमिक नैतिक मूल्या, पेशेवर नैतिक संहिता का पालन करने और ई.सी.ई के क्षेत्र में स्थानीय और वैश्विक जरूरतों के लिए आवश्यक किसी भी ज्ञान और प्रौद्योगिकी को उत्पन्न करने के लिए रचनात्मक समाधान तैयार करने के लिए सभी प्रयास करता है। उच्च योग्य और अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और मार्गदर्शन छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में लाभान्वित करेगा। ई.सी.ई विभाग प्रतिष्ठित संगठनों में इंटर्नशिप, प्रशिक्षण और शोध का लाभ उठाने के लिए छात्रों का समर्थन करता है।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम :

(i) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजोनियरिंग में बी.टेक. (ईसीई)

(ii) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग (एवियोनिक्स) में बी.टेक.

संकाय विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
01	डॉ. राकेश कुमार झा	आचार्य	हरित एवं सुरक्षित 6G, एआई/एमएल, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और संचार उपकरण के लिए निर्माण
02	डॉ. सचिन कुमार गुप्ता	सह आचार्य	प्रणाली अभियांत्रिकी
03	डॉ. सुनील दत्त शर्मा	सह आचार्य	डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग और एआई/एमएल, समर्पित उपकरणों के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम का एफपीजीए कार्यान्वयन
04	डॉ. संजीव यादव	सह आचार्य	आवृत्ति चयनात्मक सतहें, मेटामटेरियल अवशोषक, रेसॉर्बर, एंटेना
05	डॉ. प्रियांक शर्मा	सहायक आचार्य	वायरलेस संचार: 5 जी और उससे आगे, एनओएमए, आईआरएस, सहकारी संचार, आदि।
06	डॉ. राजीव कुमार	सहायक आचार्य	वायरलेस संचार
07	डॉ. मिस्बाह शफी	सहायक आचार्य	वायरलेस संचार, 6G नेटवर्क, एआई/एमएल, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सुरक्षा मुद्दे
08	डॉ. प्रवेश पाल	सहायक आचार्य	आरएफ और माइक्रोवेव

अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सेमिनार / कार्यशालाएं / वेबिनार

- 28–29 नवंबर 2023 को "संचार प्रणाली के लिए वास्तविक समय तरंग विश्लेषण" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 16 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस का आयोजन आईआईसी द्वारा ई.सी.ई और सी. एस.ई के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय आयोजित किया गया है।

प्रख्यात व्याख्यान/विस्तृत व्याख्यान का आयोजन

- ईसीई विभाग ने 2 नवंबर, 2023 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत डॉ. डी. राम राजक, (वैज्ञानिक, 'जी' और समूह निदेशक (आरटीएमजी/एमआईएसए), एसएसी (इसरो) का एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया।

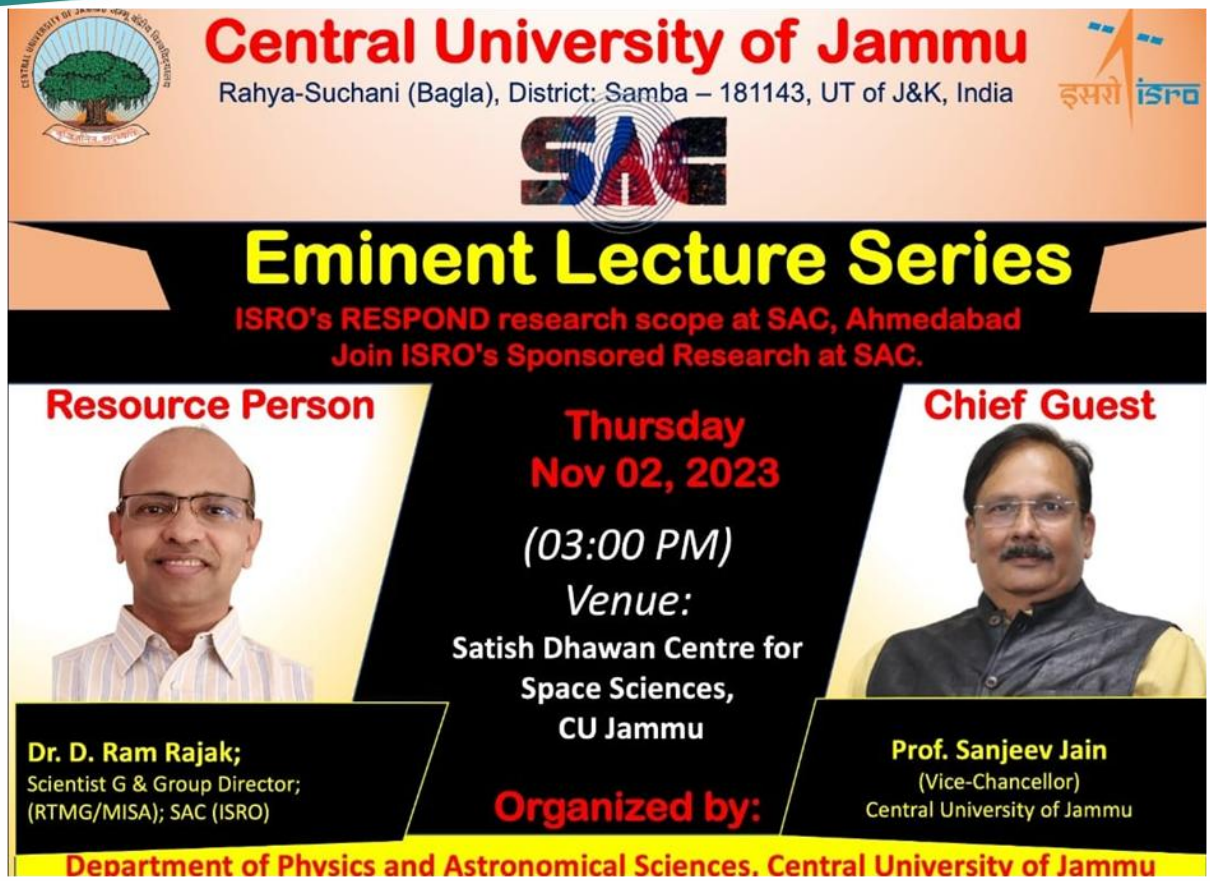

- प्रोफेसर दीपक मिश्रा, आईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम ने 3 नवंबर, 2023 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के ईसीई विभाग में "कंप्यूटर विजन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः मशीन लर्निंग और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में इसका एकीकरण" पर एक व्याख्यान दिया।

क्षेत्र /औद्योगिक/शैक्षणिक

- 2023 में आईआईएसटी तिरुवनंतपुरम में ईसीई विभाग, सीयूजे के छात्रों की ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण।

2023 में आईआईएसटी तिरुवनंतपुरम में ईसीई विभाग, सीयूजे के छात्रों की ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- 2024 के दौरान आईआईएसटी–इसरो संकाय उपलब्धियों के साथ समझौता ज्ञापन।

संकाय प्रकाशन

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
01	आईओटी-मैनेट वातावरण में एसवीएम का उपयोग करके कुशल स्वार्थी नोड का पता लगाना	2161-3915	2023
02	गुणवत्ता सेवा में सुधार के लिए फॉग कंप्यूटिंग नेटवर्क के सहयोग से यूएवी	1074-5351	2024
03	बी5जी नेटवर्क में यूएवी द्वारा आपदा से कैप्चर की गई छवियों को सुरक्षित करने के लिए एलएसबी-एक्सओआर तकनीक	1532-0626	2024
04	वाइन की गुणवत्ता में सुधार के लिए मशीन लर्निंग-आधारित पूर्वानुमानात्मक मॉडलिंग	2045-2322	2023
05	नेटवर्क ट्रैफ़िक फ़्यूज़न में सांख्यिकीय परीक्षण के विरुद्ध एक नया संवेदनशील डीडीओएस हमला	2161-3915	2023
06	फेडरेटेड लर्निंग का उपयोग करके आईआरएस-आधारित यूएवी संचार प्रणालियों में चैनल ट्रैकिंग	1339-309एक्स	2023
07	पानी के अंदर वायरलेस सेंसर नेटवर्क में प्रभावी लोड संतुलन के लिए सेंसर इंजेक्शन आधारित रूटिंग प्रोटोकॉल	0929-6212	2023
08	स्वचालित पत्ती रोग पहचान और वर्गीकरण के लिए एक नवीन हाइब्रिड सीएनएन पद्धति	0266-4720	2024

09	एसएफएल-एमड्रोन: सिंक्रोनस फेडरेटेड लर्निंग सक्षम मल्टी ड्रोन	1875-8967 (ई)	2024
10	सुरक्षित अनुप्रयोगों के लिए सिंक्रोनस फ़ेडरेटेड लर्निंग आधारित बहु मानवरहित हवाई वाहन	1895-1767	2023
11	बहु-उपयोगकर्ता बहु-रिले सहायता प्राप्त डिकोड-एवं-फॉरवर्ड वायरलेस प्रणालियों का एकीकृत अवरोधन संभाव्यता विश्लेषण	0973-5658	2024
12	$\eta-\mu$ फ़ेडिंग चैनल पर रिसीवर विविधता तकनीकों के साथ उपयोगकर्ता युग्मन आधारित डाउनलिंक C-NOMA नेटवर्क के लिए आउटेज विश्लेषण	आईएसएसएन 0973-7677	2023
13	वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए दोहरे परिपत्र पैच MIMO एंटीना और स्टब लोडेड आंशिक ग्राउंड प्लेन के साथ लो प्रोफाइल स्टेप्ड फीडलाइन का डिजाइन और विश्लेषण	ईआईएसएसएन 1559-8985	2024
14	ग्रे-स्केल छवि डी-शोइजिंग के लिए गैर-स्थानीय साधनों में फ़ज़ी आधारित स्व-समानता भार आकलन	1095-4333	2024
15	6G: भविष्य के वायरलेस नेटवर्क में प्रौद्योगिकी का विकास	2169-3536	2024

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

स्वीकृति का वर्ष	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
2024	जेकेएसटी एवं आईसी	स्वीकृत

छात्रों की उपलब्धियों का विवरण

- जून 2023 में आईआईएसटी तिरुवनंतपुरम में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए
- राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर "वायु–जी" विषय के लिए श्री अमृतांश (ईसीई–एवियोनिक्स विभाग) को प्रथम पुरस्कार, दिनांकः 16–01–2024 को दिया गया है।
- भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस) के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कुमारी श्रेया (ईसीई विभाग) को तीसरा पुरस्कार, दिनांकः 28–02–2024 को दिया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस) के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर पोस्टर प्रस्तुति के लिए अमृतांश (ईसीई–एवियोनिक्स विभाग) को द्वितीय पुरस्कार, दिनांकः 28–02–2024 को दिया गया है।

आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय

भौतिकी एवं खगोलिय विज्ञान विभाग

विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र 2016–17 में 30 छात्रों के प्रविष्टियां के साथ पांच साल के एकीकृत एम.एस.सी भौतिकी पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ की गई थी। भौतिकी में पीएचडी कार्यक्रम 2018 में शुरू किया गया था।

संकाय विवरण :

क्रम सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो. विनय कुमार	आचार्य और विभागाध्यक्ष	पदार्थ विज्ञान/ नैनो प्रौद्योगिकी
2.	प्रो. सूरम सिंह	आचार्य	सैद्धांतिक भौतिकी (परमाणु सिद्धांत)
3.	प्रो. कुसुम कुमारी	आचार्य	पदार्थ विज्ञान
4.	डॉ. आशीष कुमार	सह आचार्य	पदार्थ विज्ञान
5.	डॉ. अमित तोमर	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान
6.	डॉ. ओंकार नाथ वर्मा	सहायक आचार्य	प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी
7.	डॉ. मानवी राजपूत	सहायक आचार्य	परमाणु भौतिकी

विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशाला/वेबिनार

जिला सांबा के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने फरवरी, 2024 के महीने में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग के साथ–साथ इसरो केंद्र का दौरा किया। हमारे संकाय सदस्यों ने विभाग की प्रस्तुति दी, छात्रों के साथ बातचीत की, भौतिकी प्रयोगशाला में मौजूद विभिन्न उपकरणों के बारे में बताया गया।

व्याख्यान का आयोजन

(i) 02 नवंबर 2023 को भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग द्वारा डॉ. डी. राम राजक, वैज्ञानिक जी और समूह निदेशक (आरटीएमजीध्एमआईएसए) एसएसी, इसरो द्वारा एसएसी, अहमदाबाद में इसरो के रिस्पॉन्ड अनुसंधान क्षेत्र पर प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की गई।

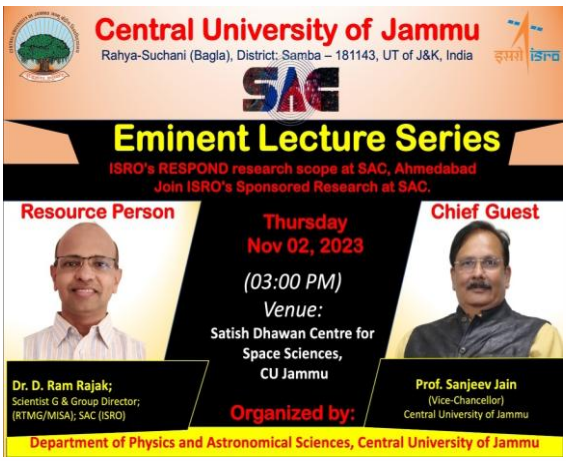

(ii) 03 नवंबर 2023 को भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग द्वारा प्रो. दीपक मिश्रा, आई.आई.एस.टी द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगः एक व्यापक दृष्टिकोण पर प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की।

(iii) भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग द्वारा 01 फरवरी 2024 को 'इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम–आयन बैटरी के मूल सिद्धांत, रणनीति और दृष्टिकोण' विषय पर गरुवार माइंड मीट का आयोजन किया।

आउटरीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के सहयोग से 9 अक्टूबर, 2023 को भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग में एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

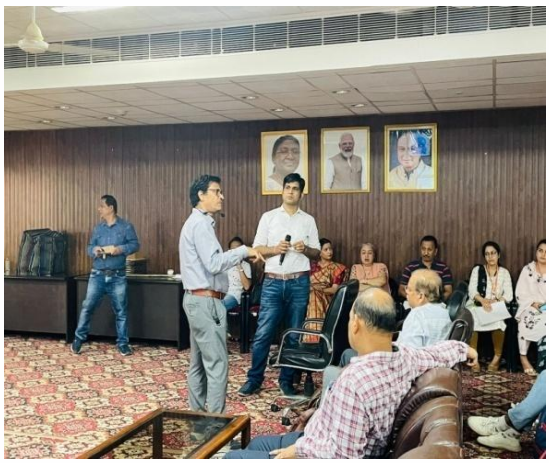

संकाय प्रकाशन

क्र. संख्या	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	लेखक का नाम	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1.	थ्योरेटिकल एना ल सस ऑफ़ शेप ट्रांजीशन एंड एक्सियल असयंमेंट्री इन इवन इवन-Yb इसोटोपेस	अरुण गुप्ता, सुरभि गुप्ता, रिधम बख्शी, सूरम सिंह और सह-लेखक	2190-5444	2023
2.	इम्पैक्ट ऑफ़ स्विफ्ट हेवी ऑक्सीजन आयोन इरे डएशन ओन दी परफॉर्मेंस ऑफ़ पीटी गन शॉटकी डायोड्स एंड/ ए पटैक्सियल लेयर्स: ए कंपेरेटिव स्टडी	आशीष कुमार एवं सह-लेखक	1089-7550	2023
3.	इन सतु IV एंड सीवी कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ पीटी ऍन्-गन शॉटकी बैरियर/ डायोड्स इरे डएटेड बाई100 एमईवी ऑक्सीजन आयन्स	आशीष कुमार एवं सह-लेखक	1573-482एक्स	2023
4.	सरफेस स्टेट्स पा सवेशन आईएन गन संगल क्रस्टल बाई रूथेनियम सोल्यूशन	आशीष कुमार एवं सह-लेखक	1077-3118	2023
5.	फ्रैक्टल कैरेक्टराइजेशंस ऑफ़ एमईवी आयोन ट्रीटेड सीएएफ2 थन फल्म्स	आशीष कुमार एवं सह-लेखक	1089-7682	2023
6.	इम्पैक्ट ऑफ़ स्विफ्ट हेवी ऑक्सीजन आयोन इरे डएशन ओन दी परफॉर्मेंस ऑफ़ पीटी गन शॉटकी डायोड्स एंड/ ए पटैक्सियल लेयर्सए कंपेरेटिव स्टडी :	आशीष कुमार एवं सह-लेखक	1089-7550	2023
7.	फर्स्ट- प्रं सपल्स स्टडी ओन इलेक्ट्रोनिक एंड थर्मल ट्रांसपोर्ट प्रॉपर्टीज ऑफ़ एफईआरयूटीआईएक्सस्क्वार्टनरी ह्यूसलर कंपाउंड्स (X=Si, Ge, Sn)	आशीष कुमार एवं सह-लेखक	1521-3749	2023
8.	थयोरेटिकल पर्सपेक्टिव्स ऑफ़ न्यूक्लियर स्ट्रक्चर ईन82–88जीई और 66–74एससी आइसोटोप्स	सिमी गुप्ता, रिधम बख्शी, सुरभि गुप्ता, सूरम सिंह और सह-लेखक	1434-6001	2023
9.	वेरिएशन ऑफ़ एनुअल इंडूर एंड आउटडोर गम्मा डोज़ रेट इन लोअर हिमालयन रीजन ऑफ़ रियासी डस्ट्रिक्ट ऑफ़ जम्मू एंड कश्मीर, इं डया	सुमित शर्मा, अजय कुमार, दिनेश कुमार शर्मा	0972-0464	2023
10.	स्फेरिकल ग्रे वटेशनल कोलैप्स आईएन	सुरेश सी. जरयाल और	2212-6864	2023

	4डी आइन्स्टीन–गास–बोनेट थयोरी	अयान चटर्जी		
11.	क्रस्टल स्ट्रक्चर एंड ल्यू मनेसेंस डायना मक्स ऑफ़ हाईली प्योार LiM(PO3)3:Eu3+ (M = Sr, Ca) रेड फॉस्फर्स फोर व्हाइट लाइट ए मटिंग डायोड्स	विनय कुमार एवं सह-लेखक	1002-0721	2023
12.	इफेक्ट ऑफ़ दी संथे सस रुट ओन ल्यू मनेसेंस डायना मक्स एंड थर्मोग्रा फक प्रॉपर्टीज ऑफ़ एसएम3+ डोप्ड बा2एमजीपीओ)4)2 फॉस्फर	विनय कुमार एवं सह-लेखक	0925-8388	2023
13.	संथे सस, ल्यू मनेसेंस एंड फोटोमेट्रिक इनवेस्टिगेशन ऑफ़ एसआर्2बी2ओ5:डीवाई3+ फॉस्फर फोर यूवी बेस्ड व्हाइट-एलइडीज़	विनय कुमार एवं सह-लेखक	0947-8396	2023
14.	केएसआरवीओ4:टीबी3+-ए पोटेंं शयल ग्रीन ए मटिंग नैनोफॉस्फोर कैं डडेट फोर-व्हाइटएलइडीज़	विनय कुमार एवं सह-लेखक	0957-4522	2023
15.	सरफेस इंजीनियरिंग ऑफ़ मेसोपोरस-टीआईo2 इलेक्ट्रॉन ट्रांसपोर्ट लेयर फॉर इम्प्रूव्ड परफॉर्मेंस ऑफ़ ओर्गेनिक-इनोर्गेनिक पेरोवस्काइट सोलार सेल्स वाया सप्रे संग इंटरफेस डफेक्ट्स, एनहैं संग चार्ज एक्सट्रैक्शन एंड बूस्टिंग कैरियर ट्रांसपोर्ट	कुसुम कुमारी एवं सह-लेखिका	0927-7757	2023
16.	संथे सस एंड स्टडी ऑफ़ कार्बन नैनोमेटेरियल्स य्रु एआरसी डस्चार्ज तकनीक फॉर ए फ शएंट एडसॉर्प्शन ऑफ़ ओर्गेनिक डायेस	कुसुम कुमारी एवं सह-लेखिका	0925-9635	2023

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	अन्वेषक का नाम (पीआई)	परियोजना न.	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजना का शीर्षक एवं अवधि (आरंभ एवं समाप्ति तिथि)
1.	प्रो. सूरम सिंह	सीआरजी/2022/002384	डीएसटी-एसईआरबी-सीआरजी	ए कॉम्प्रीहें सव स्टडी ऑफ़ न्यूक्लियर स्ट्रक्चर प्रॉपर्टीज ऑफ़ ओडीडी-मास न्यूक्ली आईएन ट्रांजिशनल रीजन. (20-02-2023 से 19-02-2026)

2.	प्रो. कुसुम कुमारी	ईईक्यू/2023/000489	डीएसटी - एसईआरबी-ईएमईक्यू	एनहैं संग हाइब्रिड सोलार सेल परफॉर्मेंस थ्रू ए डटिव इंजीनियरिंग यूटिलाइजिंग सीएसपीबीआई, एंड फपबी, पेरोव्स्काइट क्वांटम डॉट्स 3 साल (फरवरी. 2024-फरवरी. 27)
3.	प्रो. कुसुम कुमारी	सीआरजी/2023/006987	डीएसटी-एसईआरबी-कोर अनुसंधान अनुदान	ए फ शएंट, स्टेबल एंड स्केलेबल पेरोव्स्काइट सोलार सेल्स यूजिंग सीडीएसई ज़ड्ऍन्एस (कोरे शेल) एंड सीडीएसई ज़ंते ज़ड्ऍन्एस (कोरे शेल शेल) कोलाइडल क्वांटम डॉट्स एएस होले एक्सट्रैक्शन लेयर 3 साल (मार्च 2024-मार्च 27)
4.	डॉ. आशीष कुमार	1115/टीएस/एसपीएल/कार्स-102/2023	डीआरडीओ	फैब्रिकेशन ऑफ़ हाई क्वॉ लटी ओह मक एंड शॉटकी कॉन्टैक्ट्स ओन एसआईसी

छात्रों की उपलब्धियों का विवरणः

सेमेस्टर 10 की सुश्री ऋतिक्षा शर्मा ने जेकेएसईटी–2023 और गेट 2024 उत्तीर्ण किया है।

रसायन शास्त्र एवं रासायनिक विज्ञान विभाग

रसायन शास्त्र एवं रासायनिक विज्ञान विभाग, आधारिक एव अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय के अंतर्गत आता है। विभाग की स्थापना 2016 में पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी ऑनर्स – एमएससी–रसायन विज्ञान पाठ्यक्रम के साथ की गई थी और पीएचडी कार्यक्रम 2018–2019 शैक्षणिक वर्ष में शुरू किया गया था। संकाय सदस्य रासायनिक विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं और सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, फंक्शनल मटीरियल, पॉलिमर साइंस, ग्रीन केमिस्ट्री, कैटेलिसिस, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, बायोइनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री और औषधीय रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता रखते हैं। कई शोध प्रयोगशालाओं और संस्थानों के सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम भी पारस्परिक लाभ के साथ सफलतापूर्वक जारी है हैं। डीएसटी-इंस्पायरए एसईआरबी यूजीसीए सीएसआईआर और डीआरडीओ सहित बाहरी वित्त पोषित एजेंसियां अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन कर रही हैं।

संकाय विवरणः

क्र .सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. कमलेश कुमार	सह आचार्य	बहुलक, कार्यात्मक सामग्री, भौतिक रसायन
2.	डॉ. सुजाता कुंदन	सहायक आचार्य	जैव अकार्बनिक रसायन विज्ञान ,समन्वय रसायन विज्ञान।
3.	डॉ. तपता कंचन रॉय	सहायक आचार्य	क्वांटम रसायन विज्ञान ,सैद्धांतिक और कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान।

4.	डॉ. प्रिंसी गुप्ता	सहायक आचार्य	हरित रसायन ,विषम कटैलिसीस ,ठोस अम्ल कटैलिसीस ,सिंथेटिक कार्बनिक रसायन।
5.	डॉ. अक्षय कुमार	सहायक आचार्य	सिंथेटिक कार्बनिक रसायन ,सजातीय उत्प्रेरण।

संकाय प्रकाशन

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1.	संथे सस ऑफ़ वेल डफाइंड एस्टर- लंक्ड- कोवालेंट ओर्गेनिक पॉ लमर एंडइटस पोटें शयल एप्लिकेशन्स आईएन सी–ह्रेच् बॉन्ड एक्टिवेशन रेनू देवी, सत्यम संघ, ववेक एसराना ., ओमवीर संघ, कमलेश कुमार, राहुल श्रीवास्तव, राजेश के . यादव, अत्रेश के संघ ., नवनीत केगुप्ता ., अतुल पी संघ जर्नल .ऑफ़ फोटोके मस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी एके मस्ट्री :, 447, 115248.	2666–1873	2024
2.	यूनिफार्म होलोग्रा फक फल्म्स ऑफ़ एक्रीलामाइडपॉली वनाइल एल्कोहोल फोटोपो लमर/ यूजिंग एएनऑटोमैटिक फल्म एप्लीकेटर बेस्ड ओन डॉक्टर ब्लेड तकनीक, हीना, शर्मा; कोमल; कुमार कमलेश*; दास, भार्गाब; कुमार, राज, प्रोग्रेस आईएन ओर्गेनिक कोटिंग्स	6030-1010	2024
3.	वजिबल लाइट रिस्पॉन्सिव सॉफ्ट एक्टूएटर बेस्ड ओन फंक्शनल एंथ्रासीन डाय सैफी, अनास; नेगी, चारु; कुमार, कमलेश* यूरो पयन पॉ लमर जर्नल	6549-2365	2023
4.	एक्सप्लोरिंग द स्टीरियोके मस्ट्री ऑफ़ आइन)IIIए-(3बी टाइप पोर्फाइरिन्स एक्सियाली- लगेटेड वथ पी-पीडीए: संथे सस, इलेक्ट्रोनिक प्रॉपर्टीज एंड डीऍफ़्टी कैल्कुलेशंस दे वका शर्मा, सुजाता कुंदन*, अमीर फयाज एंड तप्ता कंचन रॉय जर्नल .ऑफ़ कोआ र्डनेशन के मस्ट्री.,1-25.	0389-1029	2023
5.	समेट्रिकल संथे सस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ फाइव कोआ र्डनेट आईएन)IIIपॉरफाइरिन्स व (द	आईएसएसएनः 1496–0974 प्रिंटः आईएसएसएनः	2023

	सै ल स लक एसीआईडी डेरिवेटिव्स दे वका शर्मा, दीपमाला गुप्ता, सुजाता कुंदन*, डीआर्बज्जू.डी.गौरी., एस .रसायन जे .र वचंद्रन. केम., 16(1), 85-103.	0976–0083(ऑनलाइन)	
6.	एक्युरेसी ऑफ़ डफरेंट इलेक्ट्रोनिक बा सस सेट फै मलीज फोर एनहार्मोनिक मॉ लक्यूलर वाइब्रेशंसए कॉम्प्रीहें सव बेंचमार्क स्टडी :; डी . . फज .जे *रॉय .के .शर्मा एंड टीकेम. ए.	5215-1520	2023
7.	दी इंपोर्टेंस ऑफ़ इलेक्ट्रॉन कॉरिलेशंस ओन वाइब्रेशनल एनहार्मोनि सटिएसेंड पोटें शयल एनर्जी सरफेस एफयाज ., एस*बनिक एंड टी. के. रॉय . कम्प्यूट . थयोर .केम.	271-2210एक्स	2023
8.	सल्फोनेटेड पॉलीबेंजि मडाजोल एएस ए पीईएम आईएन ए माइक्रोबियल फ्यूल सेल: एएन ए फ शएंट स्ट्रेटेजी फोर ग्रीन एनर्जी जेनरेशन एंड वेस्टवाटर क्लीनिंग, एस. सुभद शनी, जे. एस. श्रावण, ओ. सरकार, एस. वी. मोहन, टी. के. रॉय एंड टी. जना, एसीएस एपीपीएल. एनर्जी मैटर.	0962-2574	2023
9.	इमोबिलाइज्ड एसबीसीऍल्3@ चटोसन एएस ए ग्रीन हेटरोजीनियस कैटे लस्ट फोर दी संथे सस ऑफ़ 1,2,4,5-टेट्रासबस्टिट्यूटेड इ मडाजोल्स,श्रीया, बिंदू स्याल, शीतल वर्मा, शवानी परोठिया, शवानी अंगराल एंड प्रन्सी गुप्ता* रेस. केम. इंटरमेड., 2024, 50, 1745-1755.	5675-1568	2024
10.	रिसेंट एडवांसमेंट्स आईएन दी प्रपेरेशन एंड एप्लीकेशन ऑफ़ कॉपर संगल एटीओएम कैटे लस्ट्स बिंदू स्याल, पवन कुमार एंड प्रन्सी गुप्ता* एसीएस एपीपीएल. नानो मैटर., 2023, 6, 4987– 5041.	0970-2574	2023
11.	संथे सस, बायोलॉजिकल इवैल्यूएशन, मॉ लक्यूलर डॉ कंग एंड काइनेटिक इनवेस्टिगेशन ऑफ़ न्यू 2,4,5-ट्राइसबस्टिट्यूटेड इ मडाजोल डेरिवेटिव्स एएस एंटीडायबेटिक एजेंट्स पवन कुमार, बिंदू स्याल, पुले सेबोलेट्सवे, नो सफो सेले, ओलो फन्सन, परवेश संघ*, एमडी. शहीदुल इस्लाम, दी पका संघ एंड प्रन्सी गुप्ता*	6549-2365	2023

	के मस्ट्रीसेलेक्ट, 2023, 8, ई202300924.		
12.	हैलॉयसाइट-बेस्ड मैग्नेटिक नैनोस्ट्रक्चर्स फोर डाइवर्स एप्लिकेशन्स: ए रिव्यू पवन कुमार एंड प्रन्सी गुप्ता* एसीएस एपीपीएल. नानो मैटर., 2023, 6, 13824–13868.	0970-2574	2023
13.	क्वांटम डॉट्स: ए टूल फोर द डटेक्शन ऑफ़ एक्सप्लो सव्स/साइट्रो डेरिवेटिव्स अंकुश गुप्ता, शरणजीत कौर, हर मंदर संघ, शेली गार्ग, अक्षय कुमार, एकता मल्होत्रा, एना लटिकल मेथड्स, 2023, 15, 6362-6376.	9679-1759	2023
14.	फाइटोरमी डएशन: एएन एमर्जिंग ग्रीन टेक्नोलॉजी फोर ड सपेशन ऑफ़ PAHs फ्रॉम सोइल. हरलीन कौर, अक्षय कुमार, शायला बिंद्रा, आ शष शर्मा, जर्नल ऑफ़ जियोके मकल एक्सप्लोरेशन, 2024, 259, 107426.		

अनुसंधान परियोजनाएं :

स्वीकृति का वर्ष	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
2024 (डॉ. सुजाता कुंदन) (प्रधान अन्वेषक के रूप में)	वषय : “एक्सप्लोरिंग दी स्टीरियोके मस्ट्री ऑफ़ ए4- एंड ए3बी-टाइप पोरफाइरिनकॉम्प्लेक्स कंटेनिंग ऑक्सि लयरी लगैंड्स” फंडेड बाई: गवर्नमेंट ऑफ़ जम्मू एंड कश्मीर, जेके साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन काउं सल (डपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी)	जारी है
2023 (डॉ. सुजाता कुंदन) (टीम सदस्य के रूप में)	वषय : “ड्रोन टेक्नोलॉजी बेस्ड रियल टाइम ऐयर पॉल्यूशन ओनलाइन मॉनिटरिंग एटडम्पिंग साइट्स ईन जम्मू रीजन-एडसॉर्प्शन & सेंसर्स एप्लीकेशन उ संग इनोवेटिव बायोमेटेरियल्स.” अव ध: 3 साल कुल लागत: 6.5 सीआर् फंडेड बाई: पर्से-2023 (प्रोमोशन ऑफ़ यूनिव र्सटी रिसर्च एंड साइंटि फक एक्सलेंस)	जारी है

2023 (डॉ. सुजाता कुंदन) (टीम सदस्य के रूप में)	फं डंग एजेंसी: डीएसटी- फस्ट (एएस ए टीम मेंबर)	जारी है
2024 (डॉ. तपता कंचन रॉय) (प्रधान अन्वेषक के रूप में)	वषय : स्टडी ऑफ़ एक्युरेसी एंड इंटरप्रेटेबि लटी ऑफ़ इलेक्ट्रोनिक स्ट्रक्चर थयोरीज़ फोर कम्प्यूटेशनल वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कोपी. फं डंग एजेंसी:जेकेएसटी&ऐसी	जारी है
2024 (डॉ. तपता कंचन रॉय) (प्रधान अन्वेषक के रूप में)	वषय : डेवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ़ हाइब्रिड पोटें शयल एनर्जी सरफेस फोर वाइब्रेशनल स्ट्रक्चर थयोरीज़. फं डंग एजेंसी: सर्ब-सीआर्जी	जारी है
2024 (डॉ. प्रिंसी गुप्ता) (प्रधान अन्वेषक के रूप में)	वषय : इनवेस्टिगेशन ऑफ़ सुजुकी कप लंग बेस्ड नोवेल पोटें शयल एंटीमैलेरियल एजेंट्स. फं डंग एजेंसी: जेकेएसटी&ऐसी	जारी है

छात्रों की उपलब्धियों का विवरण

एकीकृत बी.एससी. (ऑनर्स) एम.एससी. रसायन विज्ञान

सेमेस्टर X : विस्कासकाटोश (बैच–2019)

योग्यता परीक्षाः गेट–2024

पीएच.डी. शोधार्थी

नाम : शिवानी मन्हास

योग्यता परीक्षा : जेके एसईटी (01–02–2024)

पीएच.डी. शोधार्थी

नाम : बिंदु स्याल

योग्यता परीक्षा : जेके एसईटी (01–02–2024)

गणित विभाग

गणित विभाग 2011 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही अस्तित्व में आया था, जिसमें केवल दो संकाय सदस्य थे। वर्तमान में विभाग में छह संकाय सदस्य हैं और विभाग तीन कार्यक्रम (गणित में स्नात्कोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम, गणित में पीएचडी और एकीकृत बीएससी ऑर्नस – एम.एस.सी गणित) चला रहा है। विभाग के संकाय के पास विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता है जैसेः कम्यूटेटिव बीजगणित, जटिल विश्लेषण, कार्यात्मक विश्लेषण, गैर–रेखीय गतिशील संचालन अनुसंधान, ऑपरेटर सिद्धांत, आदि में विशेषज्ञता है। विभाग के शैक्षणिक निष्पादन के आधार पर डीएसटी, भारत सरकार ने एफआईएसटी कार्यक्रम के तहत 54 लाख रुपये मंजूर किए हैं। विभाग के संकाय सदस्यों के पास एनबीएचएम, परमाणु ऊर्जा विभाग और यूजीसी द्वारा वित्त पोषित 06 शोध परियोजनाएं भी हैं।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	संकाय का नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. अजय कु. शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	एक जटिल चर के कार्य, कार्यात्मक विश्लेषण और ऑपरेटर सिद्धांत
2	डॉ. उदय प्रताप सिंह	सह आचार्य	नॉनलाइनियर सिस्टम, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, प्रतिबिम्ब प्रसंस्करण, और प्रकृति प्रेरित एल्गोरिथ्म
3	डॉ. पविंदर सिंह	सहायक आचार्य	संयोजक विनिमेय बीजगणित
4	डॉ. कमलेश कुमार	सहायक आचार्य	स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं, संभाव्यता और सांख्यिकी, कतारबद्धता – मॉडलिंग
5	डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	जटिल विश्लेषण और ऑपरेटर सिद्धांत
6	डॉ. महक शर्मा	सहायक आचार्य	कार्यात्मक विश्लेषण और ऑपरेटर सिद्धांत, फ़ंक्शन स्पेस, अनुक्रम श्रृंखला और योग क्षमता

सेमिनार :

श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और कार्य पर एक दिवसीय सेमिनार

गणित विभाग ने 20 दिसंबर, 2023 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रख्यात वक्ताः प्रो. एसडी शर्मा (पूर्व अधिष्ठाता, गणित विज्ञान, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू) और डॉ. अरविंद कुमार (सहायक आचार्य, गणित विभाग), आईआईटी जम्मू, जम्मू। सेमिनार का उद्देश्य गणित के क्षेत्र में श्रीनिवास रामानुजन के योगदान को उजागर करना है, जिसकी शुरुआत आमंत्रित अतिथियों के स्वागत और उसके बाद दीप प्रज्ज्वलन से हुई। उसके बाद, गणित विभाग के प्रमुख प्रो. अजय कुमार शर्मा ने विभाग की शानदार गतिविधियों और विभाग में संचालित विभिन्न परियोजनाओं के बारे में बताया।

उसके बाद, गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कमलेश कुमार ने गणित की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और सेमिनार की पूरी कार्यवाही पर चर्चा की। इसके अलावा, सेमिनार के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एसडी शर्मा (जम्मू विश्वविद्यालय के गणितज्ञ विज्ञान के पूर्व अधिष्ठाता) थे। उन्होंने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। उनके शोध के हितों में विश्लेषणात्मक कार्य, सिद्धांत/ऑपरेटर सिद्धांत शामिल हैं। उन्होंने हमें श्रीनिवास रामानुजन के योगदान, जीवन और कार्य से अवगत कराया और गणित के महत्व पर भी जोर दिया। इस क्रम में, प्रो विनय कुमार (अधिष्ठाता आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं भौतिक एवं खगोलिय विज्ञान विभाग के प्रमुख और संयोजक, सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रो विनय कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा की कोई सीमा नहीं है। उसके बाद, प्रो अजय कुमार शर्मा और डॉ पविंदर सिंह ने क्रमशः हमारे मुख्य अतिथि और अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान किया होगा। उनकी शैक्षणिक रुचियों में संख्या सिद्धांत, सीगल मॉड्यूलर फॉर्म, गैलोइस प्रतिनिधित्व शामिल हैं। उनके पास एक उत्कृष्ट शोध अनुभव और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशनों का एक उत्कृष्ट रिकॉर्ड है। उन्होंने 'रामानुजन–शैली अनुरूपता प्राइम लेवल' नामक एक कार्य भी तैयार किया है। उन्होंने एक व्याख्यान दिया और गैलोइस प्रतिनिधित्व, मॉड्यूलर रूपों के महत्व आदि के बारे में पढ़ाया। डॉ. कमलेश कुमार ने हमारे आमंत्रित वक्ता को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया। इसके बाद गणित विभाग के विभिन्न छात्रों ने गणित के क्षेत्र में श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और कार्य पर प्रस्तुतियाँ, कविताएँ, गीत, भाषण प्रस्तुत के लिए प्रतिभागित किया।

राष्ट्रीय सम्मेलन :

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के गणित विभाग ने 27–28 मार्च, 2024 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में गणित में हालिया प्रगति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्देश्य गणित के इस विविध क्षेत्र में हो रही हालिया प्रगति के बारे में चर्चा करना और ज्ञान को बढ़ाना था। सम्मेलन की शुरुआत सभी अतिथियों के स्वागत और उसके बाद दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद सभी अतिथियों को गुलदस्ते देकर सम्मानित किया गया। गणित विभाग के प्रमुख प्रो. अजय कु. शर्मा (संयोजक) ने विभागीय गतिविधियों और विभाग में होने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। इसके बाद, प्रो. एसडी शर्मा (पूर्व अधिष्ठाता, गणितज्ञ विज्ञान, जम्मू विश्वविद्यालय) ने विषय के विषयों पर चर्चा की और इसकी व्यावहारिक प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित किया।

प्रो. रितुमोनी शर्मा (आचार्य, आईआईटी दिल्ली) ने भी गणित की भूमिका और इसकी व्यावहारिक प्रासंगिकता को चिन्हित किया। प्रो. चंचल कुमार (आचार्य, आईआईएसईआर मोहाली) ने भी विषय के महत्व और इसकी प्रासंगिकता को चिन्हित किया। डॉ. पविंदर सिंह (सहायक आचार्य, गणित विभाग) ने सम्मेलन की कार्यवाही पर प्रकाश डाला। विभिन्न सत्र अध्यक्षों की अध्यक्षता में विभिन्न संकाय वार्ता और प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं और उसके बाद एक स्वस्थ चर्चा हुई। सभी गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह दिए गए। प्रस्तुतकर्ताओं को प्रमाण पत्र दिए गए।

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण :

एस.एन.ओ.	स्वीकृति का वर्ष	वित्तपोषण एजेंसी
01	2024	डीएसटी (एसईआरबी)

		अनुमोदित
02	2022	एसईआरबी (मैट्रिक्स) रनिंग

छात्रों की उपलब्धियों का विवरण :

सत्र 2019–2021 के छात्र श्री साहिल शर्मा ने 2023 में गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है, और श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू और कश्मीर से पीएचडी कर रहे हैं।

श्री प्रशांत द्विवेदी, सत्र 2021–2023 के छात्र, 2023 मे गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा से पीएचडी करेंगे। सुमित मिश्रा, सत्र 2021–2023 के छात्र, हैदराबाद के महिंद्रा विश्वविद्यालय से पीएचडी करेंगे।

नैनो विज्ञान एवं सामग्री

नैनो विज्ञान एवं सामग्री विभाग जुलाई 2016 से कार्यरत है। पहले दो वर्षों तक विभाग अस्थायी शैक्षणिक ब्लॉक, सैनिक कॉलोनी जम्मू से संचालित था। वर्तमान में, यह सीयूजे, राया सुचानी (सांबा), जिला बागला, जम्मू के मुख्य परिसर से संचालित है। विभाग का विजन नैनो विज्ञान एवं सामग्री के अनुसंधान एवं शिक्षण में एक विश्व का नेतृत्व क्योकि मानव जाति की भलाई के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक जरूरतों को संबोधित करना और युवा शोधकर्ताओं/छात्रों को नैनो सामग्री प्रौद्योगिकी में प्रगति के लिए लोकाचार के साथ प्रशिक्षित करना है। विभाग को एस.ई.आर.बी, डी.आर.डी.ओ, डी.एस.टी द्वारा प्रायोजित अत्याधुनिक इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाओं और उच्च तकनीक प्रयोगशालाओं से संपन्न किया गया है। विभाग का लक्ष्य व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए नैनोध्सामग्री विज्ञान पर फ्रंटलाइन अनुसंधान करने के लिए एक अंत विषय अनुसंधान वातावरण में शिक्षकों, वैज्ञानिकों और छात्रों के लिए अभ्यासात्मक मंच प्रदान करना है।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	प्रो. बालाजी राव रावुरी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ऊर्जा भंडारण सामग्री
2	डॉ. प्रवीण कुमार	सह आचार्य	अर्धचालक और पतली फिल्में
3	डॉ. प्रवीण कुमार मेहता	सह आचार्य	माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी
4	डॉ. विशाल सिंह	सहायक आचार्य	मल्टीफेरोइक्स और नैनोस्ट्रक्चर्ड सामग्री
5	डॉ. तनुज कुमार	सहायक आचार्य	आयन बीम अनुप्रयोग और सेंसर
6	डॉ. प्रगति कुमार	सहायक आचार्य	ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और सेंसरों के लिए नैनोमटेरियल्स
7	डॉ. पवन कुमार	सहायक आचार्य	छिद्रयुक्त पदार्थ सेंसर स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण

2024 के दौरान संकाय की उपलब्धियां डॉ. विशाल सिंह और डॉ. प्रगति कुमार, जेकेएसटीएंडआईसी प्रायोजित शोध परियोजना के प्रमुख अन्वेषक है।

संकाय प्रकाशन

संकाय का नाम	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
प्रो. बालाजी राव रावुरी	Na2O–Bi2O3–GeO2 ग्लास-सिरेमिक एनोड सामग्री प्रणाली के प्रदर्शन पर अनाकार मध्यवर्ती प्रभाव क्षेत्र का प्रभाव	0947-8396	2023
	सोडियम-बिस्मथ-टाइटेनियम ग्लास-सिरेमिक नेटवर्क: Na+ आयन भंडारण के लिए उच्च क्षमता वाला एनोड नेटवर्क	0022-3093 |	2023

	ग्लास-सिरेमिक Na3+ x [(Zr/Cr) x (Sc/Ti) 2-x (PO4) 3 Na-आयन पूर्ण-कोशिका अनुप्रयोग के लिए इलेक्ट्रोलाइट सामग्री	1058-4587	2023
	गैर-मैग्नीशियम और मैग्नीशियम-आधारित उच्च-एंट्रॉपी मिश्र धातुओं की सूक्ष्म संरचना और भौतिक गुण: एक तुलनात्मक अध्ययन	2379-1365	2023
	Li/Na आयन बैटरियों के लिए सिल्वर डोप्ड ZnAl2O4 एनोड सामग्री के उन्नत गैल्वेनोस्टेटिक और प्रतिबाधा अध्ययन	0947-8396	2024
डॉ. प्रवीण कुमार	स्टेगर्ड बैंड अलाइनमेंट - स्टिब्नाइट/आरजीओ स्तरित नैनोहाइब्रिड्स में फोटोकैटेलिटिक गतिविधि के लिए प्रत्यक्ष जेड-स्कीम	1873-4359	2024
	प्लास्मोनिक CuS नैनोस्ट्रक्चर्ड फिल्मों में परावर्तन स्पेक्ट्रम के ड्रूड-लोरेन्ट्ज़ ऑप्टिकल मॉडलिंग से एप्सिलॉन निकट शून्य मोड की जांच	1551-7616	2024
	Fe-डोप्ड Zn2SnO4-नैनोस्ट्रक्चर्ड फिल्मों के लिए संरचना और वैलेंस बैंड स्पेक्ट्रा के साथ ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक गुण सहसंबंध	0957-4522	2023
	CuS: Al नैनोसंरचित फिल्मों में उन्नत फैलाव मोड के लिए परत संकरित एक्सिटोन-प्लाज़्मोन अनुनाद	2633-5409	2023
डॉ. प्रवीण कुमार मेहता	डिज़ाइनर प्रोबायोटिक्स: मानव रोगों के निदान और रोकथाम में नए क्षितिज खोलना।	1097-0290	2023
	पर्यावरण में नाइट्राइल/एमाइड-आधारित उत्पादों की विषाक्तता और उनका एंजाइमेटिक बायोरेमेडिएशन। जर्नल ऑफ़ हैज़र्डस मटीरियल्स एडवांस	2772-4166	2023
डॉ. विशाल सिंह	फोटोकैटेलिस्ट के रूप में एनडीएमएनओ3:आरजीओ हाइब्रिड नैनोकंपोजिट का उपयोग करके यूवी विकिरण के तहत जलीय घोल में मेथिलीन ब्लू डाई का फोटोकैटेलिटिक विघटन	2666-5239	2023
	प्रिस्टीन SnO2 और SnO2/rGO नैनोकंपोजिट्स: संभावित संवेदन अनुप्रयोगों के लिए संश्लेषण, सूक्ष्म संरचनात्मक, प्रकाशीय और विद्युतीय विशेषताएँ	0925-9635	2023

	संवेदन और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए CuO/rGO नैनोकंपोजिट की भौतिक विशेषताओं पर rGO सांद्रता का प्रभाव	2162-8769	2023
	कोटेड BaTiO3 पतली फिल्मों के सूक्ष्म संरचनात्मक और प्रकाशीय गुणों पर उम्र बढ़ने का प्रभाव	2666-5239	2023
	अपशिष्ट जल से निपटने के लिए 2D-MXenes: शुद्धिकरण से लेकर SERS-आधारित संवेदन तक	1873-3840	2023
	पॉलीविनाइल अल्कोहल (PVA) मैट्रिक्स में एम्बेडेड टाइटेनियम डाइऑक्साइड (TiO2)-जिंक ऑक्साइड (ZnO) पर आधारित पहनने योग्य लचीला मेमरिस्टर	1369-8001	2023
	बीएसटी सिरेमिक की परावैद्युत, फेरोवैद्युत और इलेक्ट्रोकैलोरिक प्रतिक्रिया पर Cr3+, Fe3+ और Ni2+ प्रतिस्थापन के प्रभाव पर एक तुलनात्मक अध्ययन	1873-3956	2023
	बिस्मथ प्रतिस्थापन द्वारा प्रेरित GdMnO3 नैनोकणों के संरचनात्मक, रूपात्मक, विद्युतीय और प्रकाशीय गुणों पर प्रभाव	0957-4522	2023
डॉ. तनुज कुमार	औद्योगिक अपशिष्ट गैसों का पता लगाने के लिए पॉलिमर-धातु नैनोकंपोजिट के संचालन में हालिया प्रगति और चुनौतियाँ	2162-8769	2023
	कम ऊर्जा व्यवस्था के लिए रेडियो-फ्रीक्वेंसी स्पटरेड Al-ZnO पतली फिल्मों पर 300 N+ आयन विकिरण के प्रभाव	2162-8769	2023
	ऊर्जा रूपांतरण उपकरण अनुप्रयोगों के लिए अत्यधिक कुशल और स्थिर Ra2LaNbO6 डबल पेरोव्स्काइट	2589-2991	2024
	हरित ऊर्जा संसाधनों में प्रयोज्यता के साथ व्युत्क्रम पेरोव्स्काइट SbPX3 (X= Mg, Ca, और Sr) संरचित सामग्रियों की कम्प्यूटेशनल जांच	2352-2143	2023
	जैव ईंधन उत्पादन में नैनो प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकी विकास: वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएं	0141-0229	2023

	धातु-संवाहक पॉलिमर हाइब्रिड कंपोजिट: इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग के लिए एक आशाजनक प्लेटफ़ॉर्म	1387-7003	2023
	बिस्मथ-आधारित क्षारीय मृदा एंटीपेरोव्स्काइट्स की इलेक्ट्रॉनिक संरचना, सैद्धांतिक शक्ति रूपांतरण दक्षता और तापविद्युत गुण	1610-2940	2023
	रोडामाइन-6G के SERS पता लगाने के लिए निम्न ऊर्जा Ar+ विकिरणित Au/V2O5/Au बहुपरत प्रणाली की सतह नैनो संरचना और गीलापन	0969-806X	2024
	ग्लास सब्सट्रेट पर N+ प्रत्यारोपित V2O5 पतली फिल्म के संरचनात्मक और ऑप्टिकल गुण	2162-8769	2023
	Pt/GaN शॉटकी डायोड और एपिटैक्सियल परतों के प्रदर्शन पर स्विफ्ट हेवी ऑक्सीजन आयन विकिरण का प्रभाव: एक तुलनात्मक अध्ययन	0021-8979	2023
	पॉलीविनाइल अल्कोहल (PVA) मैट्रिक्स में एम्बेडेड टाइटेनियम डाइऑक्साइड (TiO2)-जिंक ऑक्साइड (ZnO) पर आधारित पहनने योग्य लचीला मेमरिस्टर	1369-8001	2024
	एकीकृत फोटोनिक क्वांटम प्रौद्योगिकियों के लिए माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ इंटरफेस किया गया सिलिकॉन फोटोनिक्स: उन्नत क्वांटम कंप्यूटर और क्वांटम संचार में एक नया युग?	2040-3372	2023
डॉ. प्रगति कुमार	स्पिनट्रॉनिक्स के लिए धातु ऑक्साइड में कमरे के तापमान पर फेरोमैग्नेटिज्म: एक व्यापक समीक्षा	1572-817एक्स	2023
	डोपेंट मध्यस्थता नैनोट्विनिंग और असामान्य उत्सर्जन व्यवहार का संवर्धन	0022-2313	2023
	Cd(1-x)CuxS कोलाइडल क्वांटम डॉट्स पतली फिल्मों पर आधारित उच्च प्रदर्शन NIR फोटोडिटेक्टर	0022-3697	2023
	सीडीएस आधारित 3डी नैनो/माइक्रो-आर्किटेक्चर: गठन तंत्र, दृश्यमान प्रकाश गतिविधियों का अनुकूलन और फोटोकैटेलिटिक H2 उत्पादन, CO2 कमी और	2050-7496	2023

	कार्बनिक प्रदूषक क्षरण में उभरते अनुप्रयोग		
	ZnS क्वांटम डॉट्स का संरचनात्मक, रूपात्मक, प्रकाशीय, प्रकाश-प्रकाशीय और विद्युत-रासायनिक प्रदर्शन: Mn2+ और La3+ आयनों का प्रभाव	1872-8014	2023
	एजी डोप्ड सीडीएस क्यूडी में उत्सर्जन के प्रति नैनोट्विनिंग का मूल्यह्रासकारी व्यवहार	1572-817एक्स	2023
	निकेल स्पिनल फेराइट में Cr प्रतिस्थापन का सतह आकृति विज्ञान, संरचना, जीवाणुरोधी गतिविधि और चुंबकीय गुणों पर प्रभाव	1879-0259	2023
	विद्युत-रासायनिक प्रदर्शन के अनुकूलन के लिए PrMnCo-Ti3C2 MXene नैनोकंपोजिट-आधारित सुपरकैपेसिटर	1573-482एक्स	2024
	आयरन सल्फाइड नैनोकण: संश्लेषण, लक्षण वर्णन, तथा गोजातीय सीरम एल्ब्यूमिन और मानव सीरम एल्ब्यूमिन के साथ इसकी अंतःक्रिया का आणविक डॉकिंग अध्ययन	2191-1649	2024
	निम्न-वोल्टेज वैरिस्टर के लिए PANI और CdO नैनो-कम्पोजिट मिश्रण का I-V अध्ययन	1573-482एक्स	2024
	एक्सचेंज-युग्मन में वृद्धि: स्विचिंग उपकरणों के लिए ला प्रतिस्थापन के माध्यम से डाई आयरन गार्नेट फेराइट नैनोकणों के संरचनात्मक और चुंबकीय गुणों को तैयार करना	2044-5326	2024
डॉ. पवन कुमार	जल में p-क्रिसोल की विद्युत-रासायनिक संवेदन के लिए ZnO/NiO नैनोकंपोजिट का संश्लेषण और लक्षण-वर्णन	2522-5731	2024
	ट्रिनाइट्रोटोलुइन (टीएनटी) संवेदन के लिए ड्रॉप कास्ट विधि का उपयोग करके एंटी-टीएनटी@Cu-BTC MOF पतली फिल्म का विकास	1095-9149	
	इमिडाज़ोलेट MOFSensing और इमेजिंग का उपयोग करके नाइट्रोएरोमैटिक यौगिकों का रसायन प्रतिरोधी संवेदन		2024
	Zn-Im-MOF का उपयोग करके कमरे के तापमान पर इथेनॉल में 1-नाइट्रोनैप्थलीन का ऑप्टिकल सेंसिंग		2024
	पीएच-नियंत्रित दवा वितरण के लिए COF-LZU-1 [(TFB)2(PDA)3] इमाइन वाहक		2023

	जल में पीवीपी और पीएसएस फोटो उत्प्रेरक गिरावट के लिए कार्बोक्सिलेट और इमिडाज़ोल आधारित एमओएफ पर सापेक्ष क्षमता विश्लेषण।		2023
	कमरे के तापमान पर MAPbBr3 का उपयोग करके नाइट्रोएरोमैटिक यौगिकों का ऑप्टिकल पता लगाना,		2023
	d और *f* धातु आयनों आधारित डाइकार्बोक्सिलिक MOFs पर ऑप्टिकल गुण मूल्यांकन	0250-4707	2023
	कमरे के तापमान पर ऑप्टिकल सेंसिंग अनुप्रयोग के लिए MIL-53 (Al) और (NH2)-MIL-53 (Al) MOF पर तुलनात्मक अध्ययन	0250-4707	2023
	कमरे के तापमान पर MAPbBr3 का उपयोग करके नाइट्रोएरोमैटिक यौगिकों का ऑप्टिकल पता लगाना।	0974-3626	2023
	जल में पीवीपी और पीएसएस फोटो उत्प्रेरक विघटन के लिए कार्बोक्सिलेट और इमिडाज़ोल आधारित एमओएफ पर सापेक्ष क्षमता विश्लेषण	1387-7003	2023
	इमिन ने आणविक संवेदन अनुप्रयोगों के लिए एंटीबीएसए@एनयूएस-15 को जोड़ा	0974-3626	2023
	विस्फोटकों के लिए मिथाइलमोनियम आधारित पेरोव्स्काइट्स हेतु ऑप्टिकल सेंसिंग क्षमता मूल्यांकन	15734994, 10530509	2023

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

स्वीकृति वर्ष	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
डॉ. विशाल सिंह 09-01-2024 को स्वीकृत	जे.के.डी.एस.टी	जारी है
डॉ. प्रगति कुमार	जे.के.डी.एस.टी	जारी है
डॉ. पवन कुमार	पीयूआरएसई	जारी है

जीव विज्ञान विद्यालय

पर्यावरण विज्ञान विभाग

पर्यावरण विज्ञान विभाग (ईवीएस) की स्थापना 2012 में केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में जीवन विज्ञान विद्यालय के अंतर्गत की गई थी। विभाग पर्यावरण विज्ञान में मास्टर कार्यक्रम और पीएचडी प्रदान कर रहा है। मास्टर और पीएचडी कार्यक्रम में, एनईपी आधारित पाठ्यक्रम शुरू किया गया है जहाँ कोर, वैकल्पिक, कौशल आधारित और व्यक्तित्व विकास आधारित पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं। और छात्रों के मूल्यांकन के लिए निरंतर मूल्यांकन प्रक्रिया का पालन किया जाता है।

विभाग पर्यावरण विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसने बढ़ते विकास–स्थायित्व संघर्षों को देखते हुए महत्व प्राप्त कर लिया है, और जिसका दंश पृथ्वी के सभी क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। विभाग अपने विद्यार्थियों को नौकरी के बाजार और शोध नवाचारों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सशक्त बनाने के लिए समर्पित है, पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम की निरंतर समीक्षा, संशोधन और अद्यतन के माध्यम से अनुशासन में की गई प्रगति, अनुसंधान और विकास के उभरते क्षेत्रों और पर्यावरणीय समस्याओं को समझने और सुधारने के लिए नई तकनीकों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए। शोध छात्रों को अक्षय ऊर्जा विकल्प, जल गुणवत्ता संसाधन उपचार विकल्प, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, हरित प्रौद्योगिकियां, वायुमंडलीय और जलवायु विज्ञान, पर्यावरण भूविज्ञान, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण में विशेषज्ञता का विकल्प दिया गया है। शिक्षण पद्धति पारंपरिक कक्षा शिक्षण की तुलना में शिक्षार्थी–उन्मुख है।

- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय मुद्दों के ज्ञान का आकलन और मूल्यांकन करना।
- पर्यावरणीय मुद्दों पर केंद्रित अंतःविषयक सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए शिक्षा और उद्योग के बीच एक मंच विकसित करना।

संकाय विवरणः

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. दीपक पठानिया	आचार्य	पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन जल/अपशिष्ट जल से उभरते प्रदूषकों को हटाना जैविक उपचार पर्यावरण बहाली के लिए हरित प्रौद्योगिकियां आयन–विनिमय और अवशोषण प्रणालियाँ
2	डॉ. सुनील धर	आचार्य	रिमोट सेंसिंग ग्लेसिओलॉजी आर्किटेक्चर पर्यावरण भूविज्ञान आग्नेय शैलविज्ञान हिमालय भूविज्ञान

3	डॉ. ऋचा कोठारी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	कम लागत वाली अपशिष्ट जल उपचार प्रौद्योगिकियाँ जैव–ऊर्जा विकल्पों का उत्पादन कचरे का प्रबंधन
4	लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता	सहायक आचार्य	चट्टान और मृदा भू–रसायन विज्ञान हरित भवन मैं जनसंपर्क
5	डॉ. श्वेता यादव	सहायक आचार्य	एयरोसौल्ज वायु गुणवत्ता जलवायु मानव स्वास्थ्य
6	डॉ. दिनेश कुमार	सहायक आचार्य	मेसो–स्केल और विस्तारित रेंज मौसम पूर्वानुमान बहु–आयामी डेटा आत्मसात और उच्च–रिजॉल्यूशन भूमि सतह डेटा आत्मसात वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधन मानचित्रण में जीआईएस अनुप्रयोग जीआईएस और भूमि, वायुमंडल और महासागरीय युग्मित मॉडल का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन अध्ययन)।
7	डॉ. अंकित टंडन	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान वायुमंडलीय एरोसोल और ट्रेस गैस गतिशीलता जलवायु गतिशीलता

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये :

5 जून 2023 को अनुसंधान और विकास के लिए ईवीएस विभाग, सीयूजे और डीयूटी, दक्षिण अफ्रीका के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

2023–2024 के दौरान संकाय उपलब्धियां

क) भारत के अग्रणी संस्थानों में विशेषज्ञ व्याख्यान

- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता को केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी जम्मू, जम्मू और कश्मीर, भारत द्वारा आयोजित सीपीसीबी प्रायोजित तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था, जहां उन्होंने ''जल गुणवत्ता निगरानी (सतही, जमीन, अपशिष्ट जल गुणवत्ता आश्वासन और डेटा व्याख्या)'' पर एक विशषज्ञ व्याख्यान दिया। (06–03–2024)
- पीएम श्री योजना के तहत केंद्रीय विद्यालय, नगरोटा द्वारा आयोजित '' जल प्रबंधन और

अपशिष्ट प्रबंधन '' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया और महत्वपूर्ण पर्यावरणीय मुद्दों पर 100 से अधिक केवी छात्रों को संगठित किया (01–02–2024)

- वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय और एशियन पॉलिमर एसोसिएशन, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएएफएम –2024 में " जम्मू शहर, जम्मू और कश्मीर, भारत के नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्थिति " पर आमंत्रित व्याख्यान दिया (08–02–2024)
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने एसएमवीडीयू कटड़ा द्वारा आयोजित '' राष्ट्र निर्माण में एनसीसी और युवाओं की भूमिका '' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया (12–03–2024)
- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने एसएमवीडीयू कटड़ा द्वारा आयोजित '' ग्रीन बिल्डिंग्सः स्वच्छ और हरित पर्यावरण के लिए सतत व्यवसाय '' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया (03–12–2023)

ख) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया शोधपत्र

- लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता ने अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'वैश्विक कैनवास पर पुनरुत्थान भारत' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''रामायण में जैविक और औषधीय पौधों की विविधता'' पर एक आलेख प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन शैक्षिक फाउंडेशन द्वारा एनसीपीएसएल और शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया था (25–02–2024)

ग) एनसीसी प्रशिक्षण अकादमी में विशेषज्ञ व्याख्यान

- एनसीसी ट्रेनिंग अकादमी नगरोटा, 4 जेएंडके बटालियन जम्मू में ''पहाड़ी क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन (जेएंडके)'' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया (31 जुलाई 2023)
- राष्टोय स्तर के ईबीएसबी एनसीसी कैंप, एनसीसी प्रशिक्षण अकादमी नगरोटा, 4 जेएंडक बटालियन जम्मू द्वारा आयोजित ''पर्यावरणीय मुद्दे और चिंताएं'' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया (4 अक्टूबर 2023)

डॉ. श्वेता यादव

- 19 मार्च , 2024, डॉ. श्वेता यादव को 2 साल के लिए आईआईटी मद्रास, चेन्नई के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पर्यावरण इंजीनियरिंग प्रभाग में सहायक संकाय नियुक्त किया गया है।
- 18 फरवरी , 2024, डॉ. श्वेता यादव, सदस्य, भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस)–भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) को आईएनवाईएएस–उत्तर क्षेत्र समन्वयक चुना गया है।

डॉ. श्वेता यादव द्वारा पूर्ण/आमंत्रित व्याख्यान

- 20 जनवरी , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने डीएसटी द्वारा आयोजित और नोडल एजेंसी के रूप में राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन–भारत द्वारा कार्यान्वित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के 9 वें संस्करण के 'युवा वैज्ञानिक सम्मेलन (वाईएससी)' में आमंत्रित वक्ता और निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में भाग लिया। यह सम्मेलन 17 से 20 जनवरी 2023 तक डीबीटी–टीएचएसटीआई और आरसीबी, फरीदाबाद, हरियाणा में आयोजित किया गया।
- 14 दिसंबर, 2023, डॉ. श्वेता यादव ने 12 से 14 दिसंबर, 2023 के दौरान नवी मुंबई के होटल विवांता में आयोजित भारतीय एरोसोल विज्ञान और प्रौद्योगिकी संघ (आईएएसटीए) राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''राष्ट्रीय परियोजनाएं'' सत्र के अंतर्गत ''राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का

अवलोकनः बेहतर वायु गुणवत्ता के लिए भारत का प्रमुख कार्यक्रम'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

- 2 दिसंबर , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने जम्मू और कश्मीर प्रदूषण नियंत्रण समिति, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर द्वारा राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित एक दिवसीय सगोष्ठी में "भारत में मानवजनित बायोमास जलने से होने वाले वायु प्रदूषण की चुनौती" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 31 अक्टूबर , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने रेड रिबन क्लब, सीयूजे और जेएंडके एड्स नियंत्रण सोसाइटी, जम्मू–कश्मीर सरकार द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में "सतत विकास में युवाओं की भूमिका" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 30 अक्टूबर , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान और संबद्ध विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ख्एफडीपीसीएएस–2023, दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में "राष्ट्रीय अनुसंधान वित्त पोषण के अवसर और अनुदान लेखन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- 13 अक्टूबर , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने आईआईटी जम्मू द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला ''अनुसंधान और औद्योगिक यात्रा शुरू करनाः अन्वेषण, प्रयोग, नवाचार और खोजों का जश्न मनाना'' म ''विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संवर्धन, अनुसंधान और प्रशिक्षण शुरू करने के लिए युवा दिमागों को प्रज्वलित करना'' राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप अवसरों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 16 सितंबर , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने जम्मू और कश्मीर प्रदूषण नियंत्रण समिति, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर द्वारा आयोजित ओजोन दिवस कार्यशाला में "ओजोन रिकवरी और जलवायु कार्रवाईः वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 24 अगस्त, 2023, डॉ. श्वेता यादव ने भारत स्वच्छ वायु शिखर सम्मेलन (आईसीएएस) के पांचवें संस्करण के दौरान "एयरशेड दृष्टिकोण – शहरी और ग्रामीण वायु प्रदूषण प्रबंधन के लिए तालमेल का अनुकूलन" सत्र में मॉडरेटर के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह एक राष्ट्रीय स्तर का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका आयोजन वायु प्रदूषण अध्ययन केंद्र (सीएपीएस), विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नीति अध्ययन केंद्र (सीएसटीईपी) द्वारा 23 से 25 अगस्त , 2023 के दौरान बेंगलुरु के रेडिसन एट्रिया में किया गया है।
- 26 जुलाई , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने 26 से 28 जुलाई, 2024 के दौरान केरल के मुन्नार में सीएसीएस आईआईटी मद्रास और आईएनवाईएएस द्वारा आयोजित ''भारत में वायुमंडलीय एरोसोल माप और मॉडलिंगः पिछले दशक, वर्तमान स्थिति और आगे की चुनौतियाँ'' पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में ''एयरोसोल–बायोस्फीयर–जलवायु इंटरैक्शनः भारतीय परिप्रेक्ष्य'' पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया ।
- 22 जून, 2023, डॉ. श्वेता यादव ने चेन्नई के आईआईटी मद्रास के वायुमंडलीय और जलवायु विज्ञान केंद्र में "जलवायु अनिश्चितता का खुलासाः एरोसोल–क्लाउड–जलवायु इंटरैक्शन में बर्फ के न्यूक्लियेटिंग कणों की महत्वपूर्ण भूमिका" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 19 जून , 2023, डॉ. श्वता यादव ने एमओडी लैब, मैटेरियल्स ग्रुप, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई में ''वायुमंडल में कार्बनिक कार्बन की भूली हुई कहानीः जलवायु प्रक्रियाओं में भूमिका को समझने की कुंजी'' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 9 जून , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने आईएनवाईएएस द्वारा आयोजित ''पीयर–रिव्यूड प्रीप्रिंट्सः युवा भारतीय शोधकर्ताओं के लिए लाभ और सीमाएं'' विषय पर सत्र में पैनलिस्ट के रूप में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- 27 मई , 2023, डॉ. श्वेता यादव ने एसपीएसटीआई द्वारा फोरम ऑफ रिटायर्ड वाइस चांसलर एंड डायरेक्टर्स (एफआरवीसीडी) और आईएनएसए, एनएएसआई और आईएनवाईएएस के चंडीगढ़ अध्याय के सहयोग से आयोजित "भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अधिक सामंजस्य और समावेशिता की ओर" विषय पर सत्र में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 19 मई, 2023, डॉ. श्वेता यादव ने सरकारी महिला डिग्री कॉलेज, कठुआ (जेकेयूटी) द्वारा आयोजित ''जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण: स्थिरता को जीवन का एक तरीका बनाना'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''पर्यावरण के लिए जीवन शैली: जलवायु प्रेरित आपदाओं के लिए एक स्थायी समाधान'' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

संकाय प्रकाशन

(स्कोपस पर आधारित)

क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
प्रो. दीपक पठानिया			
1.	राय, एस.के., धर, एस. , कौर, जी., साहू, आर., कुमार, ए, पठानिया, डी., मेहता, पी., कुमार, डी., हाप्तल ग्लेशियर, लोअर चिनाब बेसिन, जम्मू और कश्मीर, भारत का बहु–पैरामीट्रिक विश्लेषण: एक रिमोट सेंसिंग दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 133 (2),72. DOI: 10.1007/s12040-024-02290-7	आईएसएसएन : 23474327	2024
2.	मोहन, आई., जसरोटिया, आर., धर, एस. , भाऊ, बीएस, पठानिया, डी., खरगोत्रा, आर., सिंह, टी. जम्मू और कश्मीर, भारत में ईंट भट्टों के आसपास के भूजल में प्रदूषण सूचकांक और भारी धातु संदूषण का सहसंबंध, हेलियॉन, 10 (6), ई27869. DOI: 10.1016/j.heliyon.2024.e27869	आईएसएसएन : 24058440	2024
3.	मोहन, आई., जोशी, बी., पठानिया, डी., धर, एस., भाऊ, बी.एस., फाइटोबियल रीमेडिएशन एडवांस और ओमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुप्रयोग: एक समीक्षा, पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान। DOI: 10.1007/s11356-024-33690-3	आईएसएसएन : 09441344	2024
4.	कौर, जी., त्यागी, आई., धर, एस., कुमारी, एस., पठानिया, डी., कोठारी, आर. जम्मू (जम्मू और कश्मीर, केंद्र शासित प्रदेश) के हिमालयी क्षेत्र में तवी वाटरशेड की सतही जल गुणवत्ता का स्थानिक–कालिक मूल्यांकन शैवाल प्रदूषण सूचकांक का उपयोग करके: एक भू–स्थानिक दृष्टिकोण, पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 195 (12), 1402. DOI: 10.1007/s10661-023-11975-3	आईएसएसएन : 01676369	2023
5.	ठाकुर, एम., कुमार, ए., शर्मा, ए., पठानिया, डी. दृश्यमान प्रकाश रोशनी के तहत ट्राइफ्लुरालिन को हटाने के लिए आलू–स्टार्च आधारित	आईएसएसएन : 25225758	2024

	जैव–नैनोकंपोजिट का संश्लेषण, रसायन विज्ञान अफ्रीका, 7 (4), 1981-1993.DOI: 10.1007/s42250-024-00888-4		
6.	कोठारी, आर., आजम, आर., भारती, ए., गोरिया, के., एलन, टी., अशोककुमार, वी., पठानिया, डी., सिंह, आरपी, त्यागी, वीवी, टिकाऊ अपशिष्ट दृष्टिकोण के लिए पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण के माध्यम से बूचड़खाने के अपशिष्ट जल से जैव–आधारित उपचार और संसाधन पुनर्प्राप्ति, जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 58, 104712. DOI: 10.1016/j.jwpe.2023.104712	आईएसएसएन : 22147144	2024
7.	पठानिया, डी., कुमार, ए., सैनी, ए.के., सैनी, आर., मित्तल, डी., शर्मा, ए., भारी धातु आयनों के बेहतर अवशोषण और जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए बायोचार समर्थित नैनो–हेटेरो असेंबली, पर्यावरण इंजीनियरिंग के लिए नैनो प्रौद्योगिकी। DOI: 10.1007/s41204-024-00363-y	आईएसएसएन : 23656379	2024
8.	गोरिया, के., कोठारी, आर., सिंह, एच.एम., कौर, एच., रंजन, पी., पठानिया, डी., चार्ज न्यूट्रलाइजेशन मैकेनिज्म के साथ शैवाल बायोमास हार्वेस्टिंग को मजबूत करने के लिए अपशिष्ट चावल की भूसी–आधारित नैनो–सिलिका की खोज, अपशिष्ट और बायोमास वैल्यूएशन। DOI: 10.1007/s12649-024-02417-3	आईएसएसएन : 18772641	2024
9.	शर्मा, ए., ठाकुर, एम., कुमार, ए., गौतम, एम., कुमारी, एस., पठानिया, डी., शर्मा, ए., लोकस्ट बीन गम (एलबीजी)–एनकैप्सुलेटेड जिरकोनियम–आधारित नैनोकणों और जीवाणुरोधी गतिविधि का उपयोग करके जल प्रणालियों से तेज सल्फोन ब्लैक और क्रिस्टल वायलेट रंगों का कुशल फोटोडिग्रेडेशन, पर्यावरण इंजीनियरिंग के लिए नैनो प्रौद्योगिकी, 8 (4), 859-877. DOI: 10.1007/s41204-023-00341-w	आईएसएसएन : 23656379	2023
10.	शेख, जेडयूडी, बजर, एस., देवी, ए., रोज, पीके, सुहाग, एम., यादव, ए., यादव, डीके, देसवाल, टी., कौर, जे., कोठारी, आर., पठानिया, डी., रानी, एन., सिंह, ए., जैव ईंधन उत्पादन में नैनो प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकी विकासः वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएँ, एंजाइम और माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी, 171, 110304. DOI: 10.1016/j.enzmictec.2023.110304	आईएसएसएन : 01410229	2023
11.	कुमारी, ए., कुमार, ए., ठाकुर, एम., पठानिया, डी., रानी, ए., शर्मा, ए., मुरैनाकोएनिगी प्लांट–व्युत्पन्न बायोचार (बीसी) और लैंथेनम फेराइट (बीसीध्लाफियो3) नैनो–हाइब्रिड संरचना अपशिष्ट जल	आईएसएसएन : 25225758	2023

	से कुशल सिप्रोफ्लोक्सासिन अवशोषण के लिए, रसायन विज्ञान अफ्रीका 6 (6), 3079-3095. DOI: 10.1007/s42250-023-00698-0		
12.	ठाकुर, एम., चंदेल, एम., कुमार, ए., कुमारी, एस., कुमार, पी., पठानिया, डी., कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर और प्रोटीन आधारित बायोमटेरियल का विकास और पर्यावरणीय स्वास्थ्य और स्वच्छता में उनकी भूमिकाः एक समीक्षा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 242, आर्ट. नं. 124875. DOI: 10.1016/j.ijbiomac.2023.124875	आईएसएसएन : 01418130	2023
13.	तेवतिया, पी., कौशिक, वी., ज्योति, एम.एस., पठानिया, डी., सिंघल, एस., कौशिक, ए. अपशिष्ट जल से भ्ह(प्प) आयनों का पता लगाने और हटाने के लिए सेल्यूलोज नैनोफाइबर पर सजाए गए बोरॉन नाइट्राइड क्वांटम डॉट्स का अत्यधिक फ्लोरोसेंट मिश्रण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्यूल्स, 234, 123728. DOI:10.1016/j.ijbiomac.2023.123728	आईएसएसएन : 01418130	2023
14.	शर्मा, के., तेवतिया, पी., कौर, एम., पठानिया, डी., बनत, एफ., रतन, जी., सिंघल, एस., कौशिक, ए., चुंबकीय और कार्बोनिल्डाइमिडाजोल–फंक्शनलाइज्ड सेल्यूलोज नैनोफाइबर पर स्थिर लैकेस का उपयोग करके विविध प्रदूषकों का जैवउपचार, साइंस ऑफ द टोटल एनवायरनमेंट, 864, आर्ट. नं. 161137. DOI: 10.1016/j.scitotenv.2022.161137	आईएसएसएन : 00489697	2023
15.	कुमार, वी., रतन, जी., तेवतिया, पी., कौर, एम., पठानिया, डी., सिंघल, एस., कौशिक, ए., जलीय माध्यम में सीआर और एचजी के अल्ट्रा–ट्रेस फ्लोरोमेट्रिक परख के लिए एल–हिस्टिडीन के साथ संशोधित चावल के भूसे से प्राप्त सेल्यूलोज नैनोफाइबर, जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 391, 136106. DOI: 10.1016/j.jclepro.2023.136106	आईएसएसएन : 09596526	2023
16.	कुमार, एस., सिंह, डी., पठानिया, डी., अवस्थी, ए., सिंह, के., मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड–नाइट्रोजन डोप्ड रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड हेटरोस्ट्रक्चर आधारित एपिनेफ्रिन की इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग, मैटेरियल्स केमिस्ट्री एंड फिजिक्स, 297, 127446. DOI: 10.1016/j.matchemphys.2023.127446	आईएसएसएन : 02540584	2023
17.	वर्मा, सी., पठानिया, डी., नेगी, पी., गुप्ता, पी.के., वर्मा, आर.एस., गुप्ता, बी., सिस्प्लैटिन डिलीवरी के लिए ट्रैगैकैंथ गम पर आधारित स्मार्ट नैनोजेल की डिजाइनिंग, पॉलिमर इंटरनेशनल, 72 (2), 158-165. DOI: 10.1002/pi.6477	आईएसएसएन : 09598103	2023
18.	रैना, एस., कुमारी, के., पठानिया, डी., कोठारी, आर., टिकाऊ भविष्य की चुनौतियों और दृष्टिकोणों के लिए	आईएसबीएनः 9781003825111	2023

	सौर तापीय ऊर्जा का उपयोग करके कुशल हाइड्रोजन उत्पादन, थर्मल ऊर्जाः अनुप्रयोग, नवाचार और भविष्य की दिशाएँ, 246-261. DOI: 10.1201/9781003345558-15		
19.	ठाकुर, एम., चंदेल, एम., रानी, ए., शर्मा, ए., पठानिया, डी. बायोमेडिकल खतरनाक अपशिष्ट के उपचार के लिए रासायनिक विधियाँ, विकासशील दुनिया में अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधन पुनर्चक्रण, 521-541. DOI: 10.1016/B978-0-323-90463-6.00008-7	आईएसबीएनः 9780323904636	2023
प्रो. सुनील धर			
1.	राय, एस.के., धर, एस. , कौर, जी., साहू, आर., कुमार, ए, पठानिया, डी., मेहता, पी., कुमार, डी., हाप्तल ग्लेशियर, लोअर चिनाब बेसिन, जम्मू और कश्मीर, भारत का बहु–पैरामीट्रिक विश्लेषणः एक रिमोट सेंसिंग दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 133 (2),72. DOI: 10.1007/s12040-024-02290-7	आईएसएसएन : 23474327	2024
2.	मोहन, आई., जसरोटिया, आर., धर, एस. , भाऊ, बीएस, पठानिया, डी., खरगोत्रा, आर., सिंह, टी. जम्मू और कश्मीर, भारत में ईंट भट्टों के आसपास के भूजल में प्रदूषण सूचकांक और भारी धातु संदूषण का सहसंबंध, हेलियॉन, 10 (6), e27869. DOI: 10.1016/j.heliyon.2024.e27869	आईएसएसएन : 24058440	2024
3.	राय, एस.के., धर, एस. , साहू, आर., कुमार, ए., धौलाधार पर्वत श्रृंखला, हिमाचल हिमालय, भारत (2000–2020) में ग्लेशियर और ग्लेशियल झील में दो दशकों का परिवर्तन, जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग, 52 (3), 633-644. DOI: 10.1007/s12524-024-01849-7	आईएसएसएन : 0255660X	2024
4.	राय, एस.के., साहू, आर., धर, एस., कुमार, ए. किश्तवाड़ हाई एल्टीट्यूड नेशनल पार्क, चिनाब बेसिन, जम्मू और कश्मीर, भारत में ग्लेशियर और ग्लेशियल झील की गतिशीलता के चार दशक, मॉडलिंग अर्थ सिस्टम और पर्यावरण, 10 (1), 1171-1189. DOI: 10.1007/s40808-023-01836-w	आईएसएसएन : 23636203	2024
5.	मोहन, आई., जोशी, बी., पठानिया, डी., धर, एस., भाऊ, बी.एस., फाइटोबियल रीमेडिएशन एडवांस और ओमिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुप्रयोगः एक समीक्षा, पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान। DOI: 10.1007/s11356-024-33690-3	आईएसएसएन : 09441344	2024
6.	राय, एस.के., साहू, आर., धर, एस., त्रिपाठी, एन., कुमार, ए. किश्तवाड़ हिमालय, जम्मू और कश्मीर, भारत में प्रोग्लेशियल झील का तेजी से विस्तार और मेजबान ग्लेशियर का डीग्लेशियेशन, 1993 से 2020	आईएसएसएन : 09718966	2024

	तक, हिमालयन जियोलॉजी, 45 (1), 75-88.		
7.	कौर, जी., त्यागी, आई., धर, एस., कुमारी, एस., पठानिया, डी., कोठारी, आर. जम्मू (जम्मू और कश्मीर, केंद्र शासित प्रदेश) के हिमालयी क्षेत्र में तवी वाटरशेड की सतही जल गुणवत्ता का स्थानिक–कालिक मूल्यांकन शैवाल प्रदूषण सूचकांक का उपयोग करके: एक भू–स्थानिक दृष्टिकोण, पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 195 (12), 1402. DOI: 10.1007/s10661-023-11975-3	आईएसएसएन : 01676369	2023
8.	प्रशांत, एम., कुमार, ए., धर, एस., वर्मा, ओ., राय, एस. के., कौसर, बी. भूमि उपयोगध्भूमि आवरण परिवर्तन और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हिमाचल हिमालयी जलग्रहण क्षेत्र में मृदा अपरदन पर इसका प्रभाव, उत्तरी भारत, फ्रंटियर्स इन फॉरेस्ट्स एंड ग्लोबल चेंज, 6, 1124677, DOI: 10.3389/ffgc.2023.1124677	आईएसएसएन : 2624893X	2023
प्रो. ऋचा कोठारी			
1.	अशोककुमार, वी., चंद्रमुघी, वी.पी., कुमार, जी., न्गमचारुस्स्रविचाई, सी., पिएचोटा, जी., इग्लिंस्की, बी., कोठारी, आर., चेन, डब्ल्यू.–एच., लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास में प्रगतिः चौथी पीढ़ी के जैव ईंधन और मूल्यवर्धित जैव उत्पाद का एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन, ईंधन, 365, 130751. DOI: 10.1016/j.fuel.2023.130751	आईएसएसएन : 00162361	2024
2.	देवी, ए., सिंह, ए., कोठारी, आर., सेल्युलेस और जाइलेनस उत्पादन के लिए गेहूं के भूसे और चावल के भूसे का कवक आधारित मूल्यांकन, पर्यावरण के लिए सतत रसायन विज्ञान, 5, 100077. DOI: 10.1016/j.scenv.2024.100077	आईएसएसएन : 29498392	2024
3.	जैन, ए., कोठारी, आर., त्यागी, वी.वी., कुमार राजमोनी, आर., शकील अहमद, एम., मोहन सिंह, एच. , रैना, एस., पांडे, ए.के., ऑर्गेनिक सोलर सेल में प्रगतिः टिकाऊ भविष्य के लिए सामग्री, प्रगति, चुनौतियां और सुधार, सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी और आकलन, 63, 103632. DOI: 10.1016/j.seta.2024.103632	आईएसएसएन : 22131388	2024
4.	कोठारी, आर., आजम, आर., सिंह, एचएम, कुमार, पी., कुमार, वी., सिंह, आरपी, त्यागी, वीवी, लिपिड उत्पादन और मीठे पानी के पदचिह्न में कमी के लिए सी. वल्गेरिस का उपयोग करके गतिज मॉडल अध्ययन के साथ बूचड़खाने के अपशिष्ट जल से पोषक तत्वों का पृथक्करणः एक सहक्रियात्मक दृष्टिकोण, अपशिष्ट और बायोमास मूल्यांकन, 15 (3),	आईएसएसएन : 18772641	2024

	1807-1818. DOI: 10.1007/s12649-023-02226-0		
5.	कोठारी, आर., आजम, आर., भारती, ए., गोरिया, के., एलन, टी., अशोककुमार, वी., पठानिया, डी., सिंह, आरपी, त्यागी, वीवी, टिकाऊ अपशिष्ट दृष्टिकोण के लिए पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण के माध्यम से बूचड़खाने के अपशिष्ट जल से जैव–आधारित उपचार और संसाधन पुनर्प्राप्ति, जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 58, 104712. DOI: 10.1016/j.jwpe.2023.104712	आईएसएसएन : 22147144	2024
6.	पीटर, जे.के., सिंह, आर., यादव, ए.के., कोठारी, आर., मेहता, पी.के., पर्यावरण में नाइट्राइल्सध्एमाइड्स–आधारित उत्पादों की विषाक्तता और उनका एंजाइमेटिक बायोरेमेडिएशन, जर्नल ऑफ हैजर्डस मैटेरियल्स एडवांस, 13, 100389. DOI: 10.1016/j.hazadv.2023.100389	आईएसएसएन : 27724166	2024
7.	सिंह, एचएम, त्यागी, वीवी, अहमद, एस., कोठारी, आर., प्रतिक्रिया सतह पद्धति के बॉक्स–बेनकेन डिजाइन का उपयोग करके ब्ब्स2 के साथ क्लोरेला पाइरेनोइडोसा की फ्लोक्यूलेशन दक्षता का अनुकूलनः एक लागत प्रभावी सांख्यिकीय जांच, बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, 14 (3), 3261-3273. DOI: 10.1007/s13399-022-02491-4	आईएसएसएन : 21906815	2024
8.	गोरिया, के., सिंह, एचएम, सिंह, ए., कोठारी, आर., त्यागी, वी.वी., शैवाल बायोमास से जैवहाइड्रोजन उत्पादन में अंतर्दृष्टिः चुनौतियां, हालिया प्रगति और भविष्य की दिशाएं, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 52, 127-151. DOI: 10.1016/j.ijhydene.2023.03.174	आईएसएसएन : 03603199	2024
9.	त्यागी, आई., त्यागी, के., अहमद, एफ., कोठारी, आर., कुमार, वी., जलीय पारिस्थितिकी तंत्रः पर्यावरण मेटाजीनोमिक्स, जल गुणवत्ता और संभावित उपचारात्मक उपाय, पर्यावरण मेटाजीनोमिक्स, जल गुणवत्ता और प्रदूषित जल के सुझाए गए उपचारात्मक उपायः एक संयुक्त दृष्टिकोण, 1-14. DOI: 10.1016/B978-0-443-13659-7.00023-0	आईएसबीएन : 9780443136597	2024
10.	कोठारी, आर., सिंह, एच.एम., गोरिया, के., रैना, एस., त्यागी, वी.वी., अहमद, एस., सिंह, आर., शर्मा, ए., श्योराण, एस., ब्रूनो, एफ., बुद्धि, डी., टिकाऊ पर्यावरण के लिए एरोसोल के शमन के साथ बायोगैस उत्पादन को मजबूत करने के लिए चावल की फसल के अवशेषों का उपयोगः तंत्र, संभावित रणनीतियां और अवसर, बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी।	आईएसएसएन : 21906815	2024

	DOI: 10.1007/s13399-024-05571-9		
11.	गोरिया, के., कोठारी, आर., सिंह, एचएम, कौर, एच., रंजन, पी., पठानिया, डी., चार्ज न्यूट्रलाइजेशन मैकेनिज्म, अपशिष्ट और बायोमास वैल्यूएशन के साथ शैवाल बायोमास हार्वेस्टिंग को मजबूत करने के लिए अपशिष्ट चावल की भूसी आधारित नैनो–सिलिका की खोज। DOI: 10.1007/s12649-024-02417-3	आईएसएसएन : 18772641	2024
12.	कुमारी, एस., कुमार, वी., कोठारी, आर., कुमार, पी., फार्मास्युटिकल अपशिष्ट जल उपचार के तहत क्लोरेला वल्गेरिस के पोषक तत्व पृथक्करण और लिपिड उत्पादन क्षमताः प्रयोगात्मक, अनुकूलन और भविष्यवाणी मॉडलिंग अध्ययन, पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 31 (5), 7179-7193. DOI: 10.1007/s11356-023-31719-7	आईएसएसएन : 09441344	2024
13.	कौर, जी., त्यागी, आई., धर, एस., कुमारी, एस., पठानिया, डी., कोठारी, आर., जम्मू (जम्मू और कश्मीर, केंद्र शासित प्रदेश) के हिमालयी क्षेत्र में तवी जलग्रहण क्षेत्र की सतही जल गुणवत्ता का स्थानिक–कालिक मूल्यांकन शैवाल प्रदूषण सूचकांक का उपयोग करकेः एक भू–स्थानिक दृष्टिकोण, पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 195 (12), 1402. DOI: 10.1007/s10661-023-11975-3	आईएसएसएन : 01676369	2023
14.	पाठक, ए., राणा, एम.एस., मारफी, एम., कोठारी, आर., गुप्ता, पी., त्यागी, वी.वी., अपशिष्ट पेट्रोलियम द्रव उत्प्रेरक क्रैकिंग उत्प्रेरक मूल्यवान जिओलाइट्स के संश्लेषण के लिए कच्चे माल के रूप मेंः क्षमता, अनुप्रयोगों और चुनौतियों पर एक महत्वपूर्ण अवलोकन, सस्टेनेबल मैटेरियल्स एंड टेक्नोलॉजीज, 38, e00733. DOI: 10.1016/j.susmat.2023.e00733	आईएसएसएन : 22149937	2023
15.	शर्मा, एम., त्यागी, वी.वी., चोपड़ा, के., कोठारी, आर., सिंह, एच.एम., पांडे, ए.के., कपड़ा अपशिष्ट जल के स्थायी उपचार के लिए सौर ऊर्जा आधारित प्रौद्योगिकियों में उन्नतिः पुनः उपयोग, पुनर्प्राप्ति और वर्तमान परिप्रेक्ष्य, जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 56, 104241. DOI: 10.1016/j.jwpe.2023.104241	आईएसएसएन : 22147144	2023
16.	शेख, जेडयूडी, बजर, एस., देवी, ए., रोज, पीके, सुहाग, एम., यादव, ए., यादव, डीके, देसवाल, टी., कौर, जे., कोठारी, आर., पठानिया, डी., रानी, एन., सिंह, ए., जैव ईंधन उत्पादन में नैनो प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकी विकासः वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएँ, एंजाइम और माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी, 171, 110304. DOI:	आईएसएसएन : 01410229	2023

	10.1016/j.enzmictec.2023.110304		
17.	कालिदासन, बी., पांडे, ए.के., सैदुर, आर., कोठारी, आर., शर्मा, के., त्यागी, वी.वी., बाइनरी यूटेक्टिक साल्ट हाइड्रेट फेज चेंज मटीरियल के टिकाऊ ऊर्जा भंडारण के लिए पर्यावरण के अनुकूल नारियल के खोल बायोचार आधारित नैनो–समावेशन, सौर ऊर्जा सामग्री और सौर सेल, 262, 112534. DOI: 10.1016/j.solmat.2023.112534	आईएसएसएन : 09270248	2023
18.	सिंह, के., मीना, आर.एस., कुमार, एस., ध्यानी, एस., श्योराण, एस., सिंह, एचएम, पाठक, वी.वी., खालिद, जेड., सिंह, ए., चोपड़ा, के., बाजर, एस., अंसारी, एफए, गुप्ता, एस.के., वरजानी, एस., कोठारी, आर., त्यागी, वी.वी., सिंह, बी., ब्यून, सी., भारत का अक्षय ऊर्जा अनुसंधान और कोयले को चरणबद्ध तरीके से कम करने की नीतियां: पेरिस समझौते के बाद सफलता और ग्लासगो जलवायु समझौते के बाद की संभावनाएं, बायोमास और बायोएनर्जी, 177, 106944. DOI: 10.1016/j.biombioe.2023.106944	आईएसएसएन : 09619534	2023
19.	पाठक, ए.के., चोपड़ा, के., त्यागी, वी.वी., आनंद, एस., कोठारी, आर., सारी, ए., पांडे, ए.के., जल उपचार और गर्म पानी के उत्पादन के लिए सौर हीट पाइप ईटीसी को सौर स्टिल सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया: नया हाइब्रिड प्रायोगिक दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरीमेट्री, 148 (17), 8969-8989. DOI: 10.1007/s10973-023-12281-3	आईएसएसएन : 13886150	2023
20.	कोठारी, आर., सिंह, एच.एम., आजम, आर., गोरिया, के., भारती, ए., सिंह, ए., बाजर, एस., पाठक, ए., पांडे, ए.के., त्यागी, वी.वी., जेनेटिक इंजीनियर्ड एल्गल व्युत्पन्न बायोएक्टिव यौगिकों का संभावित मार्ग: प्रभावित करने वाले पैरामीटर, चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएँ, फाइटोकेमिस्ट्री रिव्यू, 22 (4), pp. 935-968. DOI: 10.1007/s11101-023-09859-y	आईएसएसएन : 15687767	2023
21.	सिंह, एचएम, शर्मा, एम., त्यागी, वीवी, गोरिया, के., बुद्धि, डी., शर्मा, ए., ब्रूनो, एफ., श्योराण, एस., कोठारी, आर., शैवाल बायोमास संचयन के लिए फ्लोक्यूलेंट के रूप में बायोजेनिक और गैर–बायोजेनिक अपशिष्ट पदार्थों की क्षमता: तंत्र, पैरामीटर, चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं, जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट, 337, 117591. DOI: 10.1016/j.jenvman.2023.117591	आईएसएसएन : 03014797	2023
22.	कोठारी, आर., सिंह, बी., गुल्डे, ए., त्यागी, वी.वी., सिंह, ए., संपादकीय: विषयगत मुद्दा "बायोरिफाइनरियों के लिए जैव–आधारित सामग्री: नवीन प्रक्रियाएँ और अवधारणाएँ" बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी,	आईएसएसएन : 21906815	2023

	13 (9), 7399-7401. DOI: 10.1007/s13399-021-01955-3		
23.	अहमद, एस., कोठारी, आर., पाठक, वी.वी., त्यागी, वी. वी., पांडे, ए.के., सारी, ए., जैट्रोफा कर्कस और क्लोरेला पाइरेनोइडोसा से जैव–तेल की पैदावार बढ़ाने के लिए नए शमन एजेंट के रूप में ंतब्स4 के अनुप्रयोग के साथ प्रतिक्रिया सतह पद्धति–आधारित निष्कर्षण अनुकूलन, बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी, 13 (9), 7585-7599. DOI: 10.1007/s13399-021-01705-5	आईएसएसएन : 21906815	2023
24.	कालिदासन, बी., दीपिका, के., शंकर, आर., पांडे, ए.के., शहाबुद्दीन, एस., कोठारी, आर., अग्रवाल, पी., शर्मा, के., पूर्ण दहन और आंशिक ऑक्सीकरण प्रणाली का उपयोग करके कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट से उत्सर्जन गैस सांद्रता में कमी, जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च (कुवैत), 11 (1), 197-211. DOI: 10.36909/jer.11927	आईएसएसएन : 23071885	2023
25.	सिंह, ए., महाजन, एम., कोठारी, आर., सिंह, एन.के., सिंह, आर.पी., कीटों पर कीटनाशकों की यांत्रिक क्रिया और उपचार रणनीतियों के साथ मछलियों और मानव स्वास्थ्य पर उनका परिणामी प्रभाव, एक्वा वाटर इन्फ्रास्ट्रक्चर, इकोसिस्टम और सोसाइटी, 72 (3), 363-380. DOI: 10.2166/aqua.2023.233	आईएसएसएन : 27098028	2023
26.	सिंह, एचएम, त्यागी, वीवी, कोठारी, आर., सारी, ए. अनुकूलित पोल्ट्री मलमूत्र लीचेट के साथ शैवाल बायोमास वृद्धि पर फोटोबायोरिएक्टर में विभिन्न कोणों का प्रभावः एक बैच–स्केल अध्ययन, किण्वन, 9 (3), 265. DOI: 10.3390/fermentation9030265	आईएसएसएन : 23115637	2023
27.	मल्ला, एम.ए., दुबे, ए., कुमार, ए., पाटिल, ए., अहमद, एस., कोठारी, आर., यादव, एस., आरएसएम और जीसी–एमएस–आधारित मेटाबोलोमिक्स का उपयोग करके एक नए जीवाणु संघ सी3 द्वारा ऑर्गेनोफॉस्फोरस और पाइरेथ्रोइड गिरावट मार्गों का अनुकूलन और स्पष्टीकरण, जर्नल ऑफ द ताइवान इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स, 144, 104744. DOI: 10.1016/j.jtice.2023.104744	आईएसएसएन : 18761070	2023
28.	रैना, एस., कुमारी, के., पठानिया, डी., कोठारी, आर., टिकाऊ भविष्य के लिए सौर तापीय ऊर्जा का उपयोग करके कुशल हाइड्रोजन उत्पादन चुनौतियाँ और दृष्टिकोण, तापीय ऊर्जाः अनुप्रयोग, नवाचार और भविष्य की दिशाएँ, पृष्ठ 246-261. DOI: 10.1201/9781003345558-15	आईएसबीएन : 9781003825111	2023

29.	महाजन, एम., सिंह, ए., सिंह, आरपी, गुप्ता, पी.के., कोठारी, आर., श्रीवास्तव, वी.. सिंचाई जल और उर्वरक के उपयोग से पौधों के स्वास्थ्य, पर्यावरण, विकास और स्थिरता पर होने वाले लाभों और प्रभावों को समझना। DOI: 10.1007/s10668-023-03490-9	आईएसएसएन : 1387585X	2023
30.	सिंह, ए., कोठारी, आर., बाजर, एस., त्यागी, वी.वी., सस्टेनेबल ब्यूटेनॉल बायोफ्यूल्स, सस्टेनेबल ब्यूटेनॉल बायोफ्यूल्स, 1-273।	आईएसबीएन : 9781000884180	2023
31.	सिंह, ए., कोठारी, आर., बजर, एस., त्यागी, वी.वी प्रस्तावना, सतत ब्यूटेनॉल जैव ईंधन, v-viii.	आईएसबीएन : 9781000884180	2023
32.	अहमद, एस., भारती, ए., हक, एम.आई., कोठारी, आर., बायोइकोनॉमीः वर्तमान स्थिति और चुनौतियाँ, सस्टेनेबल ब्यूटेनॉल बायोफ्यूल्स, pp. 57-75. DOI: 10.1201/9781003165408-3	आईएसबीएन : 9781000884180	2023
33.	कोठारी, आर., गोरिया, के., भारती, ए., सिंह, एचएम, पाठक, वी.वी., पाठक, ए., त्यागी, वी.वी., जैव ऊर्जा क्षेत्र के साथ जैव अर्थव्यवस्था के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी–7), सतत ब्यूटेनॉल जैव ईंधन, पृ. 29-56. DOI: 10.1201/9781003165408-2	आईएसबीएन : 9781000884180	2023
34.	कुमारी, एस., कुमार, पी., अशोककुमार, वी., कोठारी, आर., रानी, एस., सिंह, जे., कुमार, वी., ब्यूटेनॉल बायोफ्यूल्सः वर्तमान स्थिति और चुनौतियाँ, सस्टेनेबल ब्यूटेनॉल बायोफ्यूल्स, 76-92. DOI: 10.1201/9781003165408-4	आईएसबीएन : 9781000884180	2023
लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहता			
1.	वर्मा पी, शर्मा बी, मेहता पी. ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादनः पर्यावरणीय स्थिरता पैमाने पर प्रभाव, स्प्रिंगर (स्वीकृत)	आईएसएसएन : 1801-2193	2024
2.	राय, एस.के., धर, एस., कौर, जी., साहू, आर., कुमार, ए., पठानिया, डी., मेहता, पी., कुमार, डी., हप्तल ग्लेशियर, निचले चिनाब बेसिन, जम्मू और कश्मीर, भारत का बहु–पैरामीट्रिक विश्लेषणः एक रिमोट सेंसिंग दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 133 (2), 72. DOI: 10.1007/s12040-024-02290-7	आईएसएसएन : 23474327	2024
3.	तालूर, ए.के., शर्मा, एस., शर्मा, डी., चिब, आर., जसरोटिया, आर., गुप्ता, एस., कोठियारी, जीसी, मेहता, पी., काले, आर.वी., भारत के तवी बेसिन में भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके बाढ़ के खतरों के आकलन के लिए एमएफएफपीआई का अनुमान, जियोसिस्टम और जियोएनवायरनमेंट, 3 (1), 100233. DOI: 10.1016/j.geogeo.2023.100233	आईएसएसएन : 27728838	2024

4.	शर्मा बी, मेहता पी, वर्मा पी. जनसंख्या की सामाजिक–आर्थिक स्थिति के आधार पर जम्मू शहर के नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के भौतिक लक्षण वर्णन पर एक अध्ययन। कर्र वर्ल्ड एनवायरन 2023;18(3)	आईएसएसएन : 4929-0973	2023
5.	तालूर, ए.के., बाला, ए., मेहता, पी., भारत के जम्मू मैदानों में मानव स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन और भूजल का प्रदूषण सूचकांकः एक भू–स्थानिक दृष्टिकोण, केमोस्फीयर, 313, कला. सं. 137329. DOI: 10.1016/j.chemosphere.2022.137329	आईएसएसएन : 00456535	2023
6.	थपलियाल, ए., किमोथी, एस., तालूर, ए.के., बिष्ट, एमपीएस, मेहता, पी., कोठियारी, जीसी, भारत के मध्य हिमालय के माना बेसिन में सतोपंथ (एसपीजी) और भागीरथी–खड़क (बीकेजी) ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के संदर्भ में ग्लेशियर पीछे हटने का विश्लेषणः एक भू–स्थानिक दृष्टिकोण, जियोसिस्टम और जियोएनवायरनमेंट, 2 (1), 100128. DOI: 10.1016/j.geogeo.2022.100128	आईएसएसएन : 27728838	2023
डॉ. श्वेता यादव			
1.	वर्गीस, ई., कृष्णमूर्ति, एस., पटेल, ए., थझेकोमत, एच., कुमारी, के., भट्टाचार्य, बी.के., कुंडू, एस.एस., गोस्वामी, जे., वर्मा, आर.एस., रघुनाथन, आर., यादव, एस., गुंथे, एस.एस., फसलों पर फंगल बायोएरोसोल और जैविक तनाव के बीच संबंधः गेहूं के जंग कवक पर एक केस स्टडी, जर्नल ऑफ प्लांट डिजीज एंड प्रोटेक्शन, 131 (3), 823-833. DOI: 10.1007/s41348-024-00868-3	आईएसएसएन : 18613829	2024
2.	जोस, सी., सिंह, ए., कलकुरा, के.एन., जोस, जी.वी., श्रीवास्तव, एस., अम्मिनी, आर.के., यादव, एस., रविकृष्ण, आर., एंड्री, एम.ओ., मार्टिन, एस.टी., लियू, पी., गुंथे, एस.एस., पीजोइलेक्ट्रिक तकनीक द्वारा परिवेशी एरोसोल कणों के जटिल हाइग्रोस्कोपिक व्यवहार का पता लगाया गया, ए.सी.एस. अर्थ एंड स्पेस केमिस्ट्री, 8 (5), 983-991. DOI:	आईएसएसएन : 24723452	2024
3.	कुमार, सी., डोगरा, ए., कुमारी, एन., यादव, एस., टंडन, ए., विभिन्न जलवायु उप–क्षेत्रों में भारतीय शहरों में बहु–समय–पैमाने पर सतही ओजोन जोखिम और उससे जुड़ी समयपूर्व मृत्यु दर, वायु गुणवत्ता, वातावरण और स्वास्थ्य। DOI: 10.1007/s11869-024-01547	आईएसएसएन : 18739318	2024
4.	महंत, एस., यादव, एस., गिल्बर्ट, सी., केजरगार्ड, ईआर, जेन्सन, एमएम, केसलर, टी., बिल्ड, एम., पेटर्स, एमडी, अनुसंधान और शिक्षण के लिए एक ओपन–हार्डवेयर समुदाय आइस न्यूक्लियेशन कोल्ड स्टेज, हार्डवेयरएक्स, 16, e00491. DOI:	आईएसएसएन : 24680672	2023

5.	शर्मा, के. और यादव, एस., "जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी और फील्ड सेंसर का उपयोग करके वायु गुणवत्ता निगरानी" स्प्रिंगर नेचर बुक "पर्यावरण प्रदूषण मॉडलिंग के लिए जियोस्पेशियल एनालिटिक्स" में।	आईएसबीएन : -978 4-45299-031-3	2023
डॉ. दिनेश कुमार			
1.	लॉकडाउन अवधि के दौरान शहरी जल गुणवत्ता और कोविड–19: घग्गर नदी, पंजाब, भारत का एक केस स्टडी, शहरी जल जर्नल	आईएसएसएन : 1744-9006	2024
2.	हाप्तल ग्लेशियर, लोअर चिनाब बेसिन, जम्मू और कश्मीर, भारत का बहु–पैरामीट्रिक विश्लेषण, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस	आईएसएसएन : 0253-4126	2024
3.	हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल घटनाओं के मॉडलिंग में प्रयुक्त उपकरण और तकनीक, आईजीआई ग्लोबल	978-1-6684-8771-6	2024
4.	2013 उत्तर भारतीय बाढ़ एक केस स्टडी: तबाही और लचीलेपन की कहानी, आईजीआई ग्लोबल	9781668487716	2024
5.	उष्णकटिबंधीय चक्रवात: इसके प्रभाव और भविष्यवाणी, पीके प्रकाशक और वितरक	978-93-92239-58-8	2023
6.	कैनबिस सैटिवा और जलवायु परिवर्तन से निपटने की इसकी क्षमता: कैनबिस और इसके व्युत्पन्नों के स्थायी लाभों का खुलासा, आईजीआई ग्लोबल	9781668457184	2023
7.	भारतीय क्षेत्र में भारी वर्षा की घटना के पूर्वानुमान के लिए एचआरएलडीएएस का उपयोग करके मिट्टी की नमी और मिट्टी के तापमान का आत्मसात, पर्यावरण, औषध विज्ञान और जीवन विज्ञान बुलेटिन, पर्यावरण, औषध विज्ञान और जीवन विज्ञान बुलेटिन, खंड	आईएसएसएन : 2277-1808	2023
8.	भारतीय क्षेत्र में भारी वर्षा के लिए 3डी–वार तकनीक का उपयोग करते हुए सैटेलाइट रेडिएशन एसिमिलेशन, द साइंटिफिक टेम्पर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नलय वॉल्यूम 13 (2): 425–431।	आईएसएसएन : 09768653	2023
9.	पंजाब, भारत में स्वास्थ्य जोखिम से जुड़े कुल वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की सांद्रता का वितरण और अस्थायी भिन्नता, रासायनिक और पर्यावरण इंजीनियरिंग में केस स्टडीज य खंड–8:1–10.	आईएसएसएन : 2666-0164	2023
10.	भारतीय उपमहाद्वीप में जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाएँ, पीके प्रकाशक और वितरक	978-93-92239-58-8.	2023
डॉ. अंकित टंडन			
1.	कुमार, सी., टंडन, ए., भारत के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में सतह के निकट ओजोन की सांद्रता, स्रोतों और प्रक्रियाओं में बहु–कालिक पैमाने की गतिशीलता को समझना, पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान। DOI: 10.1007/s11356-024-33470-z	आईएसएसएन : 09441344	2024

2.	कुमार, सी., डोगरा, ए., कुमारी, एन., यादव, एस., टंडन, ए., विभिन्न जलवायु उप–क्षेत्रों में भारतीय शहरों में बहु–समय–पैमाने पर सतही ओजोन जोखिम और उससे जुड़ी समयपूर्व मृत्यु दर, वायु गुणवत्ता, वातावरण और स्वास्थ्य। DOI: 10.1007/s11869-024-	आईएसएसएन : 18739318	2024
3.	डोगरा, ए., कुमार, सी., टंडन, ए., भारत में वर्षा की विशेषताओं में बहु–कालिक विविधताओं का मूल्यांकन करने के लिए उन्नत और संशोधित पारंपरिक प्रवृत्ति विधियों का उपयोग, सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, 155 (1), pp. 371-397. DOI:	आईएसएसएन : X0177798	2024
4.	डोगरा, ए., ठाकुर, जे., टंडन, ए., क्या उपग्रह–आधारित उत्पाद डेटा–विरल जटिल भूभागों पर वर्षा के अवलोकन के लिए पर्याप्त हैं? उत्तर–पश्चिमी हिमालय से साक्ष्य, पर्यावरण की रिमोट सेंसिंग, 299, 113855. DOI:	आईएसएसएन : 00344257	2023

अनुसंधान परियोजनाओं/अनुदानों का विवरण

स्वीकृति का वर्ष	वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की स्थिति
2023-2028	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ((एसआर/पीयूआरएसई/2023/204) ''विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना (पीयूआरएसई)'' अनुदान जिसका शीर्षक है ''जम्मू क्षेत्र में डंपिंग स्थलों पर ड्रोन प्रौद्योगिकी आधारित वास्तविक समय वायु प्रदूषण ऑनलाइन निगरानी – अभिनव बायोमटेरियल का उपयोग करके अवशोषण और सेंसर अनुप्रयोग''य सह–समन्वयकः डॉ. श्वेता यादवय राशिः 6.5 करोड़ रुपये।	जारी है
2021-2024	राष्ट्रीय विकास फाउंडेशन और वन्यजीव विभाग, जम्मू और कश्मीरः "पीआरआई आधारित भू–संदर्भित जैव विविधता मूल्यांकन, किश्तवाड़ उच्च ऊंचाई राष्ट्रीय उद्यान (केएचएएनपी) के वन्य वनस्पतियों और जीवों का दस्तावेजीकरण और संरक्षण योजनाय प्रमुख अन्वेषकः प्रो. सुनील धर राशिः 20 लाख रुपये	जारी है
सितंबर–नवम्बर 2021	सीपीसीबीः "खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन की वार्षिक सूची के यादृच्छिक सत्यापन पर परियोजना" मुख्य अन्वेषकः लेफ्टिनेंट डॉ. पंकज मेहताय राशि 2,88,000/- रुपये	पुरा होना।
मार्च 2021-2026	अनुसंधान विभाग में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लेवल - I, एफआईएसटी कार्यक्रम–2020	जारी है
2020-2023	जेकेपीसीसीः "जम्मू/श्रीनगर के एनएसी में एरोसोल का स्रोत विभाजन और वहन क्षमता" (चरण I) मुख्य अन्वेषकः डॉ. श्वेता यादव राशिः INR: 2,18,76,000)	पुरा होना।
2023-2027	इंडो–स्विस संयुक्त अनुसंधान अनुदान, एसएनएसएफ–एमओईएसः "उत्तर–पश्चिमी हिमालय में आईसीई न्यूक्लियेटिंग कण और बादल संघनन नाभिक गुण (आईसीई–क्रंच)"य मुख्य अन्वेषकः डॉ. श्वेता यादव राशिः सीएचएफ 349,925 और 1.5 करोड़ रुपये	जारी है

2022-2025	डीएसटी–एसईआरबीः "वाहन उत्सर्जन और स्वास्थ्य प्रभावों का भू–स्थानिक मॉडलिंग और विश्लेषणः जम्मू का एक केस स्टडी"य मुख्य अन्वेषकः डॉ. दिनेश कुमारय राशिः 45 लाख रुपये।	जारी है
2023-2026	डीएसटी–एसईआरबी सीआरजीः "उत्तर–पश्चिमी हिमालय के धौलाधार क्षेत्र में द्वितीयक अकार्बनिक एरोसोल का ऊष्मागतिक विकास"य मुख्य अन्वेषकः डॉ. अंकित टंडनय राशिः 55.29,120 रुपये	जारी है

प्राणि विज्ञान विभाग

एनईपी 2020 के अनुरूप जूलॉजी विभाग का पाठ्यक्रम बहुविषयक शिक्षा पर जोर देता है। यह व्यावहारिक अनुभव, डिजिटल संसाधनों, पारंपरिक भारतीय ज्ञान और स्थिरता पर केंद्रित है। ऐच्छिक विषयों में लचीलापन, उद्योग संबंध, निरंतर मूल्यांकन और कौशल विकास छात्रों को प्राणि विज्ञान में विविध करियर के लिए तैयार करते हैं। विभाग समय–समय पर आमंत्रित व्याख्यान, छात्र कार्यक्रम, सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन करता है ताकि उत्कृष्टता का केंद्र बनने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। प्राणि विज्ञान के संकाय जीवंत, उत्साही, मेहनती और गतिशील कार्यकर्ताओं की एक टीम है जो शिक्षा और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हुए कड़ी मेहनत, अनुशासन, स्वतंत्रता और व्यावहारिकता का माहौल प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, एक टीम के रूप में एक साथ मिलकर एक मन से काम करते हैं और प्राणि विज्ञान के अनुसंधान और शिक्षा के साथ–साथ देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान देते हैं।

संकाय विवरणः

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. अशोक कुमार यादव	विभागाध्यक्ष, सह आचार्य	प्रोबायोटिक, माइक्रोबियल मेटाबोलाइट्स, आंत–मस्तिष्क अक्ष
2	डॉ. धनंजय कुमार	सह आचार्य	स्तनधारियों का सर्केडियन जीव विज्ञान, सूजन और फाइब्रोसिस, माइटोकॉन्ड्रियल बायोएनर्जेटिक्स
3	डॉ. श्वेताम्बरी जसरोटिया	सहायक आचार्य	जलीय जीव विज्ञान, जलीय कृषि, मत्स्य पालन, पारिस्थितिकी प्रभाव आकलन
4	डॉ. अंजलि धर	सहायक आचार्य	कीट विज्ञान, कीट जैव विविधता और संरक्षण, पर्यावरण क्षरण
5	डॉ विनीता शर्मा	सहायक आचार्य	पशु वर्गीकरण, व्यवस्थित विज्ञान और व्यवहार, वन्यजीव संरक्षण जीवविज्ञान
6	डॉ. स्टैनज़िन लाडोल	सहायक आचार्य	तंत्रिका जीव विज्ञान

विभाग में अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सेमिनार / कार्यशालाएं / वेबिनार आयोजित किए गए

- सतत विकास के लिए जैविक विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2024- आईसीएबीएसएसडी)

  प्राणि शास्त्र विभाग ने 1 से 2 मार्च 2024 तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक ब्लॉक में सतत विकास के लिए जैविक विज्ञान में प्रगति पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएबीएसएसडी – 2024 का आयोजन किया । इस भव्य कार्यक्रम में देश–विदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, उद्यमियों और औद्योगिक व्यक्तियों ने भाग लिया।

डीएसटी एसईआरबी प्रायोजित उच्च स्तरीय कार्यशाला, 2024, ''वन्यजीव संरक्षण जीव विज्ञान अनुसंधान में पशु वर्गीकरण तकनीकों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करना'' पर

14 से 21 मार्च, 2024 तक आईआईसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से "वन्यजीव संरक्षण जीव विज्ञान अनुसंधान में पशु वर्गीकरण तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करना" विषय पर आठ दिवसीय डीएसटी–एसईआरबी प्रायोजित उच्च स्तरीय कार्यशाला (कार्यशाला) का आयोजन किया । प्राणी विज्ञान अध्ययन और अनुसंधान में शास्त्रीय वर्गीकरण और डिजिटल हस्तक्षेप से लेकर विभिन्न तकनीकों को शामिल करते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। पूरे भारत से आठ दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए घराना वेटलैंड कंजर्वेशन रिजर्व और जम्बू चिड़ियाघर का दौरा आयोजित किया गया।

संकाय उपलब्धियां

डॉ. अशोक कुमार यादव सह आचार्य ने 18 जुलाई 2024 को यूजीसी–एमएमटीटीसी, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर यूटी द्वारा आयोजित अभिवीन्यास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. अशोक कुमार यादव सह आचार्य ने आईडीपी, एनएएचईपी के सहयोग से 10 से 14 दिसंबर 2023 तक एसकेयूएएसटी जम्मू के माइक्रोबायोलॉजी विभाग, संकाय बेसिक साइंसेज द्वारा आयोजित औद्योगिक रोगाणुओं के अलगाव और पहचान के लिए आधुनिक विश्लेषणात्मक तकनीकों पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. श्वेतांबरी जसरोटिया, सहायक आचार्य को 05–06–2023 को विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर "वैश्विक पर्यावरण में बदलते पाठ्यक्रमः चुनौतियां और समाधान" विषय पर 03 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा कांग्रेस ऑफ जूलॉजी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया और कश्मीर विश्वविद्यालय में 34वें अखिल भारतीय जूलॉजी कांग्रेस का आयोजन किया गया।

डॉ. विनीता शर्मा, सहायक आचार्य ने "वन्यजीव संरक्षण जीव विज्ञान अनुसंधान में पशु वर्गीकरण तकनीकों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करना" विषय पर एक कार्यशाला उच्च स्तरीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए त्वरित विज्ञान योजना के तहत भारत सरकार के डीएसटी एसईआरबी से 500000 रुपये का अनुदान प्राप्त किया है।

डॉ. विनीता शर्मा, सहायक आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग ने 19–20 फरवरी 2024 को एसकेयूएएसटी–जम्मू आरएस पुरा, जम्मू द्वारा आयोजित वन्यजीव–घरेलू इंटरफेस में वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान दिए।

अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	अन्वेषक का नाम	परियोजना नम्बर	वितपोषण एजेंसी	परियोजना का शीर्षक और अवधि (शुरूआत और समाप्ति तिथि)	स्वीकृत राशि
1.	डॉ. अशोक कुमार यादव	परियोजना संख्या 61/04/2022/आईएमएम/बीएमएस. दिनांक : 05/01/2023	आईसीएमआर, नई दिल्ली	डर्माटाइटिस और एक्ने वल्गेरिस के विरुद्ध लैक्टोबैसिली के प्रोबायोटिक स्ट्रेन से प्राप्त बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं की सुरक्षात्मक भूमिका की जांच करना (आरंभ तिथि 19/01/2023 से 18/01/2026 तक समाप्ति तिथि)	रू. 56,07,000/–
2.	डॉ. श्वेताम्बरी जसरोटिया	परियोजना संख्या JKST&IC/J/14/2022/453&57	जेकेडीएसटी, भारत सरकार	जम्मू की चिनाब नदी की कुछ मछलियों का आकारमितीय और आणविक लक्षण वर्णन। (आरंभ करने की तिथि 01/04/2024 से 31/03/2026 तक)	रू. 6,00,000/–

वनस्पति विज्ञान विभाग

2016 में स्थापित जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण शिक्षण और अग्रणी अनुसंधान करने के लिए समर्पित है। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के साथ–साथ भारत के विभिन्न हिस्सों से 150 से अधिक छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा किया है। उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और अभिनव अनुसंधान के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रतिबद्धता ने स्थानीय क्षेत्र और पूरे भारत से छात्रों को आकर्षित किया है। वनस्पति विज्ञान के ज्ञान को आगे बढ़ाने और वनस्पति विज्ञानियों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करने के लिए संकाय का समर्पण एक उत्तेजक शैक्षणिक वातावरण बनाता है, जो जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग को वनस्पति विज्ञान अन्वेषण और नवाचार का केंद्र बनाता है।

संकाय विवरणः

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	प्रो. बी.एस. भाऊ	आचार्य	पादप जैव प्रौद्योगिकी, आणविक मार्कर, आनुवंशिक विविधता, पादप आनुवंशिक परिवर्तन, पादप ऊतक संवर्धन, पीजीपीआर
2.	डॉ. योगेश कुमार	सह आचार्य	पादप विषाणु विज्ञान, आणविक जीव विज्ञान, मेजबान–विषाणु अंतःक्रिया
3.	डॉ. दीपक भारद्वाज	सह आचार्य	तनाव जीवविज्ञान
4.	डॉ. सामंथा वैष्णवी	सहायक आचार्य	पादप कोशिका–आनुवंशिकी, आनुवंशिकी
5.	डॉ. विकास श्रीवास्तव	वरिष्ठ सहायक आचार्य	पादप जैवप्रौद्योगिकी और आणविक जीवविज्ञान, पादप–पर्यावरण अंतःक्रिया, पादप ऊतक संवर्धन, पादप विशिष्ट चयापचय।
6.	डॉ. अशोक कुमार	सहायक आचार्य	पौधों का वर्गीकरण, पौधों की विविधता वितरण और पारिस्थितिकी, डीएनए बारकोडिंग, तनाव शरीर क्रिया विज्ञान,

संकाय उपलब्धियां

डॉ. विकास श्रीवास्तव		**प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं (अन्य)** • रॉयल सोसाइटी में 'इम्पीरियल कॉलेज बिजनेस विद्यालय' के साथ साझेदारी में आयोजित 'रॉयल सोसाइटी लीडरशिप इफेक्टिवनेस कोर्स' में भाग लिया (7-9 जून, 2023) • रॉयल सोसाइटी, लंदन में रॉयल सोसाइटी न्यूटन इंटरनेशनल फेलो इंडक्शन डे में भाग लिया (31 मई, 2023)

		वैज्ञानिक समितियों में सदस्य • एमआरएसबी, सदस्य रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी, यूके।

संकाय प्रकाशनः

	क्र.सं.	आलेख / पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
डॉ. विकास श्रीवास्तव	1	प्लांट-पैथोजन इंटरएक्शन (ईडीएस. प्रवीण के वर्मा, सोनल मश्रा, वकास श्रीवास्तव, शक्ति मेहरोत्रा), स्प्रिंगर (2024, 978-981-99-4889-5).	978-981-99-4889-5	2024
	2	कुमारी, एम., चेकर, वी.जी., कठप लया, आर., श्रीवास्तव, वी., संघ, ऐ.के. एंड संघ, ए., 2024. मेटाबॉ लक इंजीनियरिंग फोर एनहैन्स्ड टेरपेनायड प्रोडक्शनः लीवरेजिंग न्यू हॉराइजन्स वद एन ओल्ड तकनीक. प्लांट फजियोलॉजी एंड बायोके मस्ट्री, पी.108511.	0981-9428	2024
	3	बगल, डी., चौधरी, ए.ए., मेहरोत्रा, एस*., मश्रा, एस*., राठोर, एस. एंड श्रीवास्तव, वी*. 2023. मेटाबॉ लक इंजीनियरिंग इन हेरी रूट्सः ऐन आउटलुक ओन प्रोडक्शन ऑफ़ प्लांट सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स. प्लांट फजियोलॉजी एंड बायोके मस्ट्री, पी.107847.	0981-9428	2023
	4	मश्रा एस, मेहरोत्रा एस एंड श्रीवास्तव वी* (2023) ए डटोरियलः स्ट्रेस-मी डएटेड रेगुलेशन ऑफ़ प्लांट स्पेशलाइज्ड मेटाबो लज्म. फ्रंट. प्लांट एससीआई. 14:1290281.	1664462X.	2023

		डीओआई: 10.3389/एफपीएलएस.2023.1290281		
	5	राय जीके*, मश्रा एस, चौहान आर्, मुश्ताक एम, चौधरी एए, राय पीके, कुमार आरआर, कुमार पी, पेरेज-अल्फो सया एफ, कोल्ला जी, कारडारेली एम*, श्रीवास्तव वी* एंड गांधी एसजी* (2023) प्लांट सै लनिटी स्ट्रेस, सें संग, एंड आईटीएस मटिगेशन थ्रॉग वुर्की. फ्रंट. प्लांट एससीआई. 14:1238507. डीओआई: 10.3389/ एफपीएलएस.2023.1238507	1664462X.	2023
	6	मेहरोत्रा, एस., मश्रा, एस. एंड श्रीवास्तव, वी., 2024. प्लांट–पैथोजन इंटरएक्शंस स्टडीज: कॉम्बिनेटोरियल एप्रोच एंड मल्टी ड सप्लीनरी बेनि फट्स. आईएन प्लांट पैथोजन इंटरएक्शन (पीपी. 3-9). संगापुर: स्प्रिंगर नेचर संगापुर.	978-981-99-4889-5	2024
	1	प्लांट-पैथोजन इंटरएक्शन (ईडीएस. प्रवीण के वर्मा, सोनल मश्रा, वकास श्रीवास्तव, शक्ति मेहरोत्रा), स्प्रिंगर (2024, 978-981-99-4889-5).	978-981-99-4889-5	2024
	3	बगल, डी., चौधरी, ए.ए., मेहरोत्रा, एस*., मश्रा, एस*., राठोर, एस. एंड श्रीवास्तव, वी*. 2023. मेटाबॉ लक इंजीनियरिंग आईएन हेरी रूट्स: ऐन आउटलुक ओन प्रोडक्शन ऑफ़ प्लांट सेकेंडरी मेटाबोलाइट्स. प्लांट फजियोलॉजी एंड बायोके मस्ट्री, पी.107847.	0981-9428	2023
	1	पी. लागेर, जे. शर्मा, व़ाइ. कुमार. फर्स्ट	2044-0588	2023

डॉ. योगेश कुमार		रिपोर्ट ऑफ़ ए बेगोमोवायरस एंड एसो सएटेड बेटासैटेलाइट काठ संग येल्लो वीनमोसैक डसीज ऑफ़ सेलो सया क्रस्टाटा. न्यू डसीज रिपोर्ट्स(2023) 48, ई12211 1-4		
	2	पी. लागेर, जे. शर्मा एंड व़ाइ. कुमार. इंटीग्रेशन ऑफ़ ट्रांस क्रप्टो मक एप्रोचेज टॉवर्ड्स अंडरस्टैं डंग बेगोमोवायरस इन्फेक्शन आईएन प्लांट्स. आईएनटी. जे. सीयूआरआर. माइक्रोबायोल. एपीपी. एससीआई. (2023)12(08): 196-206	2319-7706	2023
	3	पी. लागेर एंड व़ाइ. कुमार. अल्टरेशंस आईएन बायोके मकल कंपोनेंट्स ऑफ़ बिटर गोर्ड, स्पौंज गोर्ड, एंड ओकरा प्लांट्स इन्फेक्टेड वथ टोमेटो लीफ कर्ल न्यू दिल्लीड वायरस. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड एना लटिकल रिव्यूज (2023) 10(3): 633-648	2349-5138	2023
	4	पी. लागेर एंड व़ाइ. कुमार. मॉ लक्यूलर कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ ए बेगोमोवायरस एसो सएटेड वथ लीफ क्रम्प लंग एंड सेवेरे मोज़ैक डसीज ऑफ़ बेल पेपर. ऑस्ट्रेले शयन प्लांट डसीज नोट्स (2023) 18:32 (1-7)	1833-928X	2023
	5	जीनोम ए डटिंग ईन क्रॉप इम्प्रूवमेंट, नोवा पब्लिशर्स आईएनसी. न्यू यॉर्क	979-8886977400	2023
	6	ऍन्. संघ, वी. मौर्य, ऐ. शर्मा, व़ाइ. कुमार, आर्. कुमार, एंड ए. शर्मा. कॉम्बिनेशन्स ऑफ़ पीजीपीआर् वद ओदर सोइल माइक्रो- एंड मैक्रो-ऑर्गनिज्म्स फोर इम्प्रूव्ड स्ट्रेस टॉलरेंस आईएन प्लांट्स. ईन: पीजीपीआर् (प्लांट ग्रोथ प्रमोटिंग राइजोबैक्टीरिया) फोर प्लांट स्ट्रेस	979-8891131606	2023

		मैनेजमेंट. नोवा साइंस पब्लिशर्स, आईएनसी. पीपी 83-107		
	7	ए. शर्मा, ए. शर्मा, ए. शर्मा, व़ाइ. कुमार, पी. शर्मा, आर. भारद्वाज & ऐ. शर्मा. पॉलीफेनॉल फाइटोएलेक्सिन्स ऐस दी डटर मनेंट्स ऑफ़ प्लांट डसीज रेजिस्टेंस. ईन: प्लांट फनो लक्स ईन बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट. स्प्रिंगर, संगापुर पीपी 243–274	978-981-99-3333-4	2024
डॉ. अशोक कुमार	1	अ मत कुमार, वनोद कुमार एंड्र ईएस रोड्रिगुएज-सेइजो, राज सेतिया, सु मत संह, अशोक कुमार, चंद्र शेखर सेठ, रेनाटो सोम्मा एप्रेजल ऑफ़ हेवी मेटल(लोइड)एस कंटै मनेशन ईन राइस ग्रेन एंड एसो सएटेड हेल्थ रिस्क्स जर्नल ऑफ़ फूड कंपोजिशन एंड एना ल सस131 106215 हेच्टीटीपीएस:/डीओआई.ओआरजी/10.1016/जे.जेएफसीए.2024.106215	0889-1575	2024
	2	अंचल ठाकुर, रु चका कुमारी, अशोक कुमार एंड आशुन चौधरी. क्वांटिटेटिव एथनोबोटैनिकल स्टडी ऑफ़ मे ड सनल प्लांट्स यूज्ड बाई नेटिव पयोपल ऑफ़ सेलेक्टेड एरियास ऑफ़ छोटा बंगाल, हिमाचल प्रदेश. एथनोबोटनी रिसर्च एंड एप्लिकेशन्स 28:46 हेच्टीटीपी:/डीऍक्स्.डीओआई.ओआरजी/10.32859/ईआरए.28.46.1-29	1547-3465	2024

छात्रों की उपलब्धिः–

1. अबीश हंसा– गेट, 2024

2. उमेश जादू– नेट-जेआरएफ, 2024

ज्ञान, प्रबंधन विद्यालय, सूचना एवं मीडिया अध्ययन

जनसंचार और नवीन मीडिया विभाग

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग, संचार और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के अध्ययन और अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करता है। यह अंतःविषय क्षेत्र पारंपरिक मीडिया (जैसे टेलीविजन, रेडियो और प्रिंट) को सोशल मीडिया, डिजिटल पत्रकारिता और ऑनलाइन सामग्री निर्माण सहित नए मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत करता है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को विकसित मीडिया परिदृश्य को नेविगेट करने और आकार देने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है।

अपनी स्थापना के बाद से ही विभाग मीडिया और संचार में उत्कृष्टता का केंद्र बनने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, जिससे संचार पेशेवरों की एक मजबूत टीम तैयार हो रही है जो तेजी से विकसित हो रहे और गतिशील मीडिया जगत का नेतृत्व कर सकें। एमसीएनएम लगातार बदलती उद्योग मांगों और मीडिया परिदृश्य के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए नियमित रूप से अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रहा है और शिक्षण और पाठ्यक्रम में सुधार कर रहा है।

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग का लक्ष्य भविष्य के नेताओं, रचनात्मक विचारकों और प्रभावी संचारकों को तैयार करना है जो विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। विभाग लगातार छात्रों को एक व्यापक और आकर्षक सीखने का अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है जो सिद्धांत और व्यवहार को जोड़ता है, उन्हें जनसंचार के निरंतर विकसित क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करता है। वर्तमान में, डब्छड जनसंचार, मीडिया और पत्रकारिता के क्षेत्र में पूर्णकालिक 2–वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम और डॉक्टरेट अनुसंधान कार्यक्रम चला रहा है। जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग का अत्याधुनिक पाठ्यक्रम सिद्धांत और व्यवहार का एक आदर्श मिश्रण है, जो मीडियाध्संचार व्यवसायों की अगली पीढ़ी को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करता है जो मीडिया क्षेत्रों की विस्तृत श्रृंखला में नेताओं के रूप में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम हैं।

डॉक्टरेट कार्यक्रम विभिन्न अत्याधुनिक विषयों पर शोध को बढ़ावा देता है, जिनका तत्काल शैक्षणिक, औद्योगिक और सामाजिक निहितार्थ है। एमए (मास कम्युनिकेशन और न्यू मीडिया) डिग्री प्रोग्राम शिक्षार्थियों को मीडिया, संचार सिद्धांतों, पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया, जनसंपर्क और बहुत कुछ की पेचीदगियों की गहरी समझ प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। आकर्षक व्याख्यानों, व्यावहारिक कार्यशालाओं, वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं और उद्योग के साथ बातचीत के संयोजन के माध्यम से, छात्रों को मीडिया और संचार की दुनिया में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त होगी। कार्यक्रम छात्रों के बीच आलोचनात्मक सोच के अधिग्रहण को बढ़ावा देने का प्रयास करता है ताकि वे संचार के सभी रूपों में अर्थों के उत्पादन, ग्रहण और निर्माण के बीच के संबंध को समझ सकें।

विभाग के समर्पित और अनुभवी संकाय सदस्य विशेषज्ञता और विशेषज्ञता की एक विस्तृत श्रृंखला लेकर आते हैं। डब्छड शिक्षण के छात्र केंद्रित दृष्टिकोण का पालन करता है, छात्रों को एक उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करता है जहाँ वे 1) पारंपरिक से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक मीडिया के विभिन्न रूपों का पता लगाते हैं, 2) मजबूत कहानी कहने और सामग्री निर्माण कौशल विकसित करते हैं, 3) मीडिया नैतिकता, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और जिम्मेदार संचार के बारे में सीखते हैं, 4) परियोजनाओं, इंटर्नशिप

और मीडिया संगठनों के साथ सहयोग के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं, और 5) मीडिया संदेशों को प्रभावी ढंग से बनाने और उनका विश्लेषण करने के लिए महत्वपूर्ण सोच क्षमता विकसित करते हैं। यह हमारे छात्रों को न केवल उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में सक्षम बनाता है, बल्कि नवाचार और उद्यमिता की भावना भी पैदा करता है। डब्छड में समर्पित और अनुभवी संकाय न केवल छात्रों को प्रभावी पेशेवरों में बदलने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान कर रहे हैं, बल्कि उन्हें नैतिकता, शिक्षा, राष्ट्रवाद, सत्य, सेवा और नवाचार के मजबूत मूल्यों वाले जिम्मेदार और चिंतित नागरिक के रूप में विकसित करने का प्रयास भी कर रहे हैं। डब्छड के संकाय सफल मीडिया उपक्रमों और स्टार्टअप में उनके अभिनव विचारों का समर्थन, पोषण और विकास करने के लिए उपयुक्त तंत्र विकसित करने पर भी उत्सुकता से काम कर रहे हैं। विभाग के पूर्व छात्र नवप्रवर्तक, निर्माता, संपादक, कहानीकार, प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में काम करते हैं तथा कई अन्य भूमिकाएं निभाते हैं और विभिन्न मीडिया तथा संबद्ध संगठनों में रोजगार पाते हैं।

संकाय विवरण :

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. अभय एसडी राजपूत	सह आचार्य और विभागाध्यक्ष	विज्ञान संचार, एसटीएस, विज्ञान पत्रकारिता
2	डॉ. उमेश कुमार	सह आचार्य	संचार, विज्ञापन और जनसंपर्क, मीडिया अनुसंधान
3	डॉ. बच्चा बाबू	सहायक आचार्य	विकास संचार, दृश्य–श्रव्य मीडिया
4	श्री राशिद अली	सहायक आचार्य	नया मीडिया
5	श्री मनीष प्रकाश	सहायक आचार्य	नया मीडिया, सिनेमा अध्ययन, लोकप्रिय संस्कृति

संकाय प्रकाशन

डॉ. उमेश कुमार

क्र.सं.	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन/आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1.	पाणिनि रचित अष्टाध्याय मे भाषा संचार कला का विधान	संचार माध्यम जर्नल, आईआईएमसी, नई दिल्ली 2321-2608	2024
2.	एडवांस्ड एडर्वटीज़मैंट	बिंब–प्रतिबिंब प्रकाशन नई दिल्ली 978-93-91562-80-9	सितंबर 2023
3.	मीडिया : सूचना बनाम मनोरंजन	संवाद पथ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, नई दिल्ली 2581-7353	2023

श्री मनीष प्रकाश

क्र.सं.	आलेख/पुस्तक का शीर्षक	आई आई एस एन /आर आई एन /आई एस बी एन सं.	प्रकाशन वर्ष
1	जम्मू और कश्मीर के ग्रामीण क्षेत्र में कोरियाई मनोरंजन मीडिया की पैठ	2249-2976	2023

अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय

संकाय/कर्मचारी सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता
1	प्रो. रितु बक्शी	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	
2	डॉ. विनय कुमार	सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण	
3	श्री मुकेश कुमार	एलडीसी	

अधिष्ठाता छात्र कल्याण के अधीन कार्यक्रम 2023–24			
क्र.सं.	आयोजन	दिनांक	तस्वीरें
1	उड़ान–2023	26.04.2023 से 28.04.2023	
4	अखिल भारतीय शिक्षा समागम	29.07.2023 से 30.07.2023	
5	मेरी माटी मेरा देश	13.10.2023 से 30.10.2023	
6	हर घर तिरंगा 2023	14.08.2023	

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट

Departements	Placed Students
HR	20
Media	37
Operations	43
Sales and Marketing	63
Retail	70

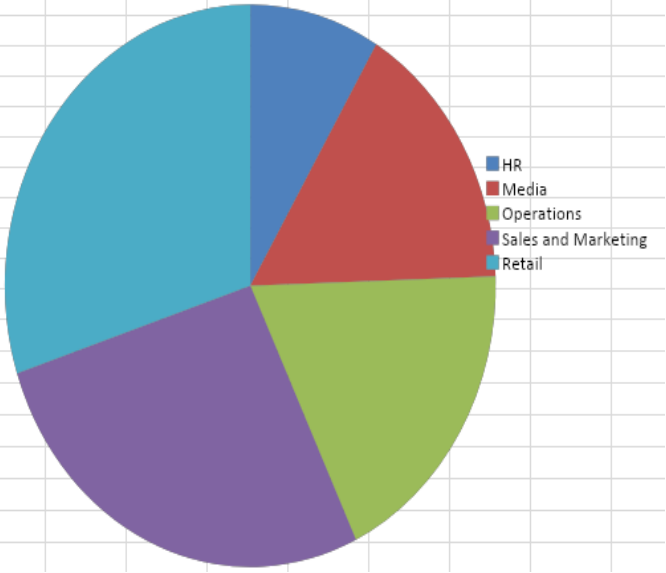

परीक्षा स्कंध

वर्ग	उपस्थिती	उत्तीर्ण
सामान्य	346	330
ईडब्ल्यूएस	14	14
ओबीसी	160	150
एससी	82	74
एसटी	29	25
	631	593

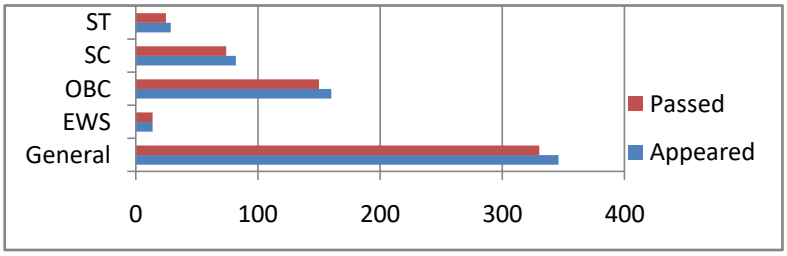

लिंग	उपस्थिती	उत्तीर्ण
पुरूष	298	285
स्त्री	333	308
	631	593

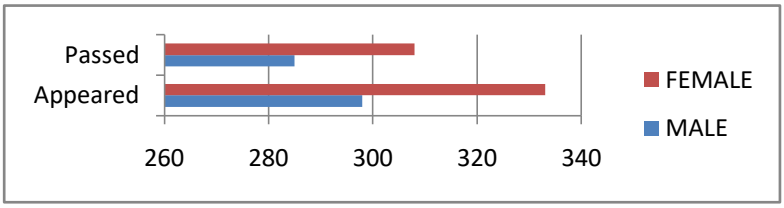

राज्य	उपस्थिती	उत्तीर्ण
जम्मू एवं कश्मीर	428	396
पंजाब	2	2
तमिल नाडू	4	3
बिहार	39	38
आंध्र प्रदेश	4	4
उत्तर प्रदेश	15	15
केरेला	81	78
उत्तराखंड	5	5
हरियाणा	5	5
हिमाचल प्रदेश	5	5
ओड़िशा	4	4
दिल्ली	4	4
राजस्थान	17	17
लद्दाख	3	3
पश्चिम बंगाल	8	8
झारखंड	1	1
मणिपुर	1	1
छत्तीसगढ़	1	1
मध्य प्रदेश	1	1
असम	1	1
तेलंगाना	2	1
	631	593

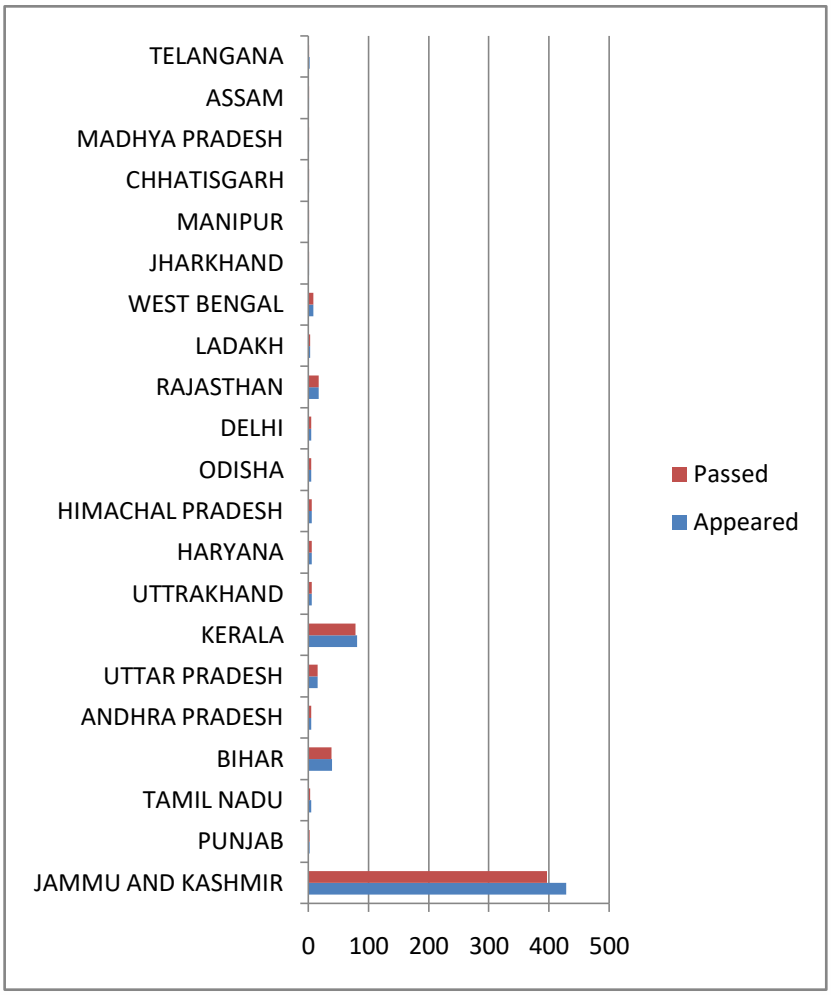

स्थापना स्कंध

संकाय नियुक्ति दिनांक 01.04.2023 से 31.03.2024 तक

क्र सं.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो संताप सनहरी मिश्रा	आचार्य	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
2.	डॉ. कमलेश कुमार	सह आचार्य	रसायन विज्ञान एवं रासायनिक विज्ञान
3.	डॉ. सावरकर शर्मा	सह आचार्य	आणविक जीवविज्ञान
4.	डॉ. नरेंद्र कुमार बैरवा	सह आचार्य	आणविक जीवविज्ञान
5.	डॉ. अंकित टंडन	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान
6.	श्री जय भवानी सिंह	सहायक आचार्य	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
7.	डॉ. अरुण यादव	सहायक आचार्य	विपणन आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
8.	डॉ. सुनील दत्त शर्मा	सह आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स संचार एवं इंजीनियरिंग
9.	डॉ. सुस्मिता एक्का	सहायक आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार
10.	डॉ. अनुराधा चौधरी	सहायक आचार्य	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन
11.	श्री विश्वभूषण प्रधान	सहायक आचार्य	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
12.	डॉ. नीता रानी	सह आचार्य	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन
13.	डॉ. सुधाकर र.	सह आचार्य	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन
14.	प्रो दिनेश कुमार	आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
15.	श्री जाकिर अहमद शेख	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी
16.	डॉ. प्रवीण कुमार मेहता	सह आचार्य	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
17.	डॉ. सुशांत नाग	सह आचार्य	अर्थशास्त्रन
18.	डॉ. महक शर्मा	सहायक आचार्य	गणितशास्त्रय
19.	डॉ. दीपक भारद्वाज	सह आचार्य	वनस्पाति–शास्त्रग
20.	डॉ. मानवी राजपूत	सहायक आचार्य	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
21.	डॉ. प्रवेश पाल	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स संचार एवं इंजीनियरिंग
22.	डॉ. गुर्रम व. स्निग्धा राज	सहायक आचार्य	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यताओं के लिए केंद्र
23.	डॉ. संजीव यादव	सह आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स संचार एवं इंजीनियरिंग
24.	डॉ. शशिकांत मिश्रा	सह आचार्य	हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं
25.	डॉ. अरविन्द ऋतुराज	सह आचार्य	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यताओं के लिए केंद्र
26.	डॉ. सुधीर सिंह	सहायक आचार्य	आणविक जीवविज्ञान केंद्र
27.	डॉ. निरंजना भंडारी	आचार्य	तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता के लिए केंद्र
28.	प्रो असित कुमार मंत्री	आचार्य	शैक्षिक अध्ययन
29.	प्रो अश्विनी कुमार नंदा	आचार्य	अर्थशास्त्री
30.	प्रो अजय पाल शर्मा	आचार्य	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
31.	प्रो कुसुम कुमारी	आचार्य	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
32.	प्रो भारत भूषण	आचार्य	हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं
33.	प्रो बालाजी राव रावुरी	आचार्य	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
34.	प्रो राकेश झा	आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग
35.	डॉ. बिजेंद्र कुमार	सह आचार्य	हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं

36.	डॉ. योगेश कुमार	सह आचार्य	वनस्पाति–शास्त्र
37.	डॉ. उमेश कुमार	सह आचार्य	जन संचार एवं नवीन मीडिया
38.	डॉ. धनंजय कुमार	सह आचार्य	प्राणीविज्ञान
39.	डॉ. नीलिका अरोड़ा	सह आचार्य	विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
40.	डॉ. रंजीत कुमार रमन	सह आचार्य	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
41.	डॉ. उदय प्रताप सिंह	सह आचार्य	गणित
42.	डॉ. प्रवीण कुमार	सह आचार्य	नैनो विज्ञान एवं सामग्री
43.	डॉ. अभय डी.डी. राजपूत	सह आचार्य	जन संचार एवं न्यू मीडिया
44.	डॉ. महेंद्र सिंह	सह आचार्य	पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन
45.	डॉ. अशोक कुमार यादव	सह आचार्य	प्राणीविज्ञान
46.	डॉ. आशीष कुमार	सह आचार्य	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
47.	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह	सह आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
48.	डॉ. भावना अरोड़ा	सह आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
49.	श्री फतेह लाल भील	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य
50.	डॉ. मोहन गलगोत्रा	सहायक आचार्य	शैक्षिक अध्ययन
51.	डॉ. गौरव कुमार	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
52.	डॉ. मिस्बाह शफी	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग
53.	श्री अरुण कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
54.	श्री गौरव ठाकुर	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
55.	सुश्री हरनैन कौर	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
56.	डॉ. पलक महाजन	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
57.	श्री विशाल	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्रय
58.	श्री इंद्र प्रताप	सहायक आचार्य	लोक नीति एवं लोक प्रशासन
59.	डॉ. जसविंदर पाल सिंह	सहायक आचार्य	कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
60.	डॉ. ओंकार नाथ वर्मा	सहायक आचार्य	भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान
61.	श्री राजीव कुमार	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग
62.	डॉ. प्रियांक शर्मा	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग

गैर–शिक्षण कर्मचारियो की नियुक्तियां दिनांक – 01.04.2023 से 31.03.2024

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1.	श्रीमती राधा कुमारी	निजी सहायक
2.	श्री अर्जुन गौतम	सहायक
3.	सुश्री दिव्या शर्मा	सांख्यिकीय सहायक
4.	श्री कुमार आयुष	जूनियर इंजीनियर (सिविल)
5.	श्री सुरेश चौधरी	चालक
6.	श्री बंसी लाल	चालक
7.	श्री संजय	अवर श्रेणी क्लर्क
8.	श्री मुकेश कुमार	अवर श्रेणी क्लर्क
9.	श्रीमती नीतू गुप्ता	अवर श्रेणी क्लर्क
10.	सुश्री वसुधा खजूरिया	अवर श्रेणी क्लर्क
11.	श्रीमती सुनेहा दबगोत्रा	अवर श्रेणी क्लर्क
12.	श्री रहीश कुमार	अवर श्रेणी क्लर्क
13.	श्री हरीश बडगल	अवर श्रेणी क्लर्क
14.	श्री साहिल सिंह संब्याल	अवर श्रेणी क्लर्क
15.	श्री राजन बडयाल	जन सम्पर्क अधिकारी

एनसीसी महिला स्कंध का उद्घाटन

गणतंत्र दिवस पर माननीय कुलपति प्रो संजीव जैन द्वारा एनसीसी महिला स्कंध का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस महत्वपूर्ण घटना ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में महिला स्कंध की शुरुआत को चिह्नित किया, जिसने नेतृत्व और राष्ट्रीय सेवा में युवा महिलाओं के लिए अवसरों को बढ़ाया।

हिंदी प्रकोष्ठ

जम्मू केंद्रीय विश्वेविद्यालय में हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना हिंदी अधिकारी की नियुक्ति के साथ वर्ष 2014 में की गई है। हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के द्वारा समय–समय पर जारी राजभाषा नियमों से संबंधित आदेशों, अनुदेशों का अनुपालन और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय के सभी विभागों/अनुभागों को हिंदी प्रकोष्ठ, अनुवाद संबंधी प्रशासनिक सहायता, प्रशिक्षण व अन्यक सुविधाएं उपलब्धन करवाने में महत्वहपूर्ण भूमिका निभाता है।

26 जनवरी, 1950 को संविधान के लागू होने के साथ ही संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा बनाया गया है तथा भारत सरकार को हिंदी के प्रयोग के स्तर को बढ़ावा देने का उत्तारदायित्व सौंपा गया है। तत्पश्चात् राजभाषा अधिनियम 1963 अस्तित्व में आया। राजभाषा अधिनियम बनने के बाद, राजभाषा नियम 1976 लागू किया गया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, निरंतर हिंदी को राजभाषा के रूप में प्रयोग करने के लिए आदेश जारी करता है।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी आदेशों, नियमों और संकल्पों को पूरा करने के लिए सभी प्रयासरत है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी प्रकोष्ठ की स्थापना की गई ताकि सरकारी कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग सुनिश्चित किया जा सके।

उद्देश्य

हिंदी प्रकोष्ठ का उद्देश्य है कि सभी लोग सरकार की भाषा नीति और राजभाषा नियमों को जानें तथा विश्विविद्यालय के किसी भी कार्य में भाषा संबंधी कोई रुकावट न आने पाए। हम लोग भाषाएं पढ़ें, सीखें, राजभाषा नियमों का अनुपालन करें परंतु एक आनंद के साथ।

1. विश्वविद्यालय के समस्त संस्थानों अध्ययनशालाओं/विभागों/अनुभागों कार्यालयों में संघ की राजभाषा नीति के मूलाधार–आग्रह, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रागामी प्रयोग को निरंतर बढ़ावा देना।
2. विश्वविद्यालय की समस्त अध्ययनशालाओं/विभागों/अनुभागों कार्यालयों को राजभाषा हिंदी के प्रयोग के लिए आवश्यक निदेश एवं मार्गदर्शन देना।
3. विश्वविद्यालय में संघ की राजभाषा नीति, कार्यक्रमों तथा संबंधित गतिविधियों का प्रचार–प्रसार करके हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना।
4. विश्वविद्यालय में संघ की राजभाषा नीति के क्रियान्वयन की स्थिति की निगरानी करना और उसकी समीक्षा करना।

5. राजभाषा हिंदी से संबंधित अधिनियम/नियम/आदेश/अनुदेश के समुचित अनुपालन के उद्देश्य से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करना।

6. पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए राजभाषा हिंदी के प्रयोग हेतु उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना।

दूरदर्शिता : राजभाषा हिंदी के प्रयोग के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता केंद्र के रुप में स्थापित करना जिससे यह अपनी विश्वव्यापी प्रतिष्ठा के अनुरुप अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के लिए आदर्श व अनुकरणीय बन सके। मिशनप्रेरणा, प्रोत्साहन, प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों, कर्मचारियों के हिंदी ज्ञान में अभिवृद्धि तथा हिंदी के प्रति प्रेम और अपनत्व का भाव जगाना।

राजभाषा अनुभाग के कर्मचारी

सहायक निदेशक (रा.)	डॉ. प्रियंजन
हिंदी अनुवादक	सतीश प्रसाद
हिंदी टंकक	विनीत कुमार

राजभाषा प्रकोष्ठ के प्रमुख कार्य एवं गतिविधियां

- संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम का क्रियान्वयन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में करना।
- प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित करना, कार्यवृत्त तैयार करना और इसे विश्वविद्यालय में परिचालित करना।
- हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट समेकित करना एवं इसे राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को प्रेषित करना।
- हिंदी सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- हिंदी पत्रिका 'उत्तर वाहिनी' का प्रकाशन करना।
- विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग हेतु अपेक्षित परिपत्र जारी करना।
- विश्वविद्यालय की विभिन्न विभागों/कार्यालयों/अनुभागों/प्रभागों से प्राप्त हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा करना तथा तत्संबंधी आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करना।
- शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त आदेशों/अनुदेशों का अनुपालन करना एवं पत्रादि का प्रत्युत्तर देना।
- अधिकारियों/कर्मचारियों के हिंदी ज्ञान से संबंधित रोस्टर तैयार करना।
- आवश्यकतानुसार अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी के प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
- हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा का आयोजन तथा इसके दौरान विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों/शाखाओं को पुरस्कृत करना।
- विश्वविद्यालय के विभागों/कार्यालयों/अनुभागों/प्रभागों का राजभाषा संबंधी निरीक्षण करना।
- अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना।
- हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी किए जाने वाले आदेशों/अनुदेशों/दिशानिर्देशों इत्यादि से विश्वविद्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को अवगत कराना।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की राजभाषा क्रियान्वयन समिति

प्रो संजीव जैन. कुलपति	अध्यक्ष
प्रो यशवंत सिंह (डॉ.) कुलसचिव (प्रभारी)	सदस्य
प्रो सूरम सिन्ह परीक्षा नियंत्रक (प्रभारी)	सदस्य
मो इकबाल. वित्त अधिकारी (प्रभारी)	सदस्य
श्रीमती शफला परिहार उप कुलसचिव	सदस्य
श्री विशाल वड़गोत्रा अधिषाशी अभियंता	सदस्य
श्री विकास गुप्ता सहायक कुलसचिव (संपदा)	सदस्य
श्री अजय शर्मा सहायक कुलसचिव (अकादमिक)	सदस्य
श्री शलैन्द्र सलाथिया सहायक कुलसचिव (स्थापना)	सदस्य
श्री उदित महाजन तंत्र विश्लेषक	सदस्य
श्री ध्रुव पुस्तकालय वैज्ञानिक	सदस्य
डॉ. प्रियंजन. सहायक निदेशक (भ.रा)	सदस्य सचिव

वर्ष के दौरान राजभाषा से संबंधित प्रमुख गतिविधियां

हिंदी पखवाडे का अयोजन

जम्मू केंद्रीय विश्वधविद्यालय में आज 14 सितम्बार 2023 से 29 सितम्बार 2023 तक चलने वाले हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ किया गया है । हिंदी दिवस के उपलक्ष्ये पर आज दिनांक 14 सितम्बवर को एक कार्यक्रम का आयोजन विश्वेविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन जी की अध्य क्षता में किया गया । जवकी कार्यक्रम में मुख्यं वक्ताज के रूप में आई आई एम सी के डॉ. दिलीप कुमार जी रहे ।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए हिंदी एवं अन्य् भारतीय भाषा विभाग के विभागाध्य क्ष, प्रो. भारत भूषण जी ने सभी आमंत्रित सदस्यों का स्वामगत किया । उन्हों ने हिंदी दिवस पर चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी दिवस हर साल 14 सितंबर को मनाया जाता है, ताकि हम सभी अपनी मातृभाषा के महत्व को समझ सकें और इसे बढ़ावा दे सकें। हिंदी भाषा हमारे देश, की भाषा है, और हमारी अपनी भाषा का महत्व अन्यभ किसी भाषा से अत्यधिक है।

इसके बाद डॉ. प्रियंजन, सहायक निदेशक (रा.भा) ने उपस्थित सभी सदस्यों को पखबाड़े के दौरान विश्वधविद्यालय द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों का विवरण दिया तथा विश्वसविद्यालय के कर्मचारियों एवं छात्रों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता करने का अनुरोध भी किया।

कार्यक्रम पर विश्वरविद्यायल के कुलपति, प्रो. संजीव जैन जी ने अपने वकत्वतय में कहा कि हिंदी दिवस का महत्व यह है कि हम अपनी भाषा के प्रति अपनी सजगता और समर्पण को प्रकट करें। हमारी भाषा हमारी सोच और विचारों का माध्यम होती है, और यह हमारे सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दिन, हमें हिंदी भाषा के महत्व को समझने और दुनिया को यह दिखाने का अवसर मिलता है कि हमारी भाषा कितनी समृद्धि और विविधता से भरपूर है।

हिंदी का उच्चारण सही रूप से होना अत्यंत महत्वपूर्ण है, और हमें इसे बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। हिंदी दिवस के इस मौके पर, हम सभी को हिंदी भाषा के प्रति अपने समर्पित और प्यारभरे भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर मिलता है। हमें हमारी भाषा के साथ गर्व महसूस करना चाहिए और इसे और भी मजबूती से बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। कुलपति महोदय ने आगे कहा कि हिंदी की आज भी लोगों की मानसिकता है कि यदि कोई अंग्रेजी में बात करता है तो उसे पढ़ा लिखा माना जाता है तथा यदि कोई हिंदी में बात करता है तो उसे महत्वं नहीं दिया जाता है। हमें इस मानसिकता से उपज रही दूरियों को भरने का कार्य करना है तथा सभी को हिंदी के साथ जोड़ना है । जबकि दूसरे देश जैसे चीन, जर्मनी, जापान जैसे देश अपनी ही भाषा में आगे बड़ रहे हैं तो भारत क्योंथ नहीं बढ़ सकता। सभी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कुलपति महोदय ने कहा कि हमें मन के अनुसार कार्य करने की प्रवृति को त्याागना चाहिए तथा एक जुट हो कर हिंदी में ही प्रशासनिक कार्य करना चाहिए। अपनी भाषा से सरल और सुविधाजनक कुछ नहीं है तथा यही भाषा देश को विकासशील से विकसित बना सकती है। हॉलांकि समस्याएं है परंतु उनका समाधान भी उपलब्धा हो रहे हैं । कुलपति महोदय ने कहा कि हम भविष्यब में विश्विवद्यालय में प्रश्नर पत्र भी हिंदी माध्यिम से तैयार करवाएंगे परंतु इसके लिए सबका साथ जरुरी है । आगे कहते हुए कुलपति महोदय ने कहा कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य हमारी भाषा के महत्व को बढ़ावा देना है, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियाँ और भी हमारी भाषा को महत्वपूर्ण बनाएं और उसके साथ जुड़े रहें।

मुख्य अतिथि डॉ. दिलीप जी ने भी अपने विचार रखते हुए बहुत ही बुलंद शब्दोां में हिंदी को अपनाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जो हमारे देश के विविध संस्कृतियों को जोड़ने का माध्यम है। यह हमारे देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। हिंदी भाषा का महत्व हमारे सोचने के तरीके, हमारे सांस्कृतिक धरोहर, और हमारे समाज के विकास में होता है। हिंदी को भारत के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों मां बोली जाती है, और यह लोगों के बीच सामान्य रूप से संवाद का माध्यम है। हिंदी का विकास और सुधार उसकी पढ़ाई, विकास, और सुधार के माध्यम से किया जा रहा है। यह एक महत्वपूर्ण भाषा है जिसे स्कूलों, कॉलेजों, और अन्य शिक्षा संस्थानों में पढ़ाया जाता है, ताकि लोग इसे सच्चे माध्यम के रूप में सीख सकें और इसका उपयोग अपनी दैनिक जीवन में कर सकें। इसके अलावा, हिंदी भाषा का महत्व भारतीय संस्कृति और इतिहास के साथ जुड़ा हुआ है और यह भारतीय जनता की भाषा की अहमियत का भी प्रचार – प्रसार करता है।हमें यह समझना चाहिए कि हिंदी भाषा का महत्व सिर्फ हमारे देश में ही नहीं, बल्कि विश्व भर में भी है। यह एक ऐसी भाषा है जो दुनिया भर के लोगों के लिए एक माध्यम के रूप में काम करती है, और भाषा के माध्यम से हम अपने विचारों और विचारों को दुनिया के साथ साझा करते हैं। हिंदी पखवाड़े के दौरान, हमें अपनी भाषा के प्रति अपने समर्पण को दिखाने का मौका मिलता है। हमें इस अवसर का सही तरीके से उपयोग करना चाहिए, ताकि हमारी भाषा के महत्व को और भी बढ़ावा दिया जा सके। हमें हिंदी के महान कवियों और लेखकों के काम को पढ़ना और समझना चाहिए, ताकि हम उनके योगदान को समझ सकें और सराह सकें और हम एक ऐसे दिन की परिकल्पकना करें कि हमें भारत में हिंदी पखवड़े न मनाने पड़ें, अपितु पूरे विश्वऔ में इसके आयोजन हों । उन्होंर ने जसटिस कृष्णीस्वांमी की बात को दोहराते हुए कहा कि ''अगर हमें सभी भारतीय भाषाओं के लिए एक ही लिपि की आवश्यकता है, तो वह देवनागरी है'' । उन्हों ने हिंदी संबंध में भविष्यब का एक खंचा तैयार करने की बात की जो सरल एवं सहज हो तथा लोग आम बोलचाल की भाषा में उसे अपना सकें ।

कार्यक्रम में भाषा विद्यालय की अधिष्ठानता, डॉ. वंदना शर्मा जी ने अपने वक्तकव्य में कहा कि हिंदी हमारी भाषा है तथा यह हमारा उत्तोर दयित्वि है कि हम हिंदी भाषा को समृद्ध करें । एक अनुवादकर्ता के रूप में मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि हम अनुवाद के माध्यसम से भी इस भाषा के भविष्यह को समृद्ध कर सकें । आज का दिवस भारत के लिए भाषा दिवस है पूरे भारत में आज यह दिवस प्रत्येअक कार्यालय में बड़ी ही धूम–धाम से मनाया जा रहा है । आने वाले 15 दिन विश्वलविद्यालय में भी विभिन्न आयोजन किये जाएगें और मुझे आशा है कि हमारे विश्वाविद्यालय में हिंदी का प्रचार–प्रसार और अधिक होगा। उन्होंसने श्रृग्वेदि की सुक्ति कहते हुए कहा कि

आनो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वतः।

लेताव आसो मानुष्यारिह जगत्।

यह सूक्ति प्राकृतिक के महत्व को और भी बढ़ावा देती है और विश्व के सभी मानवों को आपसी सद्भावना और सहयोग की ओर प्रोत्साहित करती है। और इसी संदर्भ में हमारे आने वाल पीढ़ियों के लिए हमें हिंदी पर काम करना है जिससे वह यह समझ सकें कि यह उनकी अपनी भाषा है न कि किसी अन्यी की ।

कार्यक्रम का अंत कुलसचिव , प्रो.यशवंत सिंह के धन्यकवाद ज्ञापन से हुआ । उन्होंकने उपस्थित सभी का हार्दिक धन्यरवाद किया तथा विश्विवंद्यालय में राजभाषा नीति के अनुपालन की दृष्टील से किये जा रहे कार्यों विवरण भी सभी के समक्ष प्रस्तुत किया तथा कर्मचारियों की सराहना की, कि पिछले एक साल में विश्वलविद्यालय में हिंदी में किये जा रहे कार्यों में बहुत वृद्धि हुई है तथां आशा प्रकट की कि, आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी । इस अवसर पर गृह मंत्री

का हिंदी दिवस पर संदेश भी, हिंदी अनुवादक, श्री सतीश प्रसाद द्वारा पढ़ा गया । इस पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. बंदना शर्मा, सहायक आचार्य, हिंदी एवं अन्यय भारतीय भाषा विभाग द्वारा किया गया ।

संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का राजभाषा हिंदी के कार्यों का निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का राजभाषा हिंदी के कार्यों की समीक्षा हेतु दिनांक 25 सितम्ब र, 2023 को निरीक्षण श्री नगर में आयोजित किया गया । संसदीय राजभाषा समिति इस दौरान जम्मू एवं कश्मी र स्थित कुल 26 कार्यालयों का निरीक्षण करने के लिए उपस्थित है।

संसदीय राजभाषा समिति का गठन राजभाषा अधिनियम, 1963 के अधीन वर्ष 1976 में किया गया था। यह उच्चाधिकार प्राप्त संसदीय समिति है। इसमें 30 संसद सदस्य होते हैंजिसमें 20 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से। माननीय गृह मंत्री जी इस समिति के अध्यक्ष हैं। राजभाषा कार्य की प्रगति के निरीक्षण कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए इस समिति को तीन उप–समितियों में विभाजित किया गया है। समिति की ये तीनों उप–समितियां अब तक 14,600 से अधिक कार्यालयों का निरीक्षण कर चुकी हैं और लगभग 882 गणमान्य व्यक्तियों का मौखिक साक्ष्य भी ले चुकी हैं, जिनमें उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, राज्यों के मुख्यमंत्री और राज्यपाल शामिल हैं।

इस समिति का मुख्य उद्देश्य सरकार के कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा करना है।श्रीनगर में आयोजित इस समिति की अध्यमक्षता,श्री रामचंद्र जांगड़ा, संसद सदस्यग (राज्यक सभा) जी नें की, इनके अतिरिक्ता इस समिति में श्री धमेंद्र कश्य प, संसद सदस्यं (लोक सभा) श्री ईरण्णि कड़ाडी, संसद सदस्यज, (राज्यस सभा) तथा श्री श्यानम सिंह यादव, संसद सदस्यक, लोक सभा रहे। इसके अतिरिक्तथ समिति में संसदीय राजभाषा समिति कार्यालय के श्री धर्मराज खटीक जी, एवं उनके कार्यालाय से अन्यम सदस्यी भी उपस्थित रहे । ।

समिति ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.सजीव जैनद्वारा हिंदी के प्रचार–प्रसार एवं कार्यान्वइयन में किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की और संतोष व्यलक्तण किया कि, विश्व विद्यालय ने राजभाषा नियमों के अनुरुप कार्य किया है । समिति ने आशा व्येक्ता की भविष्य् में विश्वविद्यालय अपना काम पूर्णतः हिंदी में करने में सक्षम होगा । समिति ने प्रो. संजीव जैन, कुलपति द्वारा किये जा रहे कार्यो का उद्धारण देते हुए अन्य कार्यालयों को भी प्रेरणा लेने के लिए कहा। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा राजभाषा से संबंधित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था, जिसकी प्रशंसा भी समिति ने की ।

इस निरीक्षण में विश्वुविद्यालय की ओर से प्रो. विनय कुमार, अधिष्ठादता, आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय, श्री मों. इकबाल, प्रभारी वित्तर अधिकारी, डॉ.प्रियंजन, सहायक निदेशक (रा.भा) तथा श्री साहिल कुमार, निजी सचिव, (कुलपति)तथा श्री विनीत कुमार उपस्थित रहे।

कार्यशाला का आयोजन

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत दिनांक 05 फरवरी से 9 फरवरी तक 5 दिवसीय हिंदी शब्दक संसाधनधहिंदी टंकण

कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान ६ हिंदी शिक्षण योजना द्वारा कार्मिकों को कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने हेतु प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है।

हर वर्ष राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिन्दी के प्रयोग से सम्बन्धित लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं ।यह कार्यक्रम राजभाषा नीति के क्रियान्वयन के लिए की गईव्यवस्थाओं के अनुरुप है। कार्यालयोंधविभागों में हिन्दी के सुचारू प्रयोग और उत्तरोत्तर हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकारी कर्मचारियों को राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम और आदेशों की जानकारी होना आवश्यक है । इस क्रम में जम्मूत केंद्रीय विश्वएविद्यालय नवनियुक्तज लिपिकों तथा सहायकों के लिए इस कार्यक्रम का अयोजन किया गया है ।

जम्मूए केंद्रीय विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन जी राजभाषा नीति के प्रतिपालन के प्रतिबद्ध हैं । उनका मानना है कि प्रत्येबक कर्मचारी को हिंदी में कार्य करना आना चाहिए तथा जो कर्मचारी हिंदी में कार्य करने में सक्षम नहीं है उन्हेंत प्रशिक्षित किया जाना चाहिए । विश्वनविद्यालय के लगभग सभी शिक्षणेत्तार कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

विश्वसविद्यालय के विभिन्नर विभागों में कार्यरत कुल 14 कर्मचारियों को इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है । इस कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रुप में श्री संतोष कुमार, सहायक निदेशक (टंकण), राभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से रहे ।

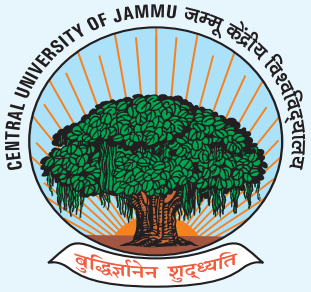

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 द्वारा स्थापित)
राया–सुचानी (बागला), जिला साम्बा–181143,
जम्मू (जम्मू व कश्मीर)
दूरभाष : 01923–249660
वेबसाइट : www.cujammu.ac.in